गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Tuesday, 2 June, 2026 वर्ष 23 अंक 33, गुवाहाटी, मंगलवार 2 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-1 मूल्य : दस रुपये पेज-12

पूरे आईपीएल में रहा हमारा दबदबा : पाटीदार -10

स्वर्गीय महावीर प्रसाद बजाज : एक संघ साधक-12

सुप्रभातम्

पैरों से कांटा निकलने के बाद चलने में जो मज़ा आता है, वही मज़ा मन से अहंकार निकलने के बाद जीवन जीने में आता है।

वाणिज्यिक एलपीजी 42 व छोटा सिलेंडर 11 रुपये महंगा

नयी दिल्ली, 1 जून (भा)। होटल, रेस्तरां एवं ढाबों में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी के अलावा पांच किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम सोमवार को बढ़ा दिये गये, जबकि घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया। उद्योग सूत्रों के मुताबिक 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 42 रुपये बढ़कर दिल्ली में 3,113.50 रुपये हो गई, जबकि पहले इसकी कीमत 3,071.50 रुपये थी। इससे पहले एक मई को वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी की गयी थी। वहीं, पांच किलोग्राम वाले छोटे गैस सिलेंडर की कीमत भी 11 रुपये बढ़कर 821.50 रुपये हो गयी है। हालांकि, घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 14.2 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये पर स्थिर रखी गयी है। इसमें आखिरी बार मार्च की शुरुआत में 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। पेट्रोलियम विपणन कंपनियां हर महीने कीमतों की समीक्षा करती हैं और विभिन्न राज्यों में मूल्य-वर्धित कर शेष पृष्ठ आठ पर

नयी पार्टी बना सकते हैं भाजपा नेता अन्नामलाई

चेन्नई, 1 जून (एजें)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गयी हैं। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि वह एक नयी राजनीतिक पार्टी बनाने वाले हैं। अन्नामलाई ने दिल्ली रवाना होने से पहले चेन्नई हवाईअड्डे पर मीडिया से बातचीत में नयी राजनीतिक पार्टी बनाने की अटकलों के बारे में कहा कि वह दो दिनों में जवाब देंगे और अपना रुख स्पष्ट करेंगे। 4 जून को अन्नामलाई के जन्मदिन से पहले शहर की प्रमुख सड़कों और गलियों में हमारे नेता, आओ और हमारा नेतृत्व करो जैसे नारों वाले पोस्टर लगाये गये हैं। भाजपा नेता अन्नामलाई के बारे में डीएमके नेता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि यह एक मजेदार बात है कि वह एक नयी पार्टी बनाने के लिए भाजपा से इजाजत मांग रहे हैं, जबकि वह पहले से ही भाजपा के कार्यकर्ता हैं। मैं कह सकता हूं कि भाजपा में कुछ भी हो शेष पृष्ठ आठ पर

सुमन कल्याणपुर का राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

मुंबई, 1 जून (भा)। *रहें न रहें हम* गीत की मार्मिक धुनों के बीच प्रख्यात पार्श्व गायिका सुमन कल्याणपुर का आज यहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। लता मंगेशकर और आशा भोसले की समकालीन रहीं सुमन कल्याणपुर को वह पहचान और सम्मान शायद कभी पूरी तरह नहीं मिल पाया, जिसकी वह हकदार थीं। *ना तुम हमें जानो* जैसे भावपूर्ण गीतों से लेकर *आज कल तेरे मेरे प्यार के चर्चे* जैसे लोकप्रिय गीतों को अपनी मधुर आवाज देने वाली सुमन कल्याणपुर का रविवार देर रात उनके घर पर उम्र संबंधी समस्याओं के चलते निधन हो गया। वह 89 वर्ष की थीं। सांताक्रूज श्मशान घाट में उनके पार्थिव शरीर को तिरंगे में लपेटा गया और मुंबई पुलिस के जवानों ने उन्हें औपचारिक सलामी दी। उनकी बेटी चारू ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं। चिता को मुखाग्नि दिये जाने के दौरान परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने 1966 की फिल्म ममता शेष पृष्ठ आठ पर

नलबाड़ी में आसू नेता की नृशंस हत्या, मृत्यु से जूझ रही भतीजी मृदुमुद्रा

नलबाड़ी 1 जून (ख.सं.)। मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक भयावह घटना ने पूरे असम को झकझोर दिया है। नलबाड़ी जिले के गंगापुर में कल शाम हुए एक निर्मम हमले में एक युवा आसू (ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन) नेता की मृत्यु हो गयी, जबकि उनकी रिश्तेदार बहन गंभीर रूप से घायल होकर जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रही है। इस घटना के बाद पूरे राज्य में आक्रोश और शोक की लहर दौड़ गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चामता निवासी और पश्चिम नलबाड़ी आंचलिक छात्र संघ के पदाधिकारी माधुर्य बर्मन कल शाम अपनी रिश्तेदार बहन मृदुमुद्रा डेका को घर छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान गंगापुर क्षेत्र में कुछ हमलावरों ने उनका रास्ता रोककर उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में माधुर्य बर्मन की मृत्यु हो

माधुर्य बर्मन

रोज अली

एनकाउंटर में आरोपी ढेर

गयी, जबकि मृदुमुद्रा गंभीर रूप से घायल हो गयीं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया। नलबाड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने माधुर्य बर्मन को मृत घोषित कर दिया। वहीं सिर और शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें लगने के कारण मृदुमुद्रा डेका को बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। माधुर्य बर्मन केवल छात्र संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता ही नहीं थे, बल्कि एक मेधावी छात्र भी थे। उन्होंने इस वर्ष चामता स्थित ईडन वैली अकादमी से उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। उनके पिता हरि चंद्र बर्मन पूर्व छात्र नेता हैं तथा माता गीता बर्मन शिक्षिका हैं। परिवार का इकलौता पुत्र होने के कारण उनकी असामयिक मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है। जानकारी के अनुसार माधुर्य और मृदुमुद्रा रविवार को नलबाड़ी शहर से पाठ्यपुस्तकें खरीदकर लौट रहे थे। घर लौटने से पहले उन्होंने ग्वालपाड़ा चौक पर मोमो भी खाया था। मृदुमुद्रा अपनी मां को लगातार फोन पर अपनी स्थिति की जानकारी दे रही थीं। कुछ देर बाद परिवार को सूचना मिली कि दोनों किसी हादसे का शिकार हो गये हैं। घटनास्थल पर पहुंचने पर परिवार वालों ने उन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में पाया। घटना के पीछे शेष पृष्ठ आठ पर

घटना की आसू व एजेपी ने की निंदा

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। पश्चिम नलबाड़ी आंचलिक छात्र संस्था के सहायक महासचिव माधुर्ज्य बर्मन की हत्या की अखिल असम छात्र संघ (आसू) ने कड़ी शब्दों में निंदा की है। आसू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा और महासचिव समीरन फुकन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि पश्चिम नलबाड़ी आंचलिक छात्र संस्था के सहायक महासचिव बर्मन की हत्या को छात्र संगठन सहजता से नहीं ले पा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक युवक की हत्या नहीं है, बल्कि एक लड़की की अस्मिता को बचाने के लिए एक युवक द्वारा दिया गया बलिदान है। उन्होंने कहा शेष पृष्ठ आठ पर

म्यांमार के राष्ट्रपति ने की पीएम मोदी से मुलाकात, कहा

पूर्वोत्तर के उग्रवादियों को नहीं करने देंगे अपनी धरती का उपयोग

भारत की पहली यात्रा कर चीन को दिया बड़ा झटका

नयी दिल्ली, 1 जून (एजें)। भारत और म्यांमार के बीच संबंधों को नयी रणनीतिक धार देने वाली उच्चस्तरीय वार्ता ने दक्षिण पूर्व एशिया की बदलती भू राजनीतिक तस्वीर में बड़ा संदेश दिया है। म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुनकर साफ संकेत दिया कि वह चीन की बढ़ती पकड़ से संतुलन बनाने के लिए नयी दिल्ली के साथ संबंधों को प्राथमिकता देना चाहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि ह्लाइंग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्पष्ट आश्वासन दिया कि म्यांमार की धरती का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। यह संदेश केवल चीन के लिए ही नहीं बल्कि म्यांमार में सक्रिय उन सशस्त्र गुटों के लिए भी था, जो लंबे समय से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति फैलाने की कोशिश करते रहे हैं। इस वार्ता के जरिए भारत ने म्यांमार में चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती देते हुए यह दिखा दिया कि क्षेत्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और सामरिक साझेदारी के मामले में नयी दिल्ली अब अधिक आक्रामक और निर्णायक भूमिका निभा रही है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वार्ता के बाद बताया कि दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ मृदा तत्वों को लेकर सहयोग पर गंभीर चर्चा हुई। यह क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति और आर्थिक प्रतिस्पर्धा का अहम हिस्सा बन चुका है, क्योंकि आधुनिक प्रौद्योगिकी, रक्षा उपकरण, ऊर्जा परिवर्तन और अर्धचालक उद्योग में इन खनिजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत लंबे समय से इन संसाधनों के लिए चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयासरत है। ऐसे में म्यांमार के साथ सहयोग भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। म्यांमार दुर्लभ मृदा संसाधनों से समृद्ध देश है और भारत इस क्षेत्र में साझेदारी के माध्यम से अपनी आपूर्ति श्रृंखला को अधिक सुरक्षित और विविध बनाना चाहता है। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा, क्षमता निर्माण और सीमा शेष पृष्ठ आठ पर

मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर मांगा विकसित असम के लिए मार्गदर्शन

केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा, नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, मनसुख मंडाविया, हरदीप सिंह पुरी और मनोहर लाल खट्टर से भी मिल उनके मंत्रालयों से संबंधित विषयों पर मांगा परामर्श

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उपराष्ट्रपति को असम के विकास और प्रगति के सफर की जानकारी दी और राज्य को विकसित असम बनाने की दिशा में उनका मार्गदर्शन मांगा। उपराष्ट्रपति एंक्लेव में हुई इस मुलाकात की जानकारी मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति से मिलकर और उन्हें असम की विकास गाथा से अवगत कराकर वे बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति की तारीफ करते हुए उन्हें सार्वजनिक जीवन में विनम्रता, कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन से मिलना हमेशा एक सीखने वाला और समृद्ध करने वाला अनुभव होता है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि असम के विकास लक्ष्यों को पूरा करने और विकसित असम के सपने को साकार करने में उपराष्ट्रपति का मार्गदर्शन आगे भी इसी तरह मिलता रहेगा। यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब असम सरकार अपने दीर्घकालिक विकास एजेंडे के तहत राज्य में आर्थिक विकास को गति देने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सामाजिक क्षेत्र में सुधार लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान उन्होंने असम को एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में बदलने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर चर्चा की और केंद्रीय मंत्री से मार्गदर्शन मांगा। मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने जेपी नड्डा के प्रति शेष पृष्ठ आठ पर

असम विस महाघोटाला

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से मांगा स्पष्टीकरण

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। 15वीं असम विधानसभा में नये विधानसभा भवन, डिजिटल संग्रहालय, विधायकों के लिए आरोग्य केंद्र और अन्य इमारतों के निर्माण में हुए करोड़ों रुपये के कथित घपले को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक देवव्रत सैकिया ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सदन के नेता व मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी के कार्यकाल के दौरान हुए इन निर्माण कार्यों को लेकर सरकार की नीयत पर तीखे सवाल खड़े किये हैं। सैकिया ने ध्यान दिलाया कि इन सभी परियोजनाओं का उद्घाटन खुद मुख्यमंत्री ने किया था, ऐसे में अब यह बड़ा सवाल उठता है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर हुई कथित अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों की भनक मुख्यमंत्री को नहीं थी? उन्होंने पुरजोर मांग की है कि मुख्यमंत्री को इस पूरे गंभीर मामले पर असम की जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने भ्रष्टाचार शेष पृष्ठ आठ पर

अमेरिका के साथ ट्रेड डील लगभग पक्की : पीयूष गोयल

नयी दिल्ली, 1 जून (एजें)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार भारत और अमेरिका अपने शुरुआती द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं, और इसके ज़्यादातर अहम पहलुओं पर पहले ही सहमति बन चुकी है। पीयूष गोयल ने आज कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते का 99% काम पूरा हो चुका है। उनकी यह टिप्पणी तब आयी, जब अमेरिका का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल बातचीत के एक नये दौर के लिए नयी दिल्ली पहुंचा। गोयल के अनुसार अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पहला चरण जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। एक प्रेस कांफ्रेंस में पीयूष गोयल ने कहा कि जहां तक अमेरिकी टीम की बात है, उसके कुछ सदस्य पहले ही पहुंच चुके हैं, जबकि बाकी आज रात पहुंचेंगे। हमारी बैठकें 2, 3 और 4 जून को होनी हैं। दोनों देशों के नेताओं ने 3 फरवरी को ही इस फ्रेमवर्क समझौते की घोषणा कर दी थी। सभी अहम मुद्दों पर सहमति बन गयी है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में कहा था कि 99% विवरणों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मुझे पूरा भरोसा है कि हम अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पहला चरण जल्द से जल्द पूरा कर लेंगे। हम इस पर हस्ताक्षर करेंगे और फिर आगे चलकर एक और भी ज़्यादा व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता कैसे तैयार किया जाए, इस पर आगे की चर्चा शुरू करेंगे। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता से जुड़े सूत्रों के अनुसार भारतीय वार्ताकार प्रतिस्पर्धियों के बीच तरजीही पहुंच हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अमेरिकी व्यापार टीम के साथ बातचीत के एजेंडे में सबसे ऊपर अमेरिकी सेक्शन 301 जांच से टैरिफ में राहत पाना है। सरकार के अनुसार अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करेंगे, जबकि भारत की टीम का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन करेंगे। इन वार्ताओं का उद्देश्य व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को आगे बढ़ाना है।

अंतर्राज्यिक आईपीएल सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़

आठ सट्टेबाज गिरफ्तार, नगदी सहित करोड़ों की संपत्ति जब्त

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। गुवाहाटी पुलिस ने अंतर्राज्यिक सट्टेबाजों के गिरोह का भंडाफोड़ किया है और भारी मात्रा में नगदी के साथ कई अहम दस्तावेज जब्त किया है। सूचना के आधार पर बीती रात गुवाहाटी सेंट्रल पुलिस ने फैंसीबाजार इलाके में छापा मार अंतर्राज्यिक आईपीएल सट्टेबाजों के गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस की टीम ने आलोक जैन के घर पर छापा मारा और एक करोड़ से अधिक की नगदी और संपत्ति बरामद की। साथ ही आठ लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार सभी लोगों की पहचान आलोक जैन, सुनील भास्कर, सत्तो राम, बसंत कुमार, कमल उपाध्याय, अमित कुमार झा, विकास गुप्ता के रुप में की गई है। पुलिस ने इनके पास से एक पिस्तौल और 40 सजीव गोलियां भी बरामद की है। इस सिलसिले में मीडिया को संबोधित करते हुए डीसीपी (सेंट्रल) शंभवी मिश्रा ने कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी की आलोक जैन के घर पर आईपीएल सट्टेबाजी का खेल चल रहा है। उसके बाद पुलिस की टीम ने जैन के घर पर छापा मारा और वहां से लाइव आईपीएल सट्टेबाजी का भंडाफोड़ किया गया। पुलिस ने वहां से 16 मोबाइल, 2 लैपटॉप, दो मोनिटर, दो टैबलेट्स के अलावा कई बैंक खाते, 15 एटीएम कार्ड, 80 हजार नगदी और गुवाहाटी के विभिन्न 26 स्थानों के जमीनों के दस्तावेज बरामद किया गया है। डीसीपी मिश्रा शेष पृष्ठ आठ पर

पेज : 6 बालेन शाह ने सीमा विवाद को लेकर जगहंसाई करवा ली

पेज : 8 सीएम सैनी ने शुरू किया राज्यव्यापी योग अभियान

पेज : 9 भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

प्रातः खबर
मंगलवार, 2 जून, 2026

भाजपा नहीं ले रही है टीएमसी से बदला : शुभेंदु

दो विधायकों की शिकायत पर अभिषेक को सीआईडी नोटिस

कोलकाता, 1 जून (भा)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज कहा कि भाजपा सरकार तृणमूल कांग्रेस से बदला नहीं ले रही है और सीआईडी ने सांसद अभिषेक बनर्जी को उनकी ही पार्टी के दो विधायकों की शिकायत के बाद नोटिस भेजा है। उन्होंने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के दो विधायकों- रीताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा-ने विधानसभा सचिवालय में शिकायत दर्ज कराई है कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के पार्टी के प्रस्ताव पर उनके हस्ताक्षर जाली थे। मुख्यमंत्री के संवाददाता सम्मेलन के तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस ने दोनों विधायकों को दल विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों को यह प्रतिशोध जैसा लग सकता है, लेकिन हम ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहते, क्योंकि पार्टी (टीएमसी) पहले ही निष्क्रिय हो चुकी है। अभिषेक बनर्जी और कुछ अन्य टीएमसी नेताओं ने राज्य में भाजपा सरकार द्वारा की गयी कार्रवाइयों को लेकर उस पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया है। अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा बनर्जी को आज उसके समक्ष पेश होने के लिए नोटिस भेजने में न तो भाजपा और न ही सरकार की कोई भूमिका है, यह नोटिस कथित हस्ताक्षर जालसाजी की जांच के सिलसिले में भेजा गया है। फालटा से उम्मीदवार बने जहांगीर खान के 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान से दो दिन पहले चुनाव से हटने पर टीएमसी का मजाक उड़ाते हुए उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि पार्टी असल में निष्क्रिय हो चुकी है। हस्ताक्षरों को जाली बताते हुए अधिकारी ने कहा कि मैंने सीआईडी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत जालसाजी के प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने के लिए कहा है। अधिकारी ने बताया कि सीआईडी ने टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव बनर्जी को आज संकल्प के साथ पेश होने का नोटिस दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने उन्हें बताया है कि बनर्जी ने सीआईडी के समक्ष पेश होने के लिए और समय मांगा है। अधिकारी ने कहा कि बीमारी या अन्य मुद्दों के कारण किसी को भी समय सीमा में विस्तार देना है या नहीं, यह तय करना सीआईडी पर निर्भर है, और उन्होंने कहा कि वह इसमें हस्तक्षेप नहीं करेंगे। बनर्जी ने स्वयं के वकीलों के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए सीआईडी के समक्ष पेश होने के लिए समय बढ़ाने की मांग की है। अधिकारी ने कहा कि नौ मई को विधानसभा अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में, क्षेत्रीय पार्टी तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव ने लिखा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष का नेता नियुक्त किया जाए। सीआईडी जांच की ओर ले जाने वाली घटनाओं का क्रम बताते हुए, अधिकारी ने कहा कि 18 मई को, अध्यक्ष के आदेश पर, विधानसभा के प्रधान सचिव ने अभिषेक बनर्जी को चट्टोपाध्याय की नियुक्ति के प्रस्ताव का विवरण प्रस्तुत करने के लिए लिखा था। अधिकारी ने कहा कि 20 मई को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने पार्टी के 70 विधायकों के हस्ताक्षरों वाला प्रस्ताव भेजा था, जिनमें से दस से अधिक नाम बड़े अक्षरों में लिखे गये हैं, और उनका कहना है कि हस्ताक्षर बड़े अक्षरों में नहीं हो सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीएमसी के दो विधायकों रीताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा ने अध्यक्ष से शिकायत की और आरोप लगाया कि छह मई को विपक्ष के नेता के चयन के संबंध में कोई प्रस्ताव पारित नहीं किया गया। अधिकारी ने कहा कि शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि छह मई, 2026 का प्रस्ताव मनगढ़ंत और फर्जी था, जिसमें कहा गया है कि 14 हस्ताक्षर बड़े अक्षरों में थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अध्यक्ष के निर्देश पर प्रधान सचिव ने हरे स्ट्रीट पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई और गृह सचिव के निर्देश पर, राज्य गृह मंत्री के रूप में मेरी स्वीकृति से, जांच सीआईडी को सौंप दी गयी। उन्होंने कहा कि जांच के सिलसिले में सीआईडी ने वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ 13 टीएमसी विधायकों से पूछताछ की और हस्ताक्षर सत्यापन के लिए हस्तलेख विशेषज्ञों को भी साथ लिया। अधिकारी ने कहा कि टीएमसी विधायक कैनिंग पश्चिम के बहारुल इस्लाम, बोलपुर के चंद्रनाथ सिन्हा, हावड़ा मध्य के अरूप रॉय, डोमजूर के तापस मैती, चौरंगी की नयना बनर्जी, रायदिघी के तापस मंडल, महेस्तला के सुभाशीष दास, कुमारगंज के तोराफ हुसैन मंडल, खड़गपुर के दीनेन रॉय, बेलेघाटा के कुणाल घोष, लालगोला के अब्दुल अजीज डॉक्टर, हरोआ के अब्दुल मतीन और बशीरहाट उत्तर के तौसिफुर रहमान से पूछताछ की गयी। उन्होंने कहा कि इन विधायकों में से तीन- अरूप रॉय, बहारुल इस्लाम और सुभाशीष दास ने कहा कि हस्ताक्षर उनके नहीं थे। पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर टीएमसी विधायकों की बैठक को कथित तौर पर कम उपस्थिति के कारण रद्द किये जाने का हवाला देते हुए, उन्होंने जोर देकर कहा कि पश्चिम बंगाल में उन्होंने जो किया है, उसे देखते हुए पार्टी के पुनरुद्धार की कोई संभावना नहीं है। यह दावा करते हुए कि राज्य की जनता ने टीएमसी का बहिष्कार कर दिया है, अधिकारी ने कहा कि उन्हें उनकी किसी भी बैठक और रैली में शामिल होने के लिए कोई नहीं मिलेगा।

मई में रिकॉर्ड 27,911 तीर्थयात्रियों ने किये कैलाश व ओम पर्वत के दर्शन

पिथौरागढ़, 1 जून (भा)। इस साल मई में देश के विभिन्न हिस्सों से रिकॉर्ड 27,911 तीर्थयात्रियों ने आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन किये। यह संख्या पिछले वर्ष के मुकाबले 150 फीसदी से भी अधिक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। धारचूला के उप जिलाधिकारी आशीष जोशी ने बताया कि मई 2025 में 10,267 तीर्थयात्रियों ने आदि कैलाश के दर्शन किये, जबकि 2024 और 2023 में इस महीने में आदि कैलाश यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या क्रमशः 9,554 और 2,858 थी। सूत्रों के मुताबिक, अक्तूबर 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन करने के बाद इस यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी आशीष भटगायी ने कहा कि आदि कैलाश यात्रा इस सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार का सबसे बड़ा स्रोत साबित हुई है। उन्होंने कहा कि इस तीर्थयात्रा के प्रति रुझान बढ़ने से भारत-चीन और भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सीमावर्ती गांवों से पलायन कम हुआ है।

पंचांग

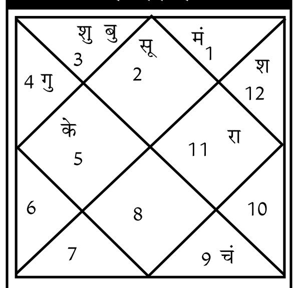

तिथि संवत: प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष द्वितीया सायंकाल 7.00 बजे तक रहेगी।
विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव संवत्सर (रौद्र) तारीख 2 जून मंगलवार।
सूर्योदयकालीन नक्षत्र : मूल रात्रि 10.00 बजे तक इसके बाद पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रहेगा।
योग :- साध्य प्रात: 7.15 बजे तक इसके बाद शुभ योग रहेगा।
करण-तैतिल प्रात: 5.48 बजे तक तदुपरांत गर करण सायंकाल - 7.00 बजे तक रहेगा।
ग्रह विचार : (प्रात: 4.30) सूर्य-वृष, चंद्र-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।
राहुकाल : अपराह्न 3.00 बजे से 4.30 बजे तक रहेगा।
सूर्योदय: 4.30 बजे सूर्यास्त 6.10 बजे।
ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी
गुवाहाटी मो. 9529781915

अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य से 70 वाणिज्यिक जहाजों को निकलवाया सुरक्षित

वाशिंगटन, 1 जून (भा)। पिछले तीन हफ्तों में अमेरिकी सशस्त्र बलों ने लगभग 70 वाणिज्यिक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकाला है। मीडिया में आयी एक खबर में यह जानकारी दी गयी। ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध की शुरुआत के तीन महीने बाद से यह जलमार्ग जोखिम भरा बना हुआ है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि पिछले तीन हफ्तों में अमेरिकी सेंट्रल कमान ने फारस की खाड़ी में आने-जाने वाले लगभग 70 वाणिज्यिक जहाजों का जलडमरूमध्य से गुजरने में मार्गदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि संकरे जलमार्ग से गुजरते समय पकड़े जाने से बचने के लिए ज्यादातर जहाजों ने अपने ट्रांसपोंडर बंद कर दिये थे। बताया गया कि 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने से पहले, प्रतिदिन 100 से अधिक वाणिज्यिक जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरते थे। ईरान और ओमान से घिरे इस संकरे जलमार्ग से वैश्विक तेल आपूर्ति की 20 प्रतिशत माल ढुलाई होती है। अधिकारियों ने यह बताने से इनकार कर दिया कि किस प्रकार के जहाज वहां से गुजर रहे थे और उन्होंने कौन सा मार्ग अपनाया, लेकिन एक अधिकारी ने संकेत दिया कि कम से कम एक मार्ग ईरानी तटरेखा के करीब नहीं था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि ईरान की अनुमति के बिना ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ईरानी ड्रोन या मिसाइलों द्वारा हमले का खतरा लगभग निश्चित है। नौवहन विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका द्वारा निर्देशित ये मार्ग ओमान के करीब से गुजरते प्रतीत होते हैं। चूंकि, अमेरिकी मार्गदर्शन में होने वाली समुद्री यात्राएं ट्रांसपोंडर बंद करके की जाती हैं, जिन्हें गुप्त मार्ग के रूप में जाना जाता है, इसलिए जहाजरानी विश्लेषकों का कहना है कि वे स्वतंत्र रूप से यह सत्यापित नहीं कर सकते कि ऐसी कितनी यात्राएं हुई होंगी। अमेरिका और ईरान उस युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति को बाधित कर दिया है, जिससे पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों की खुदरा कीमतें बढ़ गयी हैं। अमेरिका और ईरान आठ अप्रैल को युद्धविराम पर सहमत हुए, लेकिन तेहरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करना जारी है, जो जलमार्ग पर अपना नियंत्रण जता रहा है।

ब्रह्मपुत्र में नहाने गये दो किशोर लापता

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। महानगर के अमीनगांव स्थित सराईघाट पुल के नीचे आज एक दुखद घटना सामने आयी, जहां ब्रह्मपुत्र नद में नहाने गये दो किशोर लापता हो गये। घटना के बाद इलाके में चिंता और अफरा-तफरी का माहौल कायम है। मिली जानकारी के अनुसार लापता किशोरों की पहचान अमीनगांव के कालीबाड़ी निवासी 18 वर्षीय राजेश्वर पाल और 15 वर्षीय अनुज यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों नहाने के लिए नदी में उतरे थे, तभी ब्रह्मपुत्र की तेज धारा उन्हें अपने साथ बहाकर ले गयी। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी, जिसके बाद अमीनगांव पुलिस मौके पर पहुंची और प्रारंभिक बचाव अभियान शुरू किया। प्रशासन और आपदा राहत दल द्वारा तलाशी अभियान तेज किया गया है। फिलहाल दोनों किशोरों का कोई पता नहीं चल पाया है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

पार्टी संगठन की प्रगति चापलूसी से नहीं, मेहनत व जनसंपर्क से होगी : राहुल

जयपुर, 1 जून (भा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज पार्टी के जिला अध्यक्षों से कहा कि संगठन की प्रगति चापलूसी से नहीं, बल्कि त्याग, मेहनत और जनसंपर्क से होगी। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। राहुल ने अजमेर के पुष्कर में आयोजित राजस्थान और दिल्ली के कांग्रेस जिला अध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को जनता से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाना चाहिए और जब भी गरीबों व वंचितों के साथ अन्याय हो, उनके साथ खड़ा होना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने शिविर में पांच घंटे से अधिक समय बिताया और पार्टी संगठन को मजबूत करने, समूह की भावना से काम करने, विचारधारा का प्रसार करने और जनसंपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने जिला अध्यक्षों से कहा कि वे केवल संगठनात्मक ढांचे तक सीमित न रहें, बल्कि नागरिकों से सीधा संपर्क स्थापित करें। राहुल ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करने और पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए लोगों का विश्वास फिर से हासिल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की प्रगति प्रतिबद्धता और सेवा पर आधारित होनी चाहिए, न कि वरिष्ठ नेताओं के प्रति व्यक्तिगत निष्ठा पर। राहुल ने पार्टी नेताओं से कहा कि वे भाजपा के विमर्श का मुकाबला करने और मुद्दों पर आधारित राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए लोगों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ें। प्रशिक्षण शिविर में राजस्थान और दिल्ली के कांग्रेस जिला अध्यक्षों तथा वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए।

CLASSIFIED

AFFIDAVIT

I, Krishnakanta Gogoi S/O- Padmeswar Gogoi, Vill- Deurigaon, P.O.- Ketekibari, P.S.- Tezpur, Dist- Sonitpur, Assam, Pin- 784154 by an affidavit before Judicial Magistrate 1st Class Tezpur declare that my father's actual and correct name is Padmeswar Gogoi instead of Sri Padmeswar Gogoi & my mother's actual and correct name is Hemoprabha Gogoi instead of Hemaprabha Gogoi and correct DOB is 27/09/1963 instead of 21/02/1961 in all purposes.

बंगाल में मताधिकार से वंचित लोगों के विस्तृत ब्यौरे की मांग को लेकर न्यायालय में याचिका

नयी दिल्ली, 1 जून (भा)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण मताधिकार से वंचित हुए मतदाताओं का विधानसभा क्षेत्रवार विस्तृत ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गयी है। यह याचिका पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एसआईआर समिति के अध्यक्ष प्रसेनजीत बोस ने दायर की है। उन्होंने निर्वाचन आयोग, पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य सरकार को मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित विस्तृत आंकड़े सार्वजनिक करने का निर्देश देने की मांग की है। कांग्रेस नेता बोस ने अधिवक्ता नेहा राठी के माध्यम से यह याचिका दायर की है। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराने तथा इसके लिए अपनायी गयी प्रक्रिया संबंधी निर्वाचन आयोग की शक्तियों को बरकरार रखा था। प्रधान न्यायाधीश(सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आयोग के इस अधिकार को वैध ठहराते हुए कहा था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि विधानसभा चुनावों से ठीक पहले राज्य में कराये गये एसआईआर का चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। याचिका में कहा गया है, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के विधानसभा क्षेत्रवार विश्लेषण से पता चलता है कि वर्ष 2026 में भाजपा द्वारा जीती गयी 207 सीटों में से 82 विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के दौरान किये गये परिवर्तनों (जिनमें नामों को हटाना और जोड़ना शामिल है) की संख्या जीत के अंतिम अंतर से अधिक थी। इसमें उल्लेख किया गया है कि इन 82 निर्वाचन क्षेत्रों में से 70 निर्वाचन क्षेत्र मुस्लिम बहुल 12 जिलों में स्थित हैं। गौरतलब है कि 2021 में भाजपा ने इनमें से केवल नौ निर्वाचन क्षेत्रों में ही जीत हासिल की थी। इसमें कहा गया है कि उपलब्ध आंकड़े संकेत देते हैं कि एसआईआर से जुड़े परिवर्तनों का इन 82 विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत की गयी जरूरतमंदों की मदद

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत ग्रिड-इंडिया के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र (एनईआरएलडीसी) द्वारा स्वच्छता, सतत विकास और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के लिए कई सराहनीय सामुदायिक सेवा और जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देते हुए एनईआरएलडीसी के अधिकारियों ने गुवाहाटी के काहिलीपाड़ा स्थित स्नेह फिलैंथ्रोपिक ट्रस्ट का दौरा किया और वहां के निवासियों के स्वास्थ्य तथा संस्थान के सुचारु संचालन के लिए वयस्क डायपर और स्वच्छता संबंधी सामग्री भेंट की। इसी सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए शिलांग स्थित मिशनरीज ऑफ चैरिटी में भी आवश्यक स्वच्छता सामग्री का वितरण किया गया। भावी पीढ़ी को पर्यावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गुवाहाटी के लालगणेश में विवेकानंद विद्यापीठ में एक अनूठी वेस्ट-टू-आर्ट कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें कलाकार अखिलाभ दत्त ने विद्यार्थियों को बेकार घरेलू वस्तुओं से सुंदर और उपयोगी सामग्री बनाना सिखाया। इस मौके पर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली से जोड़ने के लिए खास पौधरोपण योग्य पेंसिलें भी बांटी गयी। इन सामुदायिक प्रयासों के साथ-साथ संस्थान के भीतर स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, परामर्श शिविर, सफाई अभियान और कर्मचारियों, उनके परिवारों व आउटसोर्स कर्मियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

संसदीय समिति ने एनटीए से कहा : नीट पुन: परीक्षा साफ-सुथरे तरीके से कराया जाए

नयी दिल्ली, 1 जून (भा)। संसद की एक स्थायी समिति ने आज राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि 21 जून को नीट-यूजी की पुन:परीक्षा का आयोजन पारदर्शी और साफ-सुथरे तरीके से हो। नीट और सीयूईटी की परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े विवादों के बीच, एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह और शिक्षा मंत्रालय के कुछ अन्य अधिकारी शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति के समक्ष उपस्थित हुए। देश में कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी) बनाम कलम एवं कागज वाली परीक्षा प्रणाली के गुण एवं दोष पर चर्चा करने के लिए समिति द्वारा बैठक आयोजित की गयी थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इस समिति के अध्यक्ष हैं। सूत्रों का कहना था कि समिति ने यह उम्मीद जतायी कि पेपर की लीक जैसी अनियमितता अब नहीं होगी तथा उसने एनटीए अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि 21 जून को नीट पुन:परीक्षा का आयोजन पारदर्शी तथा साफ-सुथरे तरीके से हो। दिग्विजय सिंह ने भाषा के साथ बातचीत में एक समाचार पोर्टल उस खबर की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किये, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने समिति की बैठक में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सिस्टम पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि मैं एक बात जानता हूं कि धर्मेंद्र प्रधान के निकम्मेपन से प्रधानमंत्री इतने दुखी हैं कि उन्होंने अब सारी जिम्मेदारी खुद ले ली है। इसलिए पूरी जवाबदेही उनकी है। हमें पूरा भरोसा है कि यह (परीक्षा) ठीक तरह से होगी। अगर यहां भी लीक हो जाता है तो फिर हमें प्रधानमंत्री का इस्तीफा मांगना पड़ेगा। सिंह ने समाचार पोर्टल की खबर के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उसका क्या स्रोत है? प्रधानमंत्री ने 21 जून को फिर से होने वाली नीट की परीक्षा के सफलतापूर्वक आयोजन की जिम्मेदारी ली है या नहीं ली है? उन्होंने यह जिम्मेदारी ली है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि कम से कम उनके तहत यह पेपर लीक तो न हो। अगर उनकी जिम्मेदारी में पेपर लीक होता है तो उनसे इस्तीफा मांगना पड़ेगा। उनका यह भी कहना था कि वह समिति की बैठक के अंदर उठाये गये किसी विषय पर बात नहीं करना चाहते। उन्होंने यह भी कहा कि वह प्रयास करेंगे कि 21 जून तक वह समिति की रिपोर्ट सौंप दें। 21 जून को राज्यसभा की सदस्यता का उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि किसी भी समझदार व्यक्ति के लिए प्रधानमंत्री और उनके सिस्टम पर विश्वास करना असंभव है।

तीस तक सभी सदस्यों को मिलेगा स्वास्थ्य बीमा : जेजेए

रांची, 1 जून (ख.सं.)। झारखंड पत्रकार संघ (जेजेए) की वर्ष 2026-28 के लिए नव-गठित प्रदेश कमेटी की प्रथम ऑनलाइन बैठक प्रदेश अध्यक्ष अभय कुमार लाभ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में पत्रकारों के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकार स्वास्थ्य बीमा पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया और कहा कि प्रदेश कमेटी की सबसे पहली प्राथमिकता 30 जून से पूर्व सभी सदस्यों के स्वास्थ्य बीमा योजना को मूर्त रूप देना है, ताकि पत्रकार साथी पूरे मनोबल के साथ अपनी पत्रकारिता कर सकें। महासचिव संजीव समीर ने संगठन की दूरभाष निर्देशिका के प्रकाशन को लेकर चर्चा की और बताया कि इसके लिए जल्द ही संगठन के सदस्यों का जिलावार डेटा तैयार कर लिया जाएगा। संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए समीर ने कहा कि प्रदेश पदाधिकारियों को जल्द ही जिला प्रभारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा और सभी जिला कमेटियों के लिए हर महीने के पहले या दूसरे रविवार को बैठक करना अनिवार्य होगा। बैठक में संगठन के संस्थापक शाहनवाज हसन ने यह जानकारी दी कि जो पत्रकार संगठन की आजीवन सदस्यता ग्रहण करना चाहते हैं, वे तय प्रक्रिया के तहत इसे प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा यह निर्णय भी लिया गया कि प्रदेश कमेटी की प्रथम कार्यशाला 14 जून को कोडरमा जिले के डोमचांच में आयोजित की जाएगी। संयुक्त सचिव सुनील कश्यप ने सभी पदाधिकारियों से संगठन द्वारा मिली जिम्मेदारियों को धरातल पर उतारने का आह्वान किया और कहा कि पत्रकारों का स्वास्थ्य बीमा संगठन के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इस बैठक में संगठन सचिव प्रताप मिश्रा, सचिव अरविंद ठाकुर, कार्यकारिणी सदस्य पवन बरनवाल, मकसूद आलम, निलॉय सेनगुप्ता, सुमेधा चौधरी, सोशल मीडिया प्रभारी आकाश सोनी और प्रवक्ता प्रभाकर कुमार श्रीवास्तव ने शामिल होकर संगठन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की।

ममता बनर्जी का दावा, नहीं मिली धरने की इजाजत

कोलकाता, 1 जून (एजें)। कोलकाता में पूर्व सीएम ममता बनर्जी की ओर से धरने के प्रस्ताव ने सियासत तेज कर दी है। तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि पुलिस ने 2 जून को होने वाले धरने की इजाजत नहीं दी है। इतना ही नहीं, रानी रासमणि एवेन्यू पर मंच बनाने को लेकर लाया गया सामान भी यहां से हटवा दिया गया है। यह धरना टीएमसी नेताओं पर हुए हमले के विरोध होना है। पार्टी का आरोप है कि उसे धरने की इजाजत नहीं दी गयी। इस पूरे घटनाक्रम के बीच ममता बनर्जी ने यह साफ कर दिया है कि वह अपने कार्यक्रम रद्द नहीं करेंगी। ममता बनर्जी का कहना है कि हमने कल की बैठक के पहले यह धरना तय किया था। अब आप यह कह रहे हैं कि जगह को बदल दो। ऐसा किस तरह से हो सकता है? मैं वहां जाऊंगी। अगर मुझे रोका गया तो वहीं बैठ जाऊंगी, चाहे गिरफ्तारी ही क्यों न हो। उन्होंने आगे कहा कि जरूरत पड़ी तो वह दिल्ली जाकर भी विरोध दर्ज कराएंगी।

महानगर में सीए विद्यार्थियों का राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के बोर्ड ऑफ स्टडीज-ऑपरेशंस की ओर से आयोजित तथा आईसीएआई की ईआईआरसी की गुवाहाटी शाखा एवं ईआईसीएएसए की गुवाहाटी शाखा की मेजबानी पर किये गये दो दिवसीय राष्ट्रीय सीए छात्र सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन कल हो गया। इस सम्मेलन का शुभारंभ गत 30 मई को हुआ था। इस अवसर पर आईसीएआई की ईआईसीएएसए की गुवाहाटी शाखा की अध्यक्ष सीए नितिका बगड़िया ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा सम्मेलन की थीम मेटाबालो विस्टा का अनावरण किया। वहीं विधायक विजय गुप्ता ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर कार्यक्रम का गौरव बढ़ाया। उन्होंने इस प्रकार के सम्मेलन के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके सफल आयोजन के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। दूसरी ओर बोर्ड ऑफ स्टडीज-ऑपरेशंस के अध्यक्ष सीए राजेश शर्मा तथा आईसीएआई की ईआईआरसी की गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष सीए अंजनी कुमार मुंधड़ा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ायी। यह सम्मेलन अपनी थीम की भावना को सार्थक करते हुए देशभर से आये युवा और प्रतिभाशाली छात्र वक्ताओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियों का साक्षी बना। सम्मेलन के पहले तकनीकी सत्र में लेखांकन एवं लेखा-परीक्षण विषय पर चर्चा हुई, जिसकी अध्यक्षता मृत्युंजय आचार्य ने की। इसके बाद आर्टिकलशिप की यात्रा विषय पर एक स्किल अप सेशन आयोजित किया गया। इसके बाद एआई एवं प्रौद्योगिकी विषय पर दूसरा तकनीकी सत्र आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता सीए पंकज जैन ने की। इसके बाद फ्यूचर रेडी सीए विषय पर आयोजित स्किल अप सेशन को भी प्रतिनिधियों ने खूब सराहा। सम्मेलन के पहले दिन आईसीएआई के बोर्ड ऑफ स्टडीज-ऑपरेशंस के साथ एक विशेष संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को अपने प्रश्न रखने और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला। सम्मेलन के दूसरे एवं अंतिम दिन कराधान विषय पर तीसरा तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता सीए पुरुषोत्तम गग्गड़ ने की। इस दिन दो विशेष स्किल अप सेशन भी आयोजित किये गये। पहला सत्र लोक सेवाओं में कैरियर की रूपरेखा पर केंद्रित था, जबकि दूसरा सत्र सीए बनने की यात्रा विषय पर आयोजित किया गया। इन सत्रों का उद्देश्य विद्यार्थियों को इस प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंसी पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक दृढ़ संकल्प, दृष्टिकोण और मानसिकता से सुसज्जित करना था। साथ ही उन्हें लोक सेवाओं सहित विभिन्न कैरियर अवसरों और संभावनाओं से भी परिचित कराना था। सम्मेलन का अंतिम तकनीकी सत्र पूंजी बाजार पर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता आईसीएआई के सीसीएम सीए जय छैरा ने की। इस सत्र में प्रतिभागियों को पूंजी बाजार की कार्यप्रणाली, निवेश के अवसरों तथा वित्तीय क्षेत्र के उभरते रुझानों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। सम्मेलन में प्रस्तुत किये गये शोध-पत्रों का मूल्यांकन करने के लिए गुवाहाटी के सीए विकास अग्रवाल और सीए अंकित जालान निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्र प्रतिभागियों की ओर से प्रस्तुत शोध-पत्रों का आकलन किया तथा सर्वश्रेष्ठ तीन शोध पत्र प्रस्तुतकर्ताओं का चयन किया। इन विजेताओं के नामों की घोषणा सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान की गयी। सम्मेलन में आईसीएआई की ईआईआरसी के अध्यक्ष सीए मयूर अग्रवाल ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित कर विद्याथयों को प्रेरित किया। आईसीएआई की गुवाहाटी शाखा के सचिव सीए पीयूष बिरमीवाल ने बताया कि इस सम्मेलन ने सीए विद्यार्थियों के बीच ज्ञान, अनुभव और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के समग्र विकास तथा उनके पेशेवर कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईआईसीएएसए गुवाहाटी के नामित सदस्य सीए जय प्रकाश ने कहा कि यह सम्मेलन संस्थान के प्रमुख आयोजनों में से एक है और इस वर्ष का सम्मेलन अत्यंत सफल एवं भव्य रहा। वहीं, सम्मेलन की मीडिया एवं प्रचार समिति के सदस्य सीए रजत जाजोदिया ने जानकारी दी कि सम्मेलन का सफल समापन बीते रविवार सायंकाल देश के विभिन्न हिस्सों से आये प्रतिनिधियों, केंद्रीय एवं क्षेत्रीय परिषद के सदस्यों, प्रबंध समिति के पदाधिकारियों, छात्र नेताओं तथा मेटाबालो विस्टा टीम के सदस्यों की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने कहा कि सम्मेलन ने विद्यार्थियों को सीखने, नेटवर्किंग और भविष्य की संभावनाओं को समझने का एक सशक्त अवसर प्रदान किया।

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
E-mail : pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा **प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।* **संपादक : परमेश्वर सिंह**

नमस्कार गुवाहाटी

प्रातः खबर

मंगलवार, 2 जून, 2026

मंगलवाणी

अच्छाई का मार्ग कठिन है, परंतु वही सच्ची शांति देता है।

- श्री कृष्ण

मौसम

अधिकतम 34

न्यूनतम 25

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385 9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

भीषण गर्मी से परेशान महानगरवासी, अगले कुछ दिनों तक नहीं मिलने वाली है राहत

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। देश के कई प्रांतों के साथ-साथ असम और गुवाहाटी में भी भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी ने गुवाहाटीवासियों को परेशान कर रखा है। सुबह से ही चिलचिलाती धूप ने लोगों को एक तरह घर में बंद रहने पर मजबूर कर दिया है। सुबह 8 बजे चिलचिलाती धूप को देख ऐसा लग रहा था कि दोपहर का 12 बज रहा हो। सुबह से ही सूर्य नारायण आग उगल रहे थे। गर्मी से परेशान लोग अपने आप को घर और दुकानों में मानों बंद रहे। दोपहर के समय गुवाहाटी की सड़कों पर औसतन से आधे से भी कम वाहन दिखे। आमतौर पर गुवाहाटी की सड़कों पर दोपहर के समय भी वाहनों की भीड़ देखी जाती है, लेकिन गर्मी के कारण आज सड़कें विरान थी। लोग गर्मी से निजात पाने के लिए पेड़ों की छाव और ठंडई का सहारा ले रहे थे।

निंबु पानी, गन्ने की रस की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखी गयी। इस भीषण गर्मी में सबसे अधिक स्कूली बच्चों को परेशानी हुई। सुबह घर से जब वे निकले तो कड़ी धूप थी और दोपहर को चिलचिलाती धूप में स्कूल से उन्हें घर लौटना पड़ा। लोग धूप से बचने के लिए छाते का सहारा लेते दिखे, खास कर बच्चें और महिलाएं। इधर मौसम विभाग के अनुसार गुवाहाटी में आज अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में सबसे गर्म शहर सिलचर और धुबड़ी रहा, जहां 35.6 डिग्री सेल्सियल तापमान दर्ज किया गया। इसके अलावा डिब्रुगढ़ में अधिकतम तापमान 34.2, तेजपुर में 34.0, जोरहाट में 34.0 और उत्तर लखीमपुर में 35.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं मौसम विभाग ने अनुसार अगले दो दिनों तक गुवाहाटीवासियों को गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है।

नव ठाकुरिया होंगे देवर्षि नारद जयंती पुरस्कार से सम्मानित

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। विश्व संवाद केंद्र असम हर साल देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है, जिसमें एक प्रतिष्ठित पत्रकार को देवर्षि नारद जयंती पुरस्कार प्रदान करने के साथ-साथ कुछ अन्य पत्रकारों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाता है। इसी उद्देश्य के साथ इस वर्ष देवर्षि नारद जयंती पुरस्कार-2026 के लिए असम के वरिष्ठ पत्रकार और ईशान दर्पण के संपादक नव ठाकुरिया को चुना गया है। केंद्र के सचिव किशोर शिवम ने जानकारी दी कि इस बार प्रदेश के तीन अन्य पत्रकारों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा, जिनमें एनके टीवी के वरिष्ठ पत्रकार लक्ष्यजीत गोहाईं, प्रथम खबर की मुख्य संवाददाता रंजीता राभा और दैनिक असम अखबार के उप-संपादक मृदुल हालोई शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस बार भी आगामी 7 जून को सुबह 10.30 बजे गुवाहाटी के बरबाड़ी स्थित सुदर्शनालय में एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली स्थित दूरदर्शन केंद्र के समाचार विभाग के वरिष्ठ सलाहकार, जाने-माने समाचार प्रस्तोता और विशिष्ट पत्रकार प्रखर श्रीवास्तव उपस्थित रहेंगे। इसी समारोह के दौरान वर्ष 2026 का देवर्षि नारद जयंती पुरस्कार प्रदान किया जाएगा

और साथ ही मनोनीत तीनों पत्रकारों का विशेष अभिनंदन भी किया जाएगा। शिवम ने आगे बताया कि देवर्षि नारद जयंती पुरस्कार और सम्मान के अंतर्गत चयनित पत्रकारों को नकद राशि के साथ-साथ मानपत्र, स्मृति चिह्न और पुस्तकों का पुलिंदा आदि भेंट स्वरूप प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि विश्व संवाद केंद्र, असम द्वारा वर्ष 2015 से ही यह परंपरा निभायी जा रही है। अब तक धीरेंद्र नाथ चक्रवर्ती, धीरेंद्र नाथ बेजबरुवा, कनकसेन डेका, महेंद्र बरुवा, शशि फुकन, अनिल बरुवा, गौतम शर्मा, रूपम बरुवा, प्रशांत ज्योति बरुवा और पिछले वर्ष शांतनु तामुली को देवर्षि नारद पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। हालांकि कोविड महामारी के दौर में वर्ष 2020 और 2021 में यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा सका था। शिवम का कहना था कि देश और समाज की प्रतिकूल परिस्थितियों में जनता को जागरूक और सतर्क करने में मीडिया बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई मायनों में मीडिया स्वस्थ लोकतंत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार की कमियों को उजागर कर अपना विशेष कर्तव्य पूरा करता है। दुनिया के पहले पत्रकार देवर्षि नारद महाप्रभु ने भी समाज को विभिन्न दिशाओं में सचेत और जागरूक करने में मुख्य भूमिका निभायी थी।

विशेष शैक्षणिक सत्रों का आयोजन

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। महानगर के प्रतिष्ठित नेत्र चिकित्सा संस्थान श्री शंकरदेव नेत्रालय में दो दिवसीय डीएनबी चिकित्सकों, सहचर और परामर्शदाता के लिए विशेष शैक्षणिक सत्रों का आयोजन किया गया। संस्थान द्वारा आयोजित ये सत्र निरंतर संरचित शैक्षणिक शिक्षा, गहन नैदानिक चर्चाओं और नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इस शैक्षणिक कार्यक्रम की गरिमा और प्रभावशीलता उस समय और बढ़ गयी, जब संस्थान के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ और पैनलिस्ट डॉ. हर्ष भट्टाचार्जी ने इसमें हिस्सा लिया। उन्होंने सत्रों के

दौरान अपने बहुमूल्य अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा की, जिससे उपस्थित चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को नैदानिक बारीकियों को समझने में काफी मदद मिली। डॉ. भट्टाचार्जी के मार्गदर्शन ने इन सत्रों को न केवल बेहद आकर्षक बनाया, बल्कि शैक्षणिक दृष्टिकोण से भी अत्यधिक जानकारीपूर्ण और पुरस्कृत साबित किया। श्री शंकरदेव नेत्रालय भविष्य में भी चिकित्सा के क्षेत्र में उच्चस्तरीय ज्ञान और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए ऐसे शैक्षणिक आयोजनों को जारी रखने के लिए संकल्पित है।

चोरी की सामग्री समेत पांच गिरफ्तार

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। दिसपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विश्वजीत बासफोर को गिरफ्तार किया था। उसके द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर वशिष्ठ स्थित एक कवाड़ पर छापेमारी की गयी। इस दौरान दो अन्य आरोपियों जहिदुल इस्लाम और धनजीत नाथ को रंगे हाथों धर दबोचा गया। इनके पास से चोरी की सामग्री जब्त की गयी। वहीं दूसरी ओर वशिष्ठ पुलिस ने चोरी की सामग्री समेत दो चोरों को गिरफ्तार किया। पकड़े गये चोरों की शिनाख्त मोहम्मद शाहजहां अली उर्फ सारु (22) और मफिजुल हक उर्फ मइनूर (31) के रूप में की गयी है। इनके पास से दो मोबाइल, सोने के आभूषण बरामद कयि गये।

बाईस प्रतिभाओं को प्रतिष्ठित आरोहण पुरस्कार से किया गया सम्मानित

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। असम की अग्रणी शैक्षणिक, साहित्यिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था आरोहण आर्टिस्ट गिल्ड के तत्वावधान में 26वें वार्षिक बोहाग बिहू समापन उत्सव का आयोजन किया गया। महानगर के उजान बाजार स्थित कुमार भास्कर नाट्य मंदिर सभागार में आयोजित इस समारोह में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 22 प्रतिभाओं को प्रतिष्ठित आरोहण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए आरोहण आर्टिस्ट गिल्ड के अध्यक्ष, कंठ शिल्पी और अखिल असम पत्रकार संघ की कामरूप जिला समिति के अध्यक्ष डॉ. दिलीप नाथ ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि विशिष्ट कलाकार एवं चिकित्सक डॉ. अंजन ज्योति चौधरी, सम्मानित अतिथियों में असम साहित्य सभा (गुवाहाटी महानगर जिला) के अध्यक्ष व नाटककार प्रफुल्ल बर्मन, संघ के मुख्य सलाहकार व साहित्यकार मनोरंजन भट्टाचार्य और अखिल असम नाट्य सम्मेलन के पूर्व सचिव गिरिधर राय शामिल हुए। पुरस्कार वितरण की कड़ी में ग्वालपाड़ा के हाबराघाट कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंटू कुमार दास, कामरूप के पुठीमारी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नित्यानंद कलिता और

बरंबई हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रभारी प्राचार्य मुनींद्र भराली को आरोहण शिक्षा रत्न पुरस्कार से नवाजा गया। शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्रों में समन्वय के लिए पवित्र कुमार और कमल प्रसाद शर्मा को आशैक्षणिक समन्वय पुरस्कार, विनोद सहरिया और तुलसी बरठाकुर को आरोहण सामाजिक समन्वय पुरस्कार तथा डॉ. पुलिन कुमार को सांस्कृतिक समन्वय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त समाज सेवा के लिए निपन नाथ को आरोहण समाज हितैषी पुरस्कार, साजिरा बेगम को आरोहण समाज सेविका पुरस्कार, दीपजगत दास को प्रशासनिक समन्वय पुरस्कार और डॉ. दीपज्योति श्याम को स्वास्थ्य समन्वय पुरस्कार दिया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में नामखोला के ग्रामीण पत्रकार द्वीपेन डेका को आरोहण ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक विधाओं में बरनदी के मृदुल कुमार डेका को असम शिल्पी प्राण पुरस्कार, जीवन सैकिया को आरोहण साहित्य पुरस्कार तथा रूपक कलिता और विजय बरन को आरोहण शिल्पी पुरस्कार दिया गया। साथ ही राजेंद्र शर्मा और तपन चंद्र कलिता को आरोहण कृति शिक्षक पुरस्कार और हरमोहन कलिता को सामाजिक समन्वय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मंच से कलाकार-साहित्यकार-पत्रकार सुरक्षा मंच, असम की ओर से सिराजुली के अभिनेता व पत्रकार सुजीत कटकी को असम जन हितैषी पुरस्कार भी दिया गया। पुरस्कार वितरण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ, जिसमें विपिन दास के निर्देशन में कलाकार व पत्रकार मेसेर अली द्वारा प्रस्तुत जिकिर, बाल कलाकार वन स्मिता नाथ का नृत्य और वेस्ट प्वाइंट आर्ट एंड डांस स्कूल के विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विभिन्न लोकगीतों और नृत्यों की सुंदर प्रस्तुतियों के साथ इस सफल समारोह का समापन हुआ।

जीएमसी के अस्थायी कर्मचारी के निधन पर जताया शोक

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। ऑन ड्यूटी हरिजन कॉलोनी गुवाहाटी के निवासी तथा गुवाहाटी नगर निगम में अस्थायी वाटर वर्कस कर्मचारी जे कामेस की हुई मौत पर असम राज्यिक सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरमैन माटा ईश्वर राव ने शोक प्रकट किया है। उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने के साथ ही गुवाहाटी नगर निगम के मेयर तथा आयुक्त से मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता के रूप में 10 लाख रुपये व उसके परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का अनुरोध किया है। वहीं घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की गयी है।

नवकांत बरुवा जन्मशती समारोह आयोजित

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली तथा कर्मश्री हितेश्वर सैकिया महाविद्यालय, गुवाहाटी के संयुक्त तत्वावधान में प्रख्यात असमिया साहित्यकार नवकांत बरुवा की जन्मशती के उपलक्ष्य में एक दिवसीय विचारगोष्ठी एवं साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन आज महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन साहित्य अकादमी के सचिव वरुण गुलाटी ने किया। स्वागत भाषण साहित्य अकादमी की असमिया भाषा परामर्श मंडल के संयोजक एवं वरिष्ठ साहित्यकार दिगंत विश्व शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बोधन कुमार सैकिया ने की। इस अवसर पर नवकांत बरुवा के साहित्यिक अवदान, आधुनिक असमिया साहित्य में उनकी भूमिका तथा उनकी रचनात्मक दृष्टि पर विस्तृत चर्चा की गयी। विशिष्ट अतिथि के रूप में हेमप्रभा सैकिया(शासी निकाय अध्यक्ष, कर्मश्री हितेश्वर सैकिया महाविद्यालय) उपस्थित रही। कार्यक्रम में नवकांत बरुवा के जीवन, कृतित्व और साहित्यिक योगदान पर केंद्रित विभिन्न शोधपत्र एवं व्याख्यान प्रस्तुत किये गये। विचारगोष्ठी के प्रथम एवं द्वितीय सत्र में अनेक विद्वानों, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया तथा नवकांत बरुवा की साहित्यिक विरासत पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान साहित्य अकादमी की पुस्तकों की प्रदर्शनी एवं बिक्री का भी आयोजन किया गया, जिसमें पाठकों और साहित्यप्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि नवकांत बरुवा ने असमिया साहित्य को नयी दिशा प्रदान की और उनकी रचनाएं आज भी साहित्य जगत के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। जन्मशती समारोह के माध्यम से नयी पीढ़ी को उनके साहित्य और चिंतन से परिचित कराने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम में नारंगी आंचलिक महाविद्यालय, बेलतला कॉलेज, गीतानगर कॉलेज, दिसपुर कॉलेज, एसबी देवरा कॉलेज, रॉयल ग्लोबल विश्वविद्यालय, कॉटन विश्वविद्यालय तथा गौहाटी विश्वविद्यालय सहित विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापक-प्राध्यापिकाएं, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राओं के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। दो तकनीकी सत्रों से युक्त इस विचारगोष्ठी में प्रोफेसर विभास चौधरी, दिगंत ओझा, प्रोफेसर दिलीप राजवंशी, डॉ. प्रणामी भट्टाचार्य, डॉ. अर्चना तालुकदार, डॉ. जयंत डेका, डॉ. स्तुति गोस्वामी तथा प्रोफेसर प्रांजल शर्मा वशिष्ठ सहित अनेक विद्वान अध्यापकों एवं शोधकर्ताओं ने नवकांत बरुवा की बहुआयामी साहित्यिक कृतियों पर विस्तृत एवं सारगर्भित चर्चा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. मरमी चौधरी एवं डॉ. अनुप कुमार डेका ने किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की उपप्राचार्य डॉ. मौसमी बरदलै हजारिका ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ आरंभ हुआ यह विचार-सत्र ओ मोर आपोनार देश असम गीत के गायन के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बोधन कुमार सैकिया ने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

निर्मलप्रभा बरदलै और दाई को दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। डॉ. निर्मलप्रभा बरदलै की रचनात्मकता नारी शक्ति के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जिसने असमिया समाज और जीवन को समृद्ध किया है। वह भाग्य की नहीं बल्कि साधना की संतान थी, जिन्होंने यह साबित किया कि कड़ी मेहनत से जीवन को सर्वोच्च स्तर पर ले जाया जा सकता है। लोक जीवन से लेकर भारतीय शास्त्रीय दर्शन तक अपनी सेवाएं देने वाली इस महान महिला से असम के राष्ट्रीय जीवन को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। यह विचार गौहाटी विश्वविद्यालय के असमिया विभाग के प्रोफेसर डॉ. कनक चंद्र सहरिया ने व्यक्त किये। वह असम साहित्य सभा के तत्वावधान और कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा के सहयोग से संगीताचार्य लक्ष्मीराम बरुवा सदन में आयोजित असम साहित्य सभा की पूर्व अध्यक्ष डॉ. निर्मलप्रभा बरदलै और प्रख्यात साहित्यकार लुमबेर दाई के श्रद्धांजलि समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद जुबिन गर्ग स्वर्ण शाखा साहित्य सभा द्वारा मित्रादेव महंत रचित असमिया भाषा का गौरव गीत चिर सेनेही मोर भाषा जननी और प्रणिता हालोई द्वारा बरगीत प्रस्तुत किया गया। कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष प्रफुल्ल बर्मन की

अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए असमिया साहित्य सभा के महासचिव देवजीत बोरा ने कहा कि बरदलै और दाई जैसे साहित्यकारों को याद करना पूरे समाज का कर्तव्य है। असम साहित्य सभा अपनी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय जीवन के मार्गदर्शकों को सम्मान देकर अपनी पूरी संस्कृति को सम्मानित करती आ रही है और आज का यह आयोजन इसी सोच का परिणाम है। कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा के सचिव अरुण कुमार महंत के स्वागत भाषण के बाद असम साहित्य सभा के उपाध्यक्ष पदुम राजखोवा ने सभा का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में राजखोवा ने कहा कि आज के समय में जो असमिया लोग यह सोचते हैं कि असमिया बोलने से आधुनिकता कम हो जाती है, उन्हें लुमबेर दाई से सीख लेनी चाहिए। वह अरुणाचल प्रदेश के रहने वाले थे और उनकी मातृभाषा आदि थी, लेकिन उनके प्राणों की भाषा असमिया थी। इसी भाषा के प्रति प्रेम के कारण उन्होंने असमिया में साहित्य की रचना की और हमें पृथ्वीर हाही, पहाड़र शिले शिले और कोइनार मूल्य जैसी अमूल्य पुस्तकें दी। इसी क्रम में साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता जयंत माधव बोरा ने दाई के साहित्यिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि लुमबेर का अर्थ कीर्ति होता है। दाई ने असमिया भाषा को शीर्ष पर रखकर अपनी रचनात्मकता से असमिया साहित्य को समृद्ध किया, यही वजह है कि असमिया समाज उन्हें युगों-युगों तक याद रखेगा। उनकी रचनात्मकता कई लोगों के लिए एक आदर्श है। इस विशेष श्रद्धांजलि समारोह में हितेन शर्मा, रूपरेखा बोरा और आराधना कलिता ने निर्मलप्रभा के लिखे गीतों की प्रस्तुति दी। साथ ही कामरूप महानगर जिला साहित्य सभा की उपाध्यक्ष ज्योतिर्मयी, किरण दास और दीपाली चक्रवर्ती ने कविता पाठ किया। गुवाहाटी कार्यालय के सचिव डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में पूर्व कोषाध्यक्ष मिहिर कुमार बरुवा, सूचना प्रौद्योगिकी उपसमिति के संयोजक स्वर्गज्योति चेतिया, उपाध्यक्ष नांग अंजना गोगोई, सांस्कृतिक उपसमिति की उपाध्यक्ष रूमी भुइयां, पूर्णानंद चेतिया, डॉ. सुलेखा चक्रवर्ती, दिगंत बर्मन और कमल चंद्र लहकर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन असम के राज्य गीत के गायन के साथ हुआ।

पांडुनाथ देवालय में 12 सार्वजनिक शौचालयों का उद्घाटन

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। जनकल्याण एवं स्वच्छता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत पांडुनाथ देवालय (प्राचीन गणेश मंदिर), पांडु घाट, गुवाहाटी परिसर में 12 सार्वजनिक शौचालयों का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी कैलाश चंद्र लोहिया ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी। प्रदीप भड़ेच उच्च सम्मानित अतिथि तथा ओम प्रकाश खाखोलिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इन शौचालय परिसरों का निर्माण एचएल पोद्दार फाउंडेशन, नारंगी द्वारा इसके संस्थापक अजय पोद्दार एवं कंचन पोद्दार की पहल पर कराया गया है। इसका उद्देश्य विशेष रूप से वार्षिक अंबुवासी मेला तथा अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं, आगंतुकों एवं आम जनता को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान अजय पोद्दार ने मंदिर समिति एवं एचएल पोद्दार फाउंडेशन की ओर से सभी विशिष्ट अतिथियों को सम्मान एवं कृतज्ञता स्वरूप पारंपरिक असमिया गामोछा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में किशोर साबू, प्रकाश श्रीमल, अरुण अग्रवाल, अनिल थरड़, समित सराफ, अमित कंसल, पवन जाजोदिया, बिष्णु पोद्दार, डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल, पंकज पोद्दार, चंदन सेठिया, हेमंत जैन, सुशील जालान, अशोक अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, बिनोद लोहिया, राजेश केडिया, दीपक अग्रवाल, राज बेदी, अरविंद सराफ, राजेश अग्रवाल सहित अनेक प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित थे। समारोह के उपरांत अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने पवित्र पंच गणेश धाम में विशेष पूजा-अर्चना की, जहां मंदिर परिसर की शिलाओं में भगवान गणेश के पांच प्राकृतिक स्वरूप विद्यमान होने की मान्यता है। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर के नीचे स्थित गुफा में स्थापित पवित्र शिवलिंग के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा ऐतिहासिक विष्णु मंदिर में भी श्रद्धा

अर्पित की, जिसे पारंपरिक रूप से पांडव काल से संबंधित माना जाता है। मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर एवं स्मारक शिलापट्ट का अनावरण कर शौचालय परिसरों का विधिवत उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के पश्चात अनेक श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर के आसपास के जलाशयों में निवास करने वाली पवित्र मछलियों को आहार अर्पित किया। मंदिर समिति की ओर से मंदिर के संस्थापक संरक्षक एवं प्रभारी निमाई चंद्र दास ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया तथा मंदिर के समृद्ध इतिहास एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। समिति के अन्य उपस्थित सदस्यों में पदुम कुमार सेठिया, संजय अग्रवाल, किशन सिंह, अंकुर सिंह एवं अमित शर्मा शामिल थे। ब्रह्मपुत्र नद के पवित्र तट पर स्थित पांडुनाथ देवालय को असम के सबसे प्राचीन एवं पूजनीय धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है। मंदिर परिसर में पवित्र पंच गणेश धाम, पांडव काल से संबद्ध प्राचीन विष्णु मंदिर तथा मंदिर के नीचे स्थित गुफा में प्रतिष्ठित शिवलिंग विद्यमान हैं। मंदिर के पुजारियों एवं विद्वानों के अनुसार माता कामाख्या के दर्शन के लिए जाने से पूर्व श्रद्धालु पारंपरिक रूप से पांडुनाथ देवालय में भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करके अपनी यात्रा प्रारंभ करते थे। उल्लेखनीय है कि एचएल पोद्दार फाउंडेशन इससे पूर्व भी लोखरा स्थित तिरुपति बालाजी परिसर तथा अमीनगांव स्थित हरे कृष्ण मंदिर में सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण का प्रायोजन कर चुका है। इस प्रकार फाउंडेशन सामुदायिक कल्याण, सार्वजनिक स्वच्छता एवं सामाजिक सेवा के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता का निर्वहन कर रहा है।

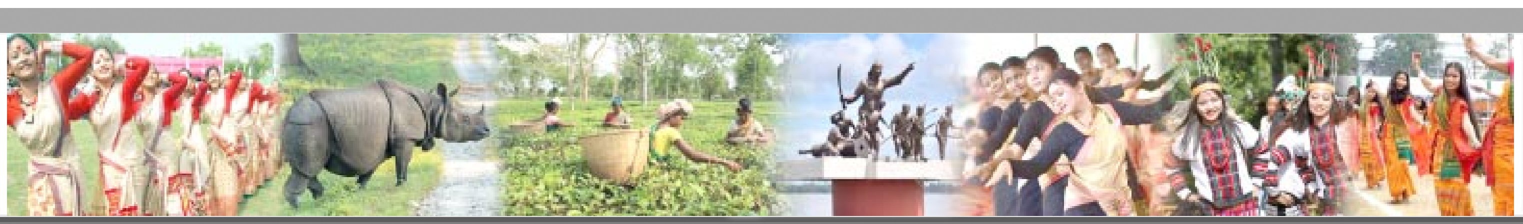

मानव-हाथी संघर्ष को लेकर डीसी ने की बैठक

रंगिया, 1 जून (ख.सं)। कामरूप ज़िले के पलाशबाड़ी और बोको-छयगांव सहित उप जिला क्षेत्रों में बढ़ती मानव-हाथी संघर्ष घटनाओं के संदर्भ में आज अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में एक बैठक आयोजित की गयी। असम सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष मुख्य सचिव एमके यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पलाशबाड़ी के विधायक हिमांशु शेखर वैश्य उपस्थित रहे। साथ ही निम्न असम सामाजिक वनानीकरण चक्र के प्रभारी वन संरक्षणक सानीदेवो इंद्रदेव चौधरी, कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र, अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रांजीत कुमार देव, पलाशबाड़ी उप जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, बोको-छयगांव उप जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूनम पेगु, चक्र के अधिकारीगण, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में मानव-हाथी संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के साथ ही हाथियों के आक्रमण से होने वाली फसल क्षति, संपत्ति हानि और मानवीय जीवन के नुकसान को घटाने के लिए अपनाए जाने वाले विभिन्न उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। चर्चा में पूर्व सूचना-चेतावनी प्रणाली को और सशक्त करने, वन विभाग, जिला प्रशासन और स्थानीय जनता के बीच समन्वय बढ़ाने, जनजागरूकता बढ़ाने तथा हाथियों की गतिविधि की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित उपाय अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा

मानव-हाथी संघर्ष से प्रभावित लोगों को समय पर क्षतिपूर्ति प्रदान करने और आपातकालीन सहायता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। स्वागत भाषण में जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने कहा कि मानव-हाथी संघर्ष के कारण होने वाले जीवन और संपत्ति के नुकसान को यथासंभव कम करना जिला प्रशासन का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने यह भी बताया कि संघर्ष प्रवण क्षेत्रों में हाथियों के प्रवेश नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए सोलर फेंसिंग स्थापित करने और पर्यवेक्षण टॉवर (वॉच टावर) निर्माण करने की योजना बनायी जा रही है। सभा में विशेष मुख्य सचिव एमके यादव ने इस समस्या के समाधान के लिए सभी विभागों, स्थानीय जनता और अन्य हितधारकों के समन्वित और दीर्घकालिक कदमों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण और प्राकृतिक आवास के संरक्षण को भी समान रूप से महत्व देना आवश्यक है।

डेढ करोड़ की हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

सिलचर, 1 जून (ख.सं)। कलाईन के तहत डिगोरखाल में नारकोटिक्स के गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन के बारे में भरोसेमंद इनपुट पर कार्रवाई की गयी। नाका चेकिंग के दौरान कलाईन की तरफ आ रही एक मारुति बलेनो गाड़ी को रोका गया। अलग गवाहों की मौजूदगी में और वीडियोग्राफी के तहत गाड़ी की तलाशी लेने पर 22 साबुन के डिब्बों में 258 संदिग्ध हेरोइन, दो मोबाइल, एक बलेनो कार बरामद की गयी। पकड़े गये लोगों की शिनाख्त आशिकुर रहमान (27), मुख्तार हुसैन (24) के रूप में की गयी है। जब्त हेरोइन की कीमत 1.5 करोड़ रुपये आंकी गयी है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल में संदिग्ध झंडा मिलने से आक्रोश, रंगिया पूरी तरह रहा बंद

रंगिया, 1 जून (ख.सं)। कामरूप जिले के रंगिया स्थित एक प्राथमिक विद्यालय परिसर में असामाजिक तत्वों द्वारा संदिग्ध झंडा फहराने का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से स्थानीय बजरंग दल और छात्र संगठनों में भारी आक्रोश है। अखिल असम छात्र संघ (आसू) की जिला और आंचलिक इकाइयों ने घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए रंगिया के थाना प्रभारी मिंटू बोड़ो को ज्ञापन सौंपा है। आसू के नेताओं नवज्योति दास, तौफीकुर रहमान, पिंटू डेका और रिदुल कुमार नाथ ने मांग की है कि राज्य का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश रचने वाली कट्टरपंथी ताकतों की तुरंत पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। वहीं मामले की एक प्रतिलिपि कामरूप के पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गयी है। इस घटना के विरोध और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर आज रंगिया में स्वतःस्फूर्त बंद रहा। सुबह से ही सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान, दुकानें और मुख्य बाजार पूरी तरह बंद नजर आये। वहीं सड़कों पर भी वाहनों की आवाजाही आम दिनों के मुकाबले बेहद कम रही।

पारिवारिक विवाद : पति ने अपने ही घर को फूंका

रंगिया, 1 जून (ख.सं)। रंगिया के बंगालीकुची इलाके में पारिवारिक कलह के चलते एक व्यक्ति द्वारा अपने ही घर में आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप का माहौल बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी की पहचान संजय बोड़ो उर्फ चांगा के रूप में हुई है। उसका अपनी पत्नी या परिवार के सदस्यों के साथ किसी बात को लेकर गंभीर विवाद चल रहा था। इसी घरेलू झगड़े से तैश में आकर संजय ने यह आत्मघाती और खौफनाक कदम उठाया। अग्निकांड में घर पूरी तरह जलकर गया और भारी नुकसान की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रंगिया में मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन

रंगिया, 1 जून (ख.सं)। अखिल असम कलिता अल्पाइन जनगोष्ठी सम्मेलन की रंगिया जिला समिति के तत्वावधान में रंगिया में एक विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। स्थानीय हरदत्त-वीरदत्त भवन प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में चालू वर्ष की हाईस्कूल और उच्चतर माध्यमिक अंतिम परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समुदाय के दो सौ से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। रंगिया जिला समिति के अध्यक्ष राजेन कलिता की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के मुख्य सलाहकार डॉ. रमेन कुमार काकती और सम्मानित अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक भवेश कलिता उपस्थित रहे। इससे पूर्व सुबह कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष राजेन कलिता द्वारा ध्वजारोहण के साथ की गयी। इसके बाद कार्यकारी अध्यक्ष अनूप कुमार डेका, केंद्रीय सचिव मंटेश्वर कलिता और रंगिया जिला समिति के महासचिव कुलदीप लहकर ने स्मृति तर्पण किया। वहीं, केंद्रीय समिति के प्रभारी महासचिव लबोधर कलिता और सचिव नितुल चंद्र डेका ने दीप प्रज्ज्वलन किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रतुल कुमार कलिता, जाने-माने चिकित्सक डॉ. नीलमणि कलिता, प्रधान प्राध्यापक नयन ज्योति दास तथा बोरिगोग आंचलिक पंचायत के अध्यक्ष करुणा डेका सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को पारंपरिक फूलाम गामोछा, समुदाय का वार्षिक कैलेंडर और अभिनंदन पत्र (प्रशस्ति पत्र) भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने ध्रुव कलिता, दिनेश कलिता के साथ-साथ जिला समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

श्रद्धा व भक्ति के साथ मनायी गयी महापुरुष माधवदेव की जयंती

नगांव, 1 जून (ख.सं)। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली श्रीश्री बटद्रवा थान में आज महापुरुष माधवदेव की जयंती श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक वैष्णव रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनायी गयी। इस अवसर पर पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकालीन मंगलध्वनि और पारंपरिक घंटानाद के साथ हुई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा नाम-प्रसंग का आयोजन किया गया तथा पारंपरिक खोल वादन प्रस्तुत किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों और महिला श्रद्धालुओं ने सामूहिक प्रार्थना और भक्ति-कीर्तन में भाग लिया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। माधवदेव की जयंती के अवसर पर असम के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु, वैष्णव अनुयायी और धर्मप्रेमी बटद्रवा थान पहुंचे।

मायुमं जागृति शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बंगाईगांव, 1 जून (ख.सं)। स्थानीय मारवाड़ी युवा सेवा भवन में कल मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा एवं बंगाईगांव जागृति शाखा द्वारा सत्र 2026-27 के लिए एक भव्य एवं गरिमामयी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय महासचिव मोहित नाहटा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में समाज के गणमान्य नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवा सदस्यों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के आरंभ से पूर्व मारवाड़ी युवा मंच भवन के निचले तल्ले पर स्थित पुराने रसोईघर के पुनर्निर्माण एवं आधुनिकीकरण के उपरांत तैयार किये गये नवीन रसोईघर का उद्घाटन समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका के कर-कमलों द्वारा विधिवत फीता काटकर किया गया। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस नवीन रसोईघर के निर्माण पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इसके पश्चात मुख्य समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मंच पर मुख्य अतिथि मोहित नाहटा, मारवाड़ी युवा मंच बंगाईगांव शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद अग्रवाला, बंगाईगांव जागृति शाखा की अध्यक्ष दीपाली अग्रवाल, सचिव धीरज शर्मा एवं वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका को मंचासीन कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बंगाईगांव जागृति शाखा की सदस्यों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर स्वागत गीत ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। परंपरा अनुसार सभा में उपस्थित सभी अतिथियों, सलाहकारों, पूर्व अध्यक्षों, स्थायी आमंत्रित सदस्यों एवं समाज के विशिष्ट महानुभावों का फूलाम गामोछा पहनाकर सम्मान किया गया। समारोह

के अगले चरण में दोनों शाखाओं के पूर्व सचिवों धीरज शर्मा एवं दीपाली अग्रवाल ने गत वर्ष का विस्तृत सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रतिवेदन में पिछले सत्र के दौरान संगठन द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं जनहितकारी गतिविधियों का विस्तृत उल्लेख किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण शपथ ग्रहण विधि रही, जिसमें मुख्य अतिथि मोहित नाहटा ने मारवाड़ी युवा मंच बंगाईगांव शाखा के अध्यक्ष गोविंद अग्रवाला तथा बंगाईगांव जागृति शाखा की अध्यक्ष दीपाली अग्रवाल को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। साथ ही दोनों शाखाओं के सचिव धीरज शर्मा एवं आयुषी बंसल को भी पदभार ग्रहण कराया गया। इसके अतिरिक्त दोनों शाखाओं की नयी कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों को भी संगठन, समाजसेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलायी गयी। अपने प्रेरणादायी संबोधन में राष्ट्रीय महासचिव मोहित नाहटा ने नवनिर्वाचित टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही समाज और राष्ट्र निर्माण की वास्तविक आधारशिला है। उन्होंने अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा देशभर में संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पों, सामाजिक अभियानों एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए संगठन की एकजुटता एवं सेवा भावना को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। पूरे कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावशाली संचालन सचिव धीरज शर्मा ने किया। समारोह के समापन अवसर पर बंगाईगांव जागृति शाखा की सचिव आयुषी बंसल ने उपस्थित सभी अतिथियों, सदस्यों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

दरंग जिला विश्व हिंदू महासंघ की हुई साधारण सभा

मंगलदै, 1 जून (ख.सं)। मंगलदै सनातन धर्म मंदिर के सभागार में दरंग जिला विश्व हिंदू महासंघ की साधारण सभा आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता जिला विश्व हिंदू महासंघ के सलाहकार और समाजसेवी अश्विनी कुमार शर्मा ने की। सभा संचालन जिला सचिव निरंजन शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मंगलदै शहर के वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेवी रामकृष्ण चौहान को जिला अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।यह बैठक में आगामी महामृत्युंजय यज्ञ में विश्व हिंदू महासंघ के केंद्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महा मृत्युंजय यज्ञ में आमंत्रित करने के कार्यक्रम पर भी चर्चा की गयी। नये बने प्रेसिडेंट

रामकृष्ण चौहान ने सनातनी हिंदू धर्म पर एक ज़रूरी स्पीच दी और कहा कि इस महासंघ के ज़रिए हमें अपने सनातनी हिंदू लोगों को एक करने का एक सुंदर प्लेटफॉर्म मिला है। नहीं तो दूसरे समुदाय के लोग हमारे सनातन हिंदू लोगों को खा जाएंगे। इसलिए मैं हिंदू सनातनी भाइयों और बहनों से विश्व हिंदू महासंघ के ज़रिए एक होने की गुजारिश करता हूं। बैठक में विश्व हिंदू महासंघ के स्टेट कमेटी के वाइस प्रेसिडेंट दीपक कुमार शर्मा और सेंट्रल कमेटी के स्टेट सेक्रेटरी प्रांजल कुमार शर्मा, दरंग डिस्ट्रिक्ट कमेटी के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट खनिंद्र बरुवा, सेक्रेटरी लक्ष्मी नंदन कलिता, परेश शर्मा, निरंजन शर्मा और कमेटी के ऑफिसर और मेंबर उपस्थित थे।

चोरी की घटनाओं से लोगों की बढ़ी परेशानी

हैलाकांदी, 1 जून (ख.सं)। हैलाकांदी जिले के पांचग्राम थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से आम लोगों में गहरी चिंता भय और आक्रोश का माहौल पैदा हो गया है। लंबे समय से जारी इन आपराधिक गतिविधियों के विरोध में आज विभिन्न गांवों के हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर पांचग्राम थाने में सामूहिक शिकायत दर्ज कराई। क्षेत्र में बढ़ती चोरी, अवैध शराब के कारोबार तथा जुए के अड्डों पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग को लेकर लोगों ने अपनी आवाज बुलंद की। स्थानीय सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ महीनों से पांचग्राम थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। चोर गिरोह आवासीय मकानों व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा पार्किंग में खड़े वाहनों को निशाना बना रहे हैं। इसके कारण लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ गयी है। कई परिवारों की रातों की नींद उड़ चुकी है और ग्रामीणों को स्वयं रातभर जागकर पहरा देने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।थाने पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि चोर गिरोह के सदस्य सुनियोजित तरीके से अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। अब तक कई मोटरसाइकिलें, कीमती सामान तथा नकदी चोरी हो चुकी है। लोगों ने इन मामलों की शीघ्र जांच कर चोरी गये वाहनों और सामानों की बरामदगी तथा दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। शिकायतकर्ताओं ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के बाइपास मार्ग के आस-पास कई स्थानों पर अवैध रूप से शराब की दुकानें संचालित हो रही हैं। इन स्थानों पर प्रतिदिन शाम से देर रात तक नशा करने वालों और जुआरियों की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन्हीं अवैध अड्डों के आस-पास विभिन्न प्रकार की असामाजिक और आपराधिक गतिविधियां पनप रही हैं। शराब के नशे में उपद्रव, मारपीट, चोरी तथा अन्य अपराधों की घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अवैध शराब की दुकानों और जुए के अड्डों के खिलाफ नियमित अभियान चलाया जाये तो अपराध की घटनाओं में काफी कमी लाई जा सकती है। इसके साथ ही उन्होंने पांचग्राम थाना क्षेत्र में पुलिस की रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों पर निगरानी मजबूत करने तथा संदिग्ध अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की।स्थानीय लोगों ने कहा हम चाहते हैं कि हमारे क्षेत्र में शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहे। आम नागरिक सुरक्षित वातावरण में जीवन व्यतीत कर सकें इसके लिए पुलिस प्रशासन को और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

अवैध टमटम व ऑटो चालक के खिलाफ चला अभियान

ढेकियाजुली, 1 जून (ख.सं)। शोणितपुर जिला अंतर्गत ढेकियाजुली में गत 30 मई को ढेकियाजुली ट्रैफिक पुलिस अवैध रूप से चल रहे टमटम और ऑटो चालक के खिलाफ अभियान चलाया। बता दें कि ढेकियाजुली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 पर ढेकियाजुली थाने से लेकर लोक नायक अमिय कुमार दास महा विद्यालय तक की दूरी महज 500 मीटर है, लेकिन लोगो को वाहन से जाने के लिए करीब आधा घंटा लगता है। स्थानीय लोगो द्वारा बिभागीय अधिकारी और जन प्रतिनिधि से शिकायत की गयी। लोगों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए ढेकियाजुली ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज चंडीराम नाथ के नेतृत्व में गत 30 मई को राष्ट्रीय राजमार्ग पर टमटम चालक का चलना लगभग बंद कर दिया गया।

महाश्रमण भवन में ॐ *भिक्षु-जय भिक्षु* का जप कार्यक्रम

तेजपुर, 1 जून (ख.सं)। महाश्रमण भवन में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, महिला मंडल, युवक परिषद एवं अणुव्रत समिति के संयुक्त तत्वावधान में तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनिश्री आनंद कुमार कालू एवं सहवर्ती मुनिश्री विकास कुमार ठाणाचार- के प्रेरक प्रेरणा से भिक्षु के चेतना वर्ष के उपलक्ष्य में तथा आचार्य भिक्षु की मासिक पुण्य तिथि के पावन अवसर पर *ॐ भिक्षु-जय भिक्षु* का सामूहिक जप कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुनिश्री ने बताया कि महाश्रमण भवन में भक्ति और आध्यात्म का अनूठा समागम देखने को मिला। चारों संस्थाओं के तत्वावधान में आयोजित 13 घंटे के अखंड *ॐ भिक्षु-जय भिक्षु* सामूहिक जप कार्यक्रम में नगर में एक नया कीर्तिमान स्थापित

किया। यह भव्य आयोजन मुनि विकार कुमार की प्रेरक प्रेरणा से संपन्न हुआ। सायंकालीन ग्रीन एशियना में मुनिश्री आनंद कुमार एवं सहवर्ती मुनिश्री के सान्निध्य में जप कार्यक्रम का आयोजन महामंत्रोचार के साथ हुआ। मुनिश्री आनंद कुमार ने जप कार्यक्रम के दौरान ॐ भिक्षु-जय भिक्षु ध्वनि का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व को बड़े ही रोचक और प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने आचार्य भिक्षु के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। मुनि विकास कुमार ने भिक्षु म्हारे प्रगट्या भरत खेतर में गीत का सांगन किया। उसके पश्चात मुनि श्री ने अलख जगावां स्वामी जी रे नाम री गीतिका का संज्ञान करके वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अंत में सामूहिक रूप से भीखन स्वामी भरी मर्यादा बांधी संघ में गीत का संगान किया गया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष सुरेश धारीवाल, नव मनोनीत सभा अध्यक्ष रतनलाल डोसी, तेयुप अध्यक्ष अनुराग बरमेचा, महिला मंडल अध्यक्ष स्नेहलता दुग्गड़, प्रवक्ता उपासिका किरण बरमेचा, ज्ञानशाला प्रभारी सुशीला दुग्गड़, मोतीलाल नाहटा, नरेंद्र बोथरा, मोहिनी बुच्चा, राजू बेगवानी उपस्थित थे। कार्यक्रम एवं जप कार्यक्रम का समापन मुनिश्री के मंगल पाठ से हुआ।

दिहानाम संरक्षण मंच, नलबाड़ी जिला समिति का प्रथम द्विवार्षिक अधिवेशन संपन्न

नलबाड़ी, 1 जून (ख.सं)। नलबाड़ी के ऐतिहासिक श्रीश्री हरिमंदिर परिसर में आज भव्य कार्यक्रमों के साथ दिहानाम संरक्षण मंच, असम के अंतर्गत दिहानाम संरक्षण मंच की नलबाड़ी जिला समिति का प्रथम द्विवार्षिक अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला समिति के महासचिव नरेन दास ने किया। प्रातःकाल ध्वजारोहण जिला समिति के अध्यक्ष अच्युत चंद्र वैश्य ने किया। स्वागत समिति की अध्यक्ष डॉ. शुवला पाठक ने दीप प्रज्ज्वलित किया। अधिवेशन के मुख्य द्वार का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी दिलीप कुमार दास ने किया। सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण दिहानाम संरक्षण मंच के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य जतिन राजवंशी ने किया। वहीं लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण केंद्रीय सहायक संपादिका बिजुली राजवंशी तथा जिला समिति की उपाध्यक्ष अंजु पाठक ने किया। अंतर्राष्ट्रीय बांसुरी वादक दीपक शर्मा की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कार्यकारिणी सदस्य प्रणिता कुंवर ने किया। नागारा सूर्य रामशरण भराली की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य पुलेन राजवंशी और समाजसेवी शरत बर्मन ने किया। इसके बाद नलबाड़ी के सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात प्रतिनिधि एवं विषय चयन सभा का औपचारिक उद्घाटन प्रसिद्ध नाटककार एवं निर्देशक धीरेंद्र कुमार बर्मन ने किया। स्वागत भाषण जिला समिति के सलाहकार कुमुद मालाकार ने प्रस्तुत किया। दोपहर में आयोजित खुली सभा का उद्घाटन नलबाड़ी नगरपालिका के उपाध्यक्ष डॉ. रबीन दास ने किया। जिला समिति के अध्यक्ष अच्युत चंद्र वैश्य की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में दिहानाम संरक्षण मंच, असम के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत खौंड उपस्थित

रहे तथा पर्यवेक्षक के रूप में दिहानाम प्रशिक्षक एवं गुरु बानी पाठक मौजूद रहे। इस अवसर पर दिहानाम संरक्षण मंच, नलबाड़ी जिला समिति की द्विवार्षिक स्मारिका दिहानाम सौरभ का लोकार्पण असम साहित्य सभा की वित्तीय स्थायी निधि के संयोजक गोविंद कलिता ने किया। वहीं आमंत्रित अतिथि के रूप में दिहानाम संरक्षण मंच, बाक्सा जिला समिति के सचिव विष्णु किंकर काकति भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधि एवं विषय चयन सभा के निर्णय के अनुसार बिजुली राजवंशी, अच्युत चंद्र वैश्य, जतिन राजवंशी और प्रणिता कुंवर को दिहानाम संरक्षण मंच, असम की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति का सदस्य चुना गया। इसके अतिरिक्त दिहानाम संरक्षण मंच, नलबाड़ी जिला समिति के लिए डॉ. शुवला पाठक को अध्यक्ष, कुमुद मालाकार को कार्यकारी अध्यक्ष, नरेन दास को महासचिव, मीना तालुकदार एवं अर्चना देवी को उपाध्यक्ष, प्रणवज्योति कलिता एवं प्रणीता दास को सहायक सचिव, भूधर हालोई को सांस्कृतिक अध्यक्ष, दीपक राजबंशी को सांस्कृतिक सचिव तथा मोनिका तालुकदार को प्रचार सचिव चुना गया। इस प्रकार एक सशक्त जिला समिति का गठन किया गया। कार्यक्रम में अनामिका दास की प्रार्थना दिहानाम मंडली, उषा देवी की दिहानाम मंडली तथा प्रणीता कुंवर की दिहानाम मंडली ने दिहानाम प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

तेजपुर में भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन

तेजपुर, 1 जून (ख.सं)। भगवत - तत्व का ज्ञान तब होता है जब हमारे जीवन मे भक्ति आती है। अनन्य भक्ति का अर्थ होता है, ईश्वर के साथ भक्ति का संबंध बनाए रखें। जब हमारे हृदय मे ईश्वर की भक्ति आती है तो वह ऐसा चमत्कार दिखाती है कि मनुष्य के जीवन में कोई दुःख, कोई दीनता, कोई हीनता रहती ही नहीं है। इन्हीं भावनाओ के साथ आज हमने नगांव के श्याम परिवार भक्त मंडली के सम्मानीय सदस्यों को तेजपुर श्याम प्रभु कीर्तन महोत्सव में आमंत्रित किया ताकि तेजपुर के श्याम प्रेमी भी इनके भजन कीर्तन एवं सत्संग का लाभ उठा सकें। तेजपुर के श्याम भक्त अजय-करुणा एवं अरिहंत सुरेका के निवास स्थान पर आयोजित इस भजन संध्या मे नगांव से 21 श्याम भक्त पधारे थे, जिन्होंने देर रात तक श्याम प्रभु की महिमा का अपने मधुर भजनों द्वारा ऐसा समा बंधा कि वहां उपस्थित सभी श्रोता श्याम भक्ति गंगा मे डूबकर एक अलौकिक आनन्द का उपभोग करते रहे। मदन मुरारी बजाज एवं राहुल भजनका श्याम प्रभु की अखण्ड ज्योति के सामने बैठकर चमत्कारी मोर छड़ी से भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते रहे, जबकि सज्जन पोद्दार, नीरज भड़ेच, धनेश, हेमंत एवं अन्य श्याम भक्तों ने अपने मधुर गले से श्याम बाबा के भजनों से भक्तों को लुभाए रखा। तेजपुर के जाने माने युवा भजन गायक पंकज धारीवाल तथा महेंद्र बेंगवानी की जोड़ी ने भी अपने भजनो से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल, 1 जून (एजें)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों के दौरान चुराचांदपुर और उखरुल जिलों से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक तथा सामरिक उपकरण बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 31 मई को चुराचांदपुर थाना क्षेत्र के थिनेजांग और लेइमताक इलाकों में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने एक एके-47 राइफल, दो सिंगल बैरल राइफल, एक देशी 50 मिमी मोर्टार, दो मोर्टार शेल, दो उच्च-विस्फोटक (एचई) मोर्टार बम तथा 7.62 मिमी एके-47 के दस जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा तीन बुलेटप्रूफ जैकेट हार्नेस, तीन हेलमेट और तीन जोड़ी जंगल बूट भी जब्त किए गए। वहीं, एक अन्य अभियान में उखरुल जिले के लितान थाना क्षेत्र अंतर्गत याओलेन चेपू गांव के आसपास चलाए गए एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने चार एसबीबीएल बंदूकें और दो एसबीएमएल बंदूकें बरामद कीं। अभियान के दौरान 12 बोर के 24 जिंदा कारतूस, विभिन्न हथियारों के खाली खोखे, जिनमें एसएलआर, एके और .303 राइफल के खोखे शामिल हैं, भी जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त तीन बाओफेंग वायरलेस सेट, 12 बोर गोला-बारूद ले जाने वाली बेल्ट, एक टैक्टिकल बेल्ट, एक मैगजीन पाउच, एक बुशनेल दूरबीन, एक कमर बैग तथा दो सीसे के टुकड़े भी बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में अवैध हथियारों की आवाजाही पर अंकुश लगाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। बरामद हथियारों और उपकरणों के संबंध में आगे की जांच जारी है तथा इनके पीछे सक्रिय व्यक्तियों या संगठनों की पहचान की जा रही है।

नौ हजार फीट की ऊंचाई पर सेना के जवानों ने किया योग

इटानगर, 1 जून (एजें)। भारतीय सेना के जवानों ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के शि-योमी जिले में समुद्र तल से लगभग नौ हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित पसांग सोनम झील तट पर योग सत्र में भाग लिया। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले चल रहे महीनेभर के कार्यक्रमों के तहत किया गया। एक विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रिम क्षेत्रों में तैनात सैनिकों ने उत्साहपूर्वक योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। इस अवसर पर सैनिकों के लिए योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया गया कि इससे शारीरिक तंदुरुस्ती, मानसिक दृढ़ता और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के लिए योग लचीलापन, एकाग्रता और तनाव प्रबंधन में भी सहायक है। कार्यक्रम का उद्देश्य सैनिकों के बीच टीम भावना और सामूहिक प्रेरणा को मजबूत करना भी था।

आईपीएस अधिकारी मुकेश सिंह ने संभाला मणिपुर के नये डीजीपी का पदभार

इंफाल, 1 जून (एजें)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मुकेश सिंह ने सोमवार को मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय मजबूत करने और जनता की सेवा में निष्पक्षता, तटस्थता और व्यावसायिकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।पदभार ग्रहण करने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुकेश सिंह ने इस बात पर बल दिया कि सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच प्रभावी सहयोग, निष्पक्ष और पूर्वाग्रह रहित पुलिसिंग के साथ मिलकर, राज्य में शांति, सुरक्षा और जनता के विश्वास को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा।एक अधिकारी ने बताया कि औपचारिक स्वागत समारोह के बाद डीजीपी ने इंफाल के मंत्रीपुखरी स्थित पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने पुलिसिंग की प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की और प्रोफेशनलिज्म, भारत के संविधान और कानून के शासन का पालन, सहयोगी एजेंसियों के साथ समन्वय और जनता के प्रति कर्तव्यों के निर्वहन में निष्पक्षता और तटस्थता पर जोर दिया। इस अवसर पर मणिपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।इससे पहले, पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर मुकेश सिंह को मणिपुर पुलिस कर्मियों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। एजीएमयूटी (अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश) कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी मुकेश सिंह ने डीजीपी राजीव सिंह का स्थान लिया है, जो मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयासों के बीच राज्य पुलिस बल में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का प्रतीक है।मणिपुर में तबादले से पहले, मुकेश सिंह लद्दाख के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत थे; यह पद उन्होंने 15 जनवरी, 2026 को ग्रहण किया था।त्रिपुरा कैडर के 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव सिंह को 21 मई को कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) नियुक्त किया गया था। मणिपुर के पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, राजीव सिंह त्रिपुरा में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और बाद में नई दिल्ली स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) मुख्यालय में महानिरीक्षक (संचालन) के रूप में कार्यरत थे।

मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने एरी रेशम प्रसंस्करण इकाई का किया उद्घाटन

शिलांग, 1 जून (एजें)। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने आज री-भोई जिले के भोइरिम्बोंग में एरी रेशम प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य राज्य के पारंपरिक रेशम उद्योग को मजबूत करना और बुनकरों के लिए बेहतर बाजार पहुंच बनाना है। एरी रेशम, जिसे लोकप्रिय रूप से रायंडिया के नाम से जाना जाता है, को 2025 में भौगोलिक संकेत (जीआई) का दर्जा प्राप्त हुआ, क्योंकि इसकी उत्पादन प्रक्रिया अहिंसक है, जिसमें रेशम के कीड़ों को नुकसान नहीं पहुंचाया जाता है। इस रेशम को अहिंसा रेशम के नाम से भी जाना जाता है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नई इकाई एरी रेशम के कोकून के संगठित विपणन में मौजूद कमियों को दूर करने और स्थानीय बुनकरों और कारीगरों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने में सहायक होगी। उन्होंने इस पहल को समर्थन देने के लिए प्राइम मेघालय योजना के तहत 35 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी प्रदान की। श्री संगमा ने कहा कि शिलांग हवाई अड्डे के निकट स्थित भोइरिम्बोंग व्यापार नेटवर्क के विस्तार और मेघालय के एरी रेशम उत्पादों को व्यापक बाजारों में बढ़ावा देने में सहायक होगा।

ईएनपीओ ने नगालैंड सरकार पर लगाया आरोप

कोहिमा, 1 जून (एजें)। ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गेनाइजेशन (ईएनपीओ) ने नागालैंड सरकार पर फ्रंटियर नागालैंड टेरिटोरियल अथॉरिटी (एफएनटीए) के गठन से जुड़े समझौते के अहम प्रावधानों को कमजोर करने का आरोप लगाया है। संगठन ने कहा कि सरकार त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान की गई प्रतिबद्धताओं से 'यू-टर्न' ले रही है। शनिवार को जारी बयान में ईएनपीओ ने 5 फरवरी, 2025 को साइन हुए समझौता ज्ञापन (एमओए) के महत्वपूर्ण प्रावधानों को बदलने की कोशिश पर गंभीर चिंता जताई। यह समझौता नागालैंड के भीतर एफएनटीए को विधायी, कार्यकारी और वित्तीय स्वायत्तता वाली अनूठी स्व-शासित क्षेत्रीय अथॉरिटी के रूप में स्थापित करने के लिए है। ईएनपीओ ने कहा कि एमओए में हुए किसी भी बदलाव से इसकी मूल भावना कमजोर होगी।

अपहरण मामला : नगालैंड के सीएम का गृह मंत्री से हस्तक्षेप की अपील

कोहिमा, 1 जून (एजें)। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने मणिपुर में नागा समुदाय के छह लोगों के कथित अपहरण के मामले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने सभी पक्षों से संयम बरतने तथा अपहृत व्यक्तियों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने की अपील की है। 30 मई को यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनसी) के अध्यक्ष एन.जी. लोहरी को लिखे पत्र में रियो ने बताया कि उन्होंने 29 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत कर इस घटना को लेकर नागा समुदाय की गहरी चिंता और दर्द से अवगत कराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री से व्यक्तिगत हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया तथा अपहृत व्यक्तियों का शीघ्र पता लगाने, दोषियों की पहचान करने और सभी छह लोगों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया। रियो के अनुसार, अमित शाह ने उन्हें आश्वस्त किया कि इस मामले को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसियों को पीड़ितों का पता लगाने, दोषियों का पहचना करने और कानून के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे। नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के अध्यक्ष को सीएम ने यह भी बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह सचिव और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक से भी बातचीत की है। दोनों अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि मामले पर सक्रिय रूप से कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से शांति बनाए रखने, संयम बरतने और अपहृत व्यक्तियों की सुरक्षित बरामदगी के प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने यूएनसी से यह भी आग्रह किया कि वह उन नागा स्वयंसेवकों को समझाने का प्रयास करे, जिनके कब्जे में कथित तौर पर 14 कुकी समुदाय के लोग हैं, ताकि वे सुरक्षित रहें और उन्हें छोड़ा जाए।मुख्यमंत्री ने करुणा, संवाद और मेल-मिलाप की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सभी पक्षों को ईसाई मूल्यों तथा नागा समुदाय की उस परंपरा का पालन करना चाहिए, जो निर्दोष लोगों की रक्षा और मानवीय गरिमा के संरक्षण पर आधारित है।उन्होंने चर्च नेताओं और विभिन्न धार्मिक संगठनों के समूह क्रिश्चियन फोरम द्वारा जारी अपील का भी स्वागत किया, जिसमें हिंसा और प्रतिशोध को अस्वीकार करने तथा किसी भी समूह द्वारा हिरासत में रखे गए सभी निर्दोष लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग की गई है।

बिष्णुपुर के सैटोन बाजार में 20 लीटर अवैध देशी शराब जब्त

बिष्णुपुर, 1 जून (एजें)। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में पीजीसीआई पुलिस थाना के तहत सैटोन बाजार और आसपास के इलाकों में 31 मई को चलाए गए विशेष अभियान में सुरक्षा बलों ने लगभग 20 लीटर डिस्टिल्ड इंडिजिनस कंट्री लिकर (डीआईसी) जब्त की। यह कार्रवाई राज्यभर में अवैध शराब और नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा थी। अभियान के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने बाजार क्षेत्र में कई जगहों की तलाशी ली और अवैध देशी शराब बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि जब्त शराब को कब्जे में ले लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बल अवैध शराब और ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, हाल के महीनों में कई सफल ऑपरेशनों में बड़ी मात्रा में अवैध शराब और नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं और कई गिरफ्तारियां हुई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अवैध पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी रखने और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की प्रतिबद्धता दोहराई है।

तिनसुकिया मंडल के स्लीपर रिन्युअल कार्यों में रिकॉर्ड प्रगति

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के तिनसुकिया मंडल ने मई 2026 के दौरान थ्रू स्लीपर रिन्यूअल (टीएसआर) कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज कर बुनियादी ढांचे के रखरखाव के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मराणहाट-डिब्रूगढ़ सेक्शन में ट्रैक रिलेइंग ट्रेन (टीआरटी) मशीन का उपयोग कर कुल 10.61 किलोमीटर स्लीपर रिन्यूअल सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जो हाल के समय में मंडल के बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक है। यह उपलब्धि इस महीने के दौरान 21 ट्रैफ़िक ब्लॉक (जिनमें 9 रात्रि ब्लॉक शामिल थे) के प्रभावी उपयोग से संभव हो पाई है, जिससे नवीनीकरण कार्यों में बिना किसी रुकावट के प्रगति सुनिश्चित हुई। विभिन्न विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय, जनशक्ति और मशीनों की कुशल तैनाती, निर्बाध शंटिंग कार्य और सिग्नलिंग एवं ओवरहेड ट्रैक्शन कार्यों के एक साथ निष्पादन से निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्लीपर रिन्यूअल कार्यों के सफल समापन से एनएफआर के तिनसुकिया मंडल के मोरानहाट-डिब्रूगढ़ सेक्शन में ट्रैक संरक्षा और परिचालन विश्वसनीयता में काफी वृद्धि हुई है। यह नवीनीकृत ट्रैक अवसंरचना ट्रेनों के निर्बाध परिचालन और यात्रियों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव में योगदान प्रदान करेगा, जिससे ट्रेन यात्राओं के दौरान संरक्षा, दक्षता और यात्रियों की सुविधा के उच्च मानकों को बनाए रखने के प्रति एनएफआर की प्रतिबद्धता पुनः प्रमाणित हुई है।

मणिपुर में तनाव कम करने की पहल 14 कुकी बंदियों की रिहाई संभव

इंफाल, 1 जून (एजें)। मणिपुर में समुदायों के बीच तनाव कम करने की कोशिशों के तहत आज 14 कुकी बंदियों को रिहा किए जाने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, दोपहर करीब 2 बजे राज्य सरकार और नागा विधायकों समेत निर्वाचित प्रतिनिधियों की मौजूदगी में रिहाई हो सकती है। हालांकि अधिकारियों ने अभी रिहाई की जगह या इसमें शामिल समूहों का खुलासा नहीं किया है। यह कदम 13 मई को कांगपोकपी जिले के कोतलेन में हुए घातक हमले के बाद बंधक बनाने की घटनाओं की पृष्ठभूमि में उठाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, घटना के बाद कुकी समूहों ने अलग-अलग जगहों से करीब 20 नागा नागरिकों को बंधक बना लिया था। इसके जवाब में नागा समूहों ने भी कुकी समुदाय के लोगों को हिरासत में लिया था। बाद की बातचीत में दोनों तरफ से कई बंदियों को रिहा किया गया। लेकिन रविवार सुबह तक 14 कुकी बंदी और 6 नागा बंधक अभी भी हिरासत में थे। 14 कुकी बंदियों की रिहाई को समुदायों के बीच भरोसा बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि 6 नागा बंधकों का अभी कोई पता नहीं है। सामुदायिक नेताओं और स्थानीय संगठनों ने इलाके में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सभी बंधकों की सुरक्षित रिहाई की मांग की है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

सिगल थिएटर ने अरुण शर्मा के नाटक *श्री निबारण भट्टाचार्य* का किया मंचन

गुवाहाटी, 1 जून (एजें)। प्रतिष्ठित नाट्य संगठन 'सिगल थिएटर' ने 28 और 29 मई को खचाखच भरे दर्शकों के बीच अरुण शर्मा के चर्चित नाटक 'श्री निबारण भट्टाचार्य' का हिंदी में मंचन किया। 1990 से नाट्यकला को समर्पित सिगल ने असमिया नाट्य साहित्य की इस अनूठी रचना को सर्वभारतीय दर्शकों तक पहुंचाने के लिए हिंदी में प्रस्तुत किया। नाटक की परिकल्पना और निर्देशन बहारुल इस्लाम ने किया। हिंदी अनुवाद आशा कोठारी चौधरी ने किया है। यह नाटक प्रख्यात असमिया नाटककार और उपन्यासकार अरुण शर्मा की रचना पर आधारित है। अरुण शर्मा अपनी अपरंपरागत कहानी और सशक्त सामाजिक टिप्पणी के लिए जाने जाते हैं। उन्हें साहित्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी और 2010 में पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। यह नाटक एक कलाकार की सुने जाने की आकांक्षा, जुनून, अकेलेपन और सृजनात्मकता पर मार्मिक चिंतन है। संगीत प्रशांत कलिता का था। मंच सज्जा रकीबुल अहमद और गौरांग नारायण देव ने संभाली। वेशभूषा और प्रकाश की जिम्मेदारी भागीरथी बाई की थी, प्रकाश में कानू चौधरी ने सहयोग किया। गुवाहाटी के सिगल स्टूडियो में हुए मंचन में बहारुल इस्लाम, राजू रॉय, जीत बरुवा, जिया बहार, गौरांग नारायण देव, राकिबुल हुसैन, अम्लान, प्रशांत दास, अरबाब ओमर, पॉपी, मानसी, गुंजन और हवा ने अभिनय किया। संगठन देश के विभिन्न शहरों में भी इस नाटक का मंचन करने की योजना बना रहा है।

त्रिपुरा में विलेज कमेटी चुनाव की तैयारी शुरू

अगरतला, 1 जून (एजें)। त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (टीटीएएडीसी) चुनाव के सफल समापन के बाद राज्य चुनाव आयोग ने विलेज कमेटी चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य चुनाव आयोग के सचिव अनुराग सेन ने बताया कि टीटीएएडीसी चुनाव खत्म होते ही आयोग ने विलेज कमेटी चुनाव के लिए काम शुरू कर दिया था। 9 मई को मतदान केंद्रों की मसौदा और अंतिम सूची को लेकर अधिसूचना जारी की गई थी। पूरे त्रिपुरा के विभिन्न प्रशासनिक ब्लॉकों से सत्यापन के बाद कुल 1,550 मतदान केंद्र तय किए गए हैं। सेन ने कहा कि मतदाता सूची तैयार करने का काम चल रहा है।

अरुणाचल के सभी जिलों में दो निजी न्यूज चैनलों के खिलाफ शिकायत दर्ज

इटानगर, 1 जून (एजें)। अरुणाचल प्रदेश कई जिलो से अनेक लोगों ने असम के दो निजी न्यूज़ टीवी चैनलों के अधिकारियों के खिलाफ कथित तौर पर झूठी रिपोर्ट प्रसारित करने का आरोप लगाते हुए कई शिकायत दर्ज की गई हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। इस घटना के बाद भाजपा नेताओं, समर्थकों और यहां तक कि आम लोगों की ओर से राज्यव्यापी आक्रोश फैल गया है। सूत्रों के अनुसार विभिन्न जिलों के पुलिस स्टेशनों में दर्ज शिकायतों की प्रतियों से पता चलता है कि भाजपा पदाधिकारियों, भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के नेताओं, पार्टी समर्थकों और कई अन्य व्यक्तियों ने न्यूज चैनलों के प्रबंधन और संपादकीय टीम के पदाधिकारियों के नाम से शिकायत दर्ज कराते हुए कथित तौर पर अपुष्ट जानकारी प्रकाशित और प्रसारित करने के आरोप पर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त सूचना के अनुसार राज्य के इटानगर, नामसाई, मेबो, रागा, तवांग, चांगलांग, जयरामपुर, लोंगडिंग, चोंगखाम, संग्राम, दापोरिजो, बोलेंग, सेइजोसा, पक्के केसांग और राज्य भर के कई अन्य स्थानों के पुलिस स्टेशनों में एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। शिकायतों में याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि समाचार रिपोर्ट में झूठा दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं और इसे तथ्यों की उचित पुष्टि किए बिना प्रकाशित किया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस रिपोर्ट ने जनता में भ्रम पैदा किया, मुख्यमंत्री की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया और राज्य के लोकतांत्रिक शासन में जनता के विश्वास को कमजोर किया।

अरुणाचल के लोंगडिंग में सूअर के मांस वाले उत्पाद के परिवहन पर प्रतिबंध

इटानगर, 1 जून (एजें)। असम के तिनसुकिया क्षेत्र में अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के संक्रमण की पुष्टि होने के बाद अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में जीवित सूअरों तथा सूअर के मांस वाले उत्पादों की खरीद-बिक्री एवं परिवहन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।लोंगडिंग जिले के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा अधिकारी ओ. मोयोंग ने एक परामर्श में कहा कि इस घातक संक्रमण को जिले में फैलने से रोकने के लिए ये आपातकालीन प्रतिबंध एक महीने तक लागू रहेंगे।अधिकारी ने कहा, सभी सूअर पालक, पशुधन व्यापारी और आम जनता को इन निवारक दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। नियमों का उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा। पशुओं में संक्रामक और संचारी रोगों के निवारण और नियंत्रण अधिनियम, 2009 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।किसानों को सूअरों को रसोई का बचा हुआ भोजन या खाद्य अपशिष्ट खिलाने (स्विल फीडिंग) से भी सावधान रहने को कहा गया है क्योंकि इसे एएसएफ वायरस फैलने का प्रमुख कारण माना गया है।अधिकारी ने पशुपालकों से अपील की कि वे सूअरों में तेज बुखार, कमजोरी, भूख न लगना, रक्तस्राव या त्वचा पर बैंगनी रंग के चकत्ते और अचानक मौत जैसे लक्षणों पर नजर रखें।उन्होंने कहा, लक्षण दिखते ही उस सूअर को तुरंत स्वस्थ पशुओं से अलग कर दें। संदिग्ध मामलों या असामान्य मौतों की सूचना तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सा चिकित्सालय या जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय को दें।

नगालैंड में वैज्ञानिकों ने की कैस्केड मेंढक की नयी प्रजाति की खोज

कोहिमा, 1 जून (एजें)। हाल ही में, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों ने म्याँमार सीमा के करीब नागालैंड के किफिरे ज़िले में पहाड़ी झरनों के आवासों से विज्ञान के लिये एक नई 'कैस्केड-डवेलिंग मेंढक की प्रजाति' की खोज की है। इस खोजी गई प्रजाति का नाम 'अमोलोप्स कमल' रखा गया है। इसका सामान्य नाम 'नागालैंड कैस्केड फ्रॉग' है। यह प्रजाति एशियाई झरनों में रहने वाले मेंढकों के वंश 'अमोलोप्स' से संबंधित है। एशियाई झरनों में रहने वाले मेंढकों के वंश 'अमोलोप्स' में वर्तमान में 90 मान्यता प्राप्त प्रजातियाँ शामिल हैं, जिनमें से 20 प्रजातियाँ भारत से प्राप्त हुई हैं। भारत में, अमोलोप्स प्रजातियों को मुख्य रूप से 'अमोलोप्स मार्मोरेटस', 'अमोलोप्स मोंटीकोला' और 'अमोलोप्स विरिडीमैकुलेटस' समूहों में वर्गीकृत किया गया है। ये ऐसे मेंढक हैं जो तेज़ बहने वाले पहाड़ी झरनों, जलप्रपातों, रॉकी कैस्केड और आर्द्र नदी-तटों के आवासों में रहते हैं। तेज़ बहते जल में जीवित रहने के लिये आमतौर पर इनमें मज़बूत अंग, एढेसिव टो पैड और सुव्यवस्थित शरीर जैसी अनुकूलता होती है। इनकी उपस्थिति स्वच्छ, ऑक्सीजन युक्त तथा अपेक्षाकृत अबाधित मीठे जल के पारिस्थितिकी तंत्र का संकेत देती है, जहाँ ये छोटे कीड़े-मकोड़ों का सेवन करके और नदी की खाद्य शृंखला का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनकर पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। भारत में, कई कैस्केड मेंढक जैव विविधता से समृद्ध पहाड़ी क्षेत्रों, विशेष रूप से पश्चिमी घाट और उत्तर-पूर्व भारत में पाए जाते हैं। ये जल प्रदूषण, आवास व्यवधान, वनों की कटाई, जल विद्युत परियोजनाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

| संपादकीय |

बालेन शाह ने सीमा विवाद को लेकर जगहंसाई करवा ली

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी को लेकर चल रहा पुराना सीमा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कोई नया भू-राजनीतिक घटनाक्रम नहीं, बल्कि नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की चौंकाने वाली और कई मायनों में अपरिपक्व बयानबाजी बनी है। संसद में उन्होंने ऐसा दावा कर दिया, जिसने काठमांडू से लेकर नयी दिल्ली तक हलचल मचा दी। हालात इतने असहज हो गये कि कुछ ही घंटों बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई देने मैदान में उतरना पड़ा। और विडंबना देखिये, भारत को घेरने की कोशिश में दिया गया बयान नेपाल में ही प्रधानमंत्री के लिए भारी पड़ गया। विपक्ष, पूर्व विदेश मंत्री, पूर्व राजदूत और सीमा विशेषज्ञ तक उनके खिलाफ खड़े हो गये और उनसे सबूत, स्पष्टीकरण, यहां तक कि माफी की मांग होने लगी। सीमा विवाद पर राजनीतिक परिपक्वता दिखाने के बजाय बालेन शाह की टिप्पणियां ऐसी साबित हुईं, जिन्होंने नेपाल की आधिकारिक स्थिति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।

हम आपको बता दें कि नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन शाह ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारतीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर मित्रवत तरीके से विवाद सुलझाने की अपील की। उधर, नेपाल में विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने बालेन शाह की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया दी। नेपाली कांग्रेस की बसना थापा और अन्य नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की। पूर्व विदेश मंत्री प्रदीप ज्ञवाली ने भी प्रधानमंत्री से माफी मांगने की बात कही। नेपाल के पूर्व राजदूत नीलांबर आचार्य और दीप कुमार उपाध्याय ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर अतिक्रमण का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सीमा विशेषज्ञ बुद्धि नारायण श्रेष्ठ ने भी प्रधानमंत्री की बातों को तथ्यात्मक आधार से रहित बताया। इस प्रकार बालेन शाह का बयान भारत से अधिक नेपाल के भीतर ही विवाद का विषय बन गया।

दरअसल, सीमा विवाद का केंद्र लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र हैं। नेपाल का दावा है कि सुगौली संधि के अनुसार काली नदी का उद्गम लिम्पियाधुरा से होता है, इसलिए उसके पूर्व का पूरा क्षेत्र नेपाली भूभाग है। दूसरी ओर भारत का कहना है कि काली नदी का वास्तविक उद्गम लिपुलेख दर्रे के नीचे स्थित स्रोतों से होता है और ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार कालापानी क्षेत्र लंबे समय से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा रहा है। यही मूल विवाद दोनों देशों के दावों की जड़ में है।

हम आपको बता दें कि विवाद को हाल में उस समय नया मोड़ मिला जब नेपाल ने लिपुलेख मार्ग से होने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर आपत्ति जताते हुए भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक नोट भेजा। भारत ने इस आपत्ति को खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि लिपुलेख मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से लगातार संचालित हो रही है और यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है। भारत ने यह भी दोहराया कि एकतरफा तरीके से क्षेत्रीय दावों का विस्तार न तो ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है और न ही स्वीकार्य है।

उधर, बालेन शाह के बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने सफाई देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय के अनुसार सीमा के कुछ हिस्सों में सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं के कारण ऐसी स्थितियां उत्पन्न हुई हैं, जहां दोनों ओर के लोग एक-दूसरे की जमीन का उपयोग करते रहे हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि दोनों देश कूटनीतिक बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लेकिन सबसे अधिक हैरानी प्रधानमंत्री बालेन शाह के उस सुझाव पर हुई, जिसमें उन्होंने सीमा विवाद के समाधान में ब्रिटेन की भागीदारी की बात उठायी। उन्होंने तर्क दिया कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि

औपनिवेशिक काल से जुड़ी है, इसलिए ब्रिटेन को भी इस विषय में रुचि लेनी चाहिए। यह प्रस्ताव न केवल व्यावहारिक दृष्टि से कमजोर माना गया, बल्कि नेपाल के भीतर भी इसे अपरिपक्व और अनावश्यक बताया गया। भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय ढांचे में चर्चा का विषय रहा है। ऐसे में तीसरे पक्ष को बीच में लाने की बात कूटनीतिक परंपराओं और स्थापित समझ से मेल नहीं खाती।

इसके अलावा, सीमा विवाद जैसे संवेदनशील और पूर्णतः द्विपक्षीय विषय में ब्रिटेन को शामिल करने का सुझाव बालेन शाह की कूटनीतिक नासमझी का ऐसा सार्वजनिक प्रदर्शन था, जिसने कई जानकारों को हैरान कर दिया। भारत दशकों से स्पष्ट करता आया है कि वह अपने किसी भी द्विपक्षीय विवाद में तीसरे पक्ष की मध्यस्थता या दखल को स्वीकार नहीं करता, चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का। ऐसे में ब्रिटेन को बातचीत की मेज पर बुलाने का प्रस्ताव शुरू से ही अव्यावहारिक और वास्तविकताओं से कटा हुआ नजर आया। जिस देश ने दो शताब्दियों पहले उपमहाद्वीप छोड़ दिया, उसे आज की सीमा वार्ताओं में घसीटने की कोशिश को कई पर्यवेक्षकों ने राजनीतिक अपरिपक्वता बताया। दिलचस्प यह है कि बालेन शाह की इस टिप्पणी पर केवल नेपाल में ही नहीं, बल्कि ब्रिटेन के रणनीतिक और दक्षिण एशियाई मामलों पर नजर रखने वाले हलकों में भी हैरानी जतायी गयी और इसे अव्यावहारिक सोच का उदाहरण माना गया। कूटनीति की दुनिया में जहां गंभीरता, तैयारी और यथार्थवादी दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है, वहां बालेन शाह का यह सुझाव कई लोगों को ऐसा लगा मानो किसी जटिल अंतर्राष्ट्रीय विवाद के समाधान के लिए इतिहास की धूल झाड़कर ऐसे पात्रों को मंच पर बुलाने की कोशिश की जा रही हो जिनकी अब उस प्रक्रिया में कोई वास्तविक भूमिका ही नहीं बची है।

देखा जाये तो सामरिक दृष्टि से लिपुलेख क्षेत्र का महत्व अत्यंत गहरा है। यह भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित है। यह केवल धार्मिक यात्रा का मार्ग नहीं बल्कि हिमालयी क्षेत्र में संपर्क, निगरानी और रणनीतिक पहुंच का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच यह इलाका राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से और भी संवेदनशील हो गया है। इसलिए इस क्षेत्र से जुड़ा कोई भी राजनीतिक बयान केवल घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके व्यापक सामरिक प्रभाव भी होते हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री का बयान इसी कारण अधिक विवादास्पद बन गया। बिना पर्याप्त तैयारी और तथ्यों की मजबूत प्रस्तुति के ऐसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करना न केवल कूटनीतिक भ्रम पैदा करता है बल्कि अपने ही देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर भी कर सकता है। यही कारण है कि उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को स्पष्टीकरण देना पड़ा और देश के अनेक राजनीतिक तथा कूटनीतिक विशेषज्ञों ने उनकी आलोचना की।

बहरहाल, यह पूरा प्रकरण एक महत्वपूर्ण संदेश देता है। भारत और नेपाल के बीच सीमा से जुड़े मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों ने बार-बार बातचीत और कूटनीति के माध्यम से समाधान की प्रतिबद्धता जतायी है। ऐसे समय में भावनात्मक या बचकाने राजनीतिक बयान समाधान का रास्ता नहीं खोलते, बल्कि अनावश्यक भ्रम और विवाद को जन्म देते हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की हालिया टिप्पणियां इसी का उदाहरण बन गयी हैं, जहां भारत पर निशाना साधने की कोशिश से अधिक नुकसान उन्हें अपने ही देश के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में उठाना पड़ा है।

एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार

राधा रमण

ठीक कहा जाता है कि कागज का पेट कागज से ही भरता है। बिहार में हुए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत (सुप्रीम कोर्ट) के हालिया फैसले को इसी रूप में देखा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को वैध ठहराते हुए साफ-साफ कहा कि चुनाव आयोग को इसका अधिकार है। अदालत ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के संवैधानिक लक्ष्य को आगे बढ़ाती है। यह लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की वैधानिकता को चुनौती देने वाली एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) समेत करीब 20 याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद -324 एवं जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 21(3) के तहत एसआईआर कराने का अधिकार है। अदालत ने माना कि एसआईआर की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची में नाम शामिल करने की पात्रता के लिहाज से नागरिकता की सीमित जांच करने का अधिकार है। हालांकि ऐसी जांच नागरिकता का निर्धारण नहीं मानी जा सकती है।

अदालत के इस फैसले से देश के नागरिकों में सन्नाटा पसरा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनतादल यूनाईटेड (जदयू) खेमे में खुशी की लहर दौड़ गयी है, जबकि विपक्ष के दल मौन हैं। याचिकाकर्ता एडीआर के वकील प्रशांतभूषण जरूर इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन बता रहे हैं। उधर, बिहार के चुनाव परिणामों से उत्साहित चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, पुड्डुचेरी, असम, राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, गोवा, लक्ष्यद्वीप और अंडमान निकोबार समेत 13 और राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी करा ली है। इनमें पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम और पुड्डुचेरी में हाल ही विधानसभा के चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं। बाकी राज्यों में भी एसआईआर के आदेश दिये जा चुके हैं। दिल्ली में भी 20 जून से एसआईआर शुरू किया जाएगा।

दरअसल, याचिकाकर्ताओं ने एसआईआर को लेकर नहीं बल्कि एसआईआर में जल्दबाजी को लेकर सवाल उठाया था। उनका कहना था कि चुनाव आयोग बिहार में चुनाव की घोषणा के बाद आखिरकार जल्दबाजी (महज एक माह) में एसआईआर क्यों करा रहा है। वह भी तब जब आधे से अधिक बिहार की जनता बाढ़ की विभीषिका से जूझ रही है। लोगों के समक्ष जान-माल की चुनौती है और चुनाव आयोग मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करा रहा है। फिर, एसआईआर में जुड़े लोगों का प्रोपर प्रशिक्षण भी नहीं हो पाया है। याचिकाकर्ताओं ने बिहार में करीब 65 लाख मतदाताओं का नाम कटने की बात कही थी। उधर, एसआईआर के दौरान एक दल विशेष के नेता चुनाव आयोग का प्रवक्ता बने फिर रहे थे। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे थे।

अदालत का फैसला साक्ष्यों पर आधारित होता है। अदालत ने माना कि यह प्रक्रिया एक असाधारण परिस्थिति में की गयी थी, लेकिन इसे अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं कहा जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची संशोधन से जुड़े प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों का पालन किया गया।

उधर, याचिकाकर्ताओं ने 65 लाख मतदाताओं का नाम काटे जाने की बात जरूर कही थी, लेकिन अपनी याचिका के समर्थन में सबूत के तौर पर 65 मतदाताओं का नाम जुटाने में असमर्थ रहे। विपक्ष के राजनीतिक दल भी ट्विटर पर बयानबाजी और दिखावे के प्रदर्शन के अलावा कुछ नहीं कर सके। यदि वह बयानबाजी छोड़ सबूत अदालत के सामने रखते तो शायद अदालत को चुनाव आयोग को क्लीनचिट नहीं देना पड़ता।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही चुनाव आयोग को एसआईआर पर क्लीनचिट दे दी है लेकिन आयोग की निष्पक्षता पर अदालत मौन है। सरकार ने पहले ही संसद से यह तय कर दिया है कि चुनाव आयोग के किसी फैसले को अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती है। ऐसा आजादी के बाद पहली बार हुआ है। वैसे भी जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सबसे अधिक सवाल उठते रहे हैं।

उधर, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पर एक और मुकदमा सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश वाईबी चंद्रचूड़ ने सरकार को सुझाव दिया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई को भी शामिल करना चाहिए। उनका तर्क था कि मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। फिलहाल, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और नेता प्रतिपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में शामिल होते हैं और बहुमत का फैसला माना जाता है। जस्टिस चंद्रचूड़ का कहना था कि सरकार का मंत्री प्रधानमंत्री की राय से इतर कैसे सोच सकता है। इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के चयन में प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सीजेआई को शामिल होना चाहिए। हालांकि सरकार ने उसे नहीं माना है। पिछले दिनों वर्त्तमान सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान इस पर कड़ी टिप्पणी की थी। मामला अभी अदालत के विचाराधीन है। देखना दिलचस्प होगा कि सुप्रीम कोर्ट उस मामले में क्या फैसला देता है।

इस बीच जाने-माने समाजसेवी और याचिकाकर्ताओं में से एक योगेंद्र यादव ने एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि मेरे अनुसार, इस मामले की दिशा पिछले वर्ष अगस्त में ही तय हो गयी थी, जब एसआईआर के खिलाफ तीन दिन दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उसकी संवैधानिक वैधता की जांच से ध्यान हटाकर खुद को एक उपभोक्ता फोरम में बदल लिया था। जहां संवैधानिक सिद्धांतों की जगह शिकायत निवारण और प्रशासनिक मध्यस्थता पर जोर था। यादव ने कहा कि उन्हें अदालत के इस फैसले से कोई आश्चर्य नहीं है। लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। बड़ा सवाल यह कि क्या आज के नेताओं में लोकलाज बचा है।

दहेज प्रथा या एक कलंकित व्यापार...

बृंदा शर्मा

जी हां,मेरा आज का ये लेख, हमारे समाज की एक और कुरीति से जुड़ा है। कहने को तो ये कुरीति एक अपराध है, गैर कानूनी है, और खत्म हो चुकी है। मगर सच तो ये है कि समय के साथ-साथ ये कुरीति एक भयानक और घीनौना रुप लेती जा रही है। हां, मैं बात कर रही हूं दहेज प्रथा की। हमारे देश में दहेज प्रथा आज भी एक बहुत गंभीर सामाजिक समस्या है, जिसकी आग में हर साल आज भी न जाने कितनी ही बेटियों की आहुति लगती है। जैसा कि पिछले दिनों सोशल मीडिया पर दो-तीन दहेज मृत्यु के मामले सामने आये और चर्चा का विषय बन गये। आखिर कब तक और क्यूं एक स्त्री पर हुई प्रताड़ना और अत्याचार केवल एक चर्चा का विषय ही बनकर रह जाएंगे ? हाल ही में जारी एनसीआरबी के 2024 आंकड़ों के अनुसार: वर्ष 2024 में भारत में 5,737 दहेज मृत्यु दर्ज की गयी थी, यानी औसतन हर दिन लगभग 16 महिलाओं की, बेटियों की मौत दहेज की वजह से हो रही है। वैसे इतने तो बस दर्ज आंकड़े हैं और उन आंकड़ों का क्या, जो कभी गरीबी, सामाजिक डर या किसी भी दबाव के चलते दर्ज ही नहीं होते। ये बहुत ही दुख और शर्म के साथ ही बहुत बड़ा चिंता का विषय है कि आज विज्ञान और शिक्षा के इस आधुनिक युग में भी दहेज प्रथा बंद होने की बजाय एक नया और गंभीर रूप ले रही है। कहने को तो हमारा समाज बहुत आधुनिक हो रहा है, मगर अब भी कई जगहों पर बात जब शादी-विवाह की आती है तो लोगों को दहेज की याद पहले आती है, कई बार तो अगर लड़के वाले दहेज की मांग न भी करे तो लड़की के घर वाले ये कहकर दहेज दे रहे होते हैं कि हम अपनी बेटी और जंवाई को प्यार से दे रहे हैं, तब वे शायद ये नहीं समझते कि ऐसा करके वे शेर के मुंह में खून लगा रहे हैं। हालांकि हर जगह और हर बार ऐसा नहीं होता, लेकिन ज्यादातर ऐसा ही देखा और सुना जाता है और कई जगहों पर तो अगर लड़का बहुत पढ़ा- लिखा है और बहुत कमाता है या कोई सरकारी नौकरी वगैरह है तो वैसी परिस्थिति में तो लड़के के घर वाले लड़की के घर वालों से बहुत अधिक दहेज की मांग करते हैं, और तर्क ये कि हमने अपने बेटे को इतना पढ़ाया- लिखाया और काबिल बनाया, यहां मैं ऐसे लड़कों के लिए ये बात जरूर कहूंगी कि हां, बेशक उसके माता-पिता ने उसे पढ़ाया-लिखाया परंतु काबिल नहीं बनाया, क्योंकि एक काबिल लड़का कभी भी किसी और से खास कर अपनी होने वाली धर्मपत्नी के घर वालों से अपनी जरुरत की वस्तुओं की मांग कभी भी नहीं करेगा और किसी प्रकार की कोई वस्तु के शादी के समय न मिलने पर अपनी पत्नी को न ही स्वयं प्रताड़ित करेगा और न ही अपने घर वालों द्वारा होने देगा। जाने कैसे एक माता-पिता किसी और के माता-पिता का दर्द नहीं समझ पाते और क्यों एक पति अपनी पत्नी, जो कि उसके भरोसे अपना घर- परिवार अपना सबकुछ छोड़कर आयी है, उसका दर्द नहीं समझ पाता? चलो मान लिया किसी की भावना पीड़ा और दर्द न भी समझे मगर किसी की हत्या.. ये करने का अधिकार और साहस उनमें कहा से आता है ? हां, इसकी वजह कहीं न कहीं हमारी कानून व्यवस्था भी है। हां, अगर किसी अपराधी को उसके अपराधों की कड़ी से कड़ी सजा दी जाए तो वो सजा दूसरे अपराध करने वालों के लिए एक सबक बन सकती है। थोड़ी अजीब है पर सच्ची बात है कि हमारे देश में आज के जमाने में बेटियां पढ़ी-लिखी होने के बावजूद भी ये प्रताड़नाएं सह रही है। कभी अपने माता-पिता के लिए, कभी समाज के डर से कभी अपने पैरों पर खड़ी न होने की वजह से तो कभी ऐसा भी होता है कि वो अपनी शादी और रिश्ते को खुद बचाना चाहती है किसी भी हाल में, फिर चाहे वो हाल उसका जो भी क्यों न करे और कभी तो एक मां अपने बच्चों के खातिर भी चुपचाप सबकुछ सहती जाती है।.. आखिर कब तक और क्यों? हां अगर थोड़ा-बहुत सहन करने की बात है तो कभी-कभार करना भी पड़ता है और अपने रिश्ते बचाने के लिए करना भी जरुर चाहिए, मगर बात जब जान पर ही आ जाए तब तो आवाज उठाए और सच है कि अगर हम खुद अपने ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज नहीं उठाएंगी तो भला और कौन ही उठाएगा? जिन माता- पिता, जिन बच्चों और जिस समाज का सोचकर आप प्रताड़नाएं सह- सह कर अपनी जान तक दे देती हैं, जरा एक बार ये जरूर सोचिएगा कि आपके इस तरह इस दुनिया से चले जाने के बाद आपके बूढ़े माता-पिता और आपके छोटे-छोटे बच्चों का क्या होगा? और वो समाज वाले वो तो दो बातें करके चुप हो जाएंगे। मैंने उपरोक्त पंक्तियों में एक स्त्री होने के नाते एक स्त्री को समझाने का प्रयास किया है, क्योंकि कई बार ससुराल वाले सीधे-सीधे अपनी बहू को नहीं मार देते, बल्कि उसे इतना प्रताड़ित करते हैं कि वो स्वयं ही अपने प्राण त्याग देती है और ससुराल वाले इसे आत्महत्या का नाम दे देते हैं। तो ऐसे में मेरा उन ससुराल वालों से और उस पति से जो एक जान की कीमत नहीं समझते, यही कहना चाहूंगी कि आपके घर में भी बहन-बेटियां होंगी कृपया किसी और की बहन, बेटी की जान की कीमत भी समझिए और एक बेटी एवं एक मां होने के नाते सभी बेटियों और माताओं से निवेदन है कि अपने ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाए। कृपया अपनी जान की ऐसे लालची और निर्दयी लोगों के लिए बली तो न चढ़ाइए। और एक गुजारिश हर बेटी के माता-पिता से भी है कि अपनी बेटी को पढ़ाइए, काबिल बनाइए और साथ ही साथ उन्हें इतना प्यार और विश्वास दीजिए कि वे कभी भी कोई भी गलत कदम उठाने से पहले आप से बात जरूर करे, जी हां, ये तो सुना ही होगा कि बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ ये बिल्कुल सही बात है मगर मैं इसके साथ-साथ एक और बात कहना चाहती हूं कि अपनी बेटियों के साथ प्रेम और विश्वास के एक गहरे बंधन में बंध जाओ ताकि कोई भी बेटी इस बंधन को कभी न तोड़ पाएं और अंत में एक गुजारिश हमारी कानून व्यवस्था से भी है कि ऐसे कोई भी संगीन मामलों में अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, जिससे कि कोई इस तरह के अपराध करने से पहले सौ बार सोचें।

वैभव के लिए याद किया जाएगा आईपीएल 2026

आईपीएल 2026 भारतीय क्रिकेट इतिहास में केवल एक सफल टूर्नामेंट के रूप में दर्ज नहीं होगा, बल्कि यह एक ऐसा युवा खिलाड़ी के उदय के लिए भी याद किया जाएगा, जिसने अपनी प्रतिभा से करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया। वैभव सूर्यवंशी ने इस सत्र में जो प्रदर्शन किया उसने यह साबित कर दिया कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। उनकी उपलब्धियां केवल व्यक्तिगत सफलता की कहानी नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट में नयी पीढ़ी के आत्मविश्वास और संभावनाओं का प्रतीक भी हैं।

आईपीएल लंबे समय से युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का सबसे बड़ा मंच रहा। इस मंच ने देश को कई महान खिलाड़ी दिये हैं। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने जिस परिपक्वता और साहस का परिचय दिया, वह उनकी उम्र से कहीं अधिक बड़ा दिखायी दिया। बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाजों के सामने उनका आत्मविश्वास, तेज रन बनाने की क्षमता और दबावपूर्ण परिस्थितियों में संयम ने उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अलग पहचान दिलायी। वैभव की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल रन बनाना नहीं रही, बल्कि उन्होंने यह दिखाया कि प्रतिभा अवसर मिलने पर किस प्रकार चमक सकती है। उनकी बल्लेबाजी में तकनीक और आक्रमता का संतुलन देखने को मिला। कई मौकों पर उन्होंने अपनी टीम को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकाला और यह साबित किया कि वे केवल भविष्य के खिलाड़ी नहीं, बल्कि वर्तमान के भी महत्वपूर्ण सितारे हैं। यही कारण है कि पूरे टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन की चर्चा लगातार होती रही। आईपीएल 2026 में कई टीमों ने शानदार खेल दिखाया। कई रिकॉर्ड बने और कई यादगार मुकाबले हुए, लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की स्मृतियों में यदि कोई नाम सबसे अधिक उभरकर सामने आया तो वह वैभव सूर्यवंशी का था। सोशल मीडिया, खेल विषेशज्ञों की चर्चाओं और प्रशंसकों की प्रतिक्रियाओं ने उनकी बल्लेबाजी प्रमुख विषय बनी रही। यह लोकप्रियता केवल प्रदर्शन का परिणाम नहीं थी, बल्कि उस उम्मीद का भी प्रतीक थी, जो देश की जनता युवा खिलाड़ियों से जोड़कर देखती है। हालांकि किसी युवा खिलाड़ी को मिली अचानक प्रसिद्धि अपने साथ जिम्मेदारियां भी लेकर आती हैं। इतिहास गवाह है कि कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी शुरुआती सफलता के बाद अपेक्षाओं के बोझ तले दब गये। इसलिए आवश्यक है कि वैभव सूर्यवंशी को पर्याप्त समय, मार्गदर्शन और संतुलित वातावरण मिले। उनके लिए यह केवल शुरुआत है, मंजिल नहीं। निरंतरता ही किसी खिलाड़ी को महान बनाती है। भारतीय क्रिकेट के लिए यह गर्व की बात है कि नयी पीढ़ी के खिलाड़ी बड़े मंचों पर आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने यह संदेश दिया है कि मेहनत, समर्पण और आत्मविश्वास के बल पर उम्र की सीमाएं महत्व नहीं रखतीं। उनका प्रदर्शन देश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता है। यानि आईपीएल 2026 को केवल किसी टीम की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि वैशव सूर्यवंशी जैसी नयी प्रतिभा के उदय के लिए भी याद किया जाएगा।

अभिषेक बनर्जी के साथ हादसा कहीं ये साजिश तो नहीं

ममता बनर्जी जब सड़क पर विरोध करने उतरी थीं, तब आम जनता सीपीएम से त्रस्त व परेशानहाल थी। इसलिए लोगों का भरपूर समर्थन मिला था। अभिषेक बनर्जी जब सड़क पर उतरे तो आम जनता इन्हीं की पार्टी व सरकार से त्रस्त और परेशानहाल होकर निजात पायी थी। ऐसे में जन समर्थन तो दूर विरोध का खुद सामना करना था। सवाल अनगिनत हैं, लेकिन ये सवाल भाजपा सरकार से पहले अभिषेक बनर्जी, ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस से बनते हैं। दिन में जब अभिषेक बनर्जी बेलेघाटा गये, तब उनके साथ केवल स्थानीय विधायक कुणाल घोष मौजूद थे। कोई अन्य जनप्रतिनिधि या वरिष्ठ नेता उनके साथ नहीं दिखा। वहीं शाम को जब वे सोनारपुर पहुंचे, तब उनके साथ कोई भी नेता नहीं था। आखिर ऐसा क्यों? क्या यह महज संयोग था या इसके पीछे कोई और वजह थी? यह सवाल अब स्वाभाविक रूप से उठ रहा है।

दोपहर से ही जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नेताओं को फोन कर कार्यक्रम में मौजूद रहने का अनुरोध किया जाने लगा। लेकिन जिनसे भी संपर्क हुआ, किसी ने खुद को इलाके से बाहर बताया तो किसी ने कोई न कोई कारण बताकर किनारा कर लिया। एक नेता ने तो यहां तक सलाह दे दी कि मौजूदा माहौल को देखते हुए कार्यक्रम फिलहाल रद्द कर देना ही बेहतर होगा। कई लोगों ने कॉल फॉरवर्डिंग या कॉल डाइवर्ट का सहारा लिया, जबकि कुछ ने अपने फोन ही स्विच ऑफ कर दिये। बताया जाता है कि कई नेताओं को तो अभिषेक बनर्जी ने स्वयं भी फोन किया था। अभिषेक बनर्जी के साथ यह घटना राजपुर सोनारपुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 9 में हुई। हैरानी की बात यह है कि 35 वार्डों वाली इस नगरपालिका में तृणमूल कांग्रेस के 34 पार्षद होने के बावजूद, वार्ड नंबर 9 के स्थानीय पार्षद समेत कोई भी पार्षद घटनास्थल पर मौजूद नहीं था। केवल राजपुर सोनारपुर पंचायत समिति के सभापति बलाईचंद बारीक ही वहां उपस्थित थे। सोनारपुर दक्षिण की पूर्व विधायक लवली मित्रा की अनुपस्थिति भी कई सवाल खड़े करती है। जब तृणमूल कांग्रेस सत्ता में थी, तब अभिषेक बनर्जी के निकट खड़े होने के लिए नेताओं के बीच होड़ लगी रहती थी। ऐसे में इस घटना के दौरान उनकी गैरमौजूदगी राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गयी है। इस मामले में जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें से तीन तृणमूल कांग्रेस से जुड़े बताये जा रहे हैं। राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि ये लोग लवली मित्रा के समर्थक और कार्यकर्ता हैं।

यदि यह सही है, तो मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों और गुटबाजी से भी जुड़ा हुआ दिखायी देता है। हादसे के बाद सामने आये वीडियो और तस्वीरों के आधार पर पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए गिरफ्तारियां की हैं। उल्लेखनीय है कि इस मामले में न तो अभिषेक बनर्जी और न ही तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गयी है। दिलचस्प बात यह है कि राजपुर सोनारपुर नगरपालिका के चेयरमैन पल्लव कुमार दास ने उसी दिन अपराह्न तीन बजे पार्षदों की बैठक बुलायी थी, लेकिन अधिकांश पार्षदों की अनुपस्थिति के कारण बैठक रद्द करनी पड़ी। अभिषेक बनर्जी ने घटना के दौरान जिन लोगों से स्वयं फोन पर संपर्क किया था, उनमें स्थानीय पार्षद अनिता बसु भी शामिल थीं। उस समय अनिता बसु और उनके पति हेमंत बसु अपने घर पर ही मौजूद थे। तृणमूल नेता हेमंत बसु ने अभिषेक बनर्जी से घटनास्थल पर न आने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि इलाके का माहौल अत्यंत तनावपूर्ण है। सोनारपुर उत्तर की पूर्व विधायक फिरदौस बेगम ने भी अभिषेक बनर्जी को यही सलाह दी थी। बताया जाता है कि उनके घर के बाहर भी उस समय धरना और विरोध-प्रदर्शन चल रहा था। बहरहाल अभिषेक बनर्जी, ममता बनर्जी की तरह सड़क और विरोध की राजनीति करने उतरे थे। शायद वे यह भूल गये कि ममता बनर्जी का संघर्ष वाममोर्चा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए था और उन्होंने सत्ता से बाहर रहते हुए सड़क की लड़ाई लड़ी थी। इसके विपरीत, अभिषेक बनर्जी सत्ता से बेदखल होने के बाद सड़क पर उतरे थे।

- सत्येंद्र प्रताप सिंह

संक्षिप्त समाचार

संविदा कर्मियों के साथ मारपीट पर बिजली कर्मियों ने जताई नाराजगी, कार्रवाई की मांग

वाराणसी, एजेंसी। ।बिजली उपकेंद्र रामनगर में दो संविदा कर्मियों के साथ मारपीट को लेकर बिजली कर्मियों में नाराजगी है।विद्युत मजदूर पंचायत के पदाधिकारियों ने एसडीओ को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की मांग की।प्रांतीय अतिरिक्त महामंत्री ओपी सिंह ने बताया कि रविवार शाम 4 बजे एसडीओ रामनगर के निर्देश पर दो संविदा लाइनमैन काजू, संजय नाविक के घर बिजली व्यवस्था में गड़बड़ी देखने पहुंचे।बताया कि कर्मचारियों ने नाविक के घर बेटे की मौत की सूचना देते हुए जाने से मना कर दिया।इसके बाद भी एसडीओ ने तत्काल वहां जाने को कहा।यहां पहुंचते ही नाविक के परिवार वालों ने दोनों कर्मियों के साथ मारपीट की।उन्हें चोट आई।लोगों ने पहले रामनगर लालबहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया।यहां से डॉक्टर ने ट्रॉमा सेंटर भेज दिया।ओपी सिंह ने अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता को घटना की जानकारी देते हुए कर्मचारी के बेहतर इलाज करवाने, एसडीओ समेत सभी दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

गेल इंडिया के सुपरवाइजर पर मारपीट व धमकी देने में प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी, एजेंसी। लंका थाना क्षेत्र के जानकी नगर, सामनेघाट निवासी तथा मूलरूप से शंकरपुर, हंडिया (प्रयागराज) निवासी आशीष कुमार पांडेय की शिकायत पर गेल इंडिया के एक सुपरवाइजर अमन पांडेय के खिलाफ मारपीट, गालीगलौज, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई।आशीष कुमार पांडेय ने तहरीर में बताया कि वह गेल इंडिया की पाइपलाइन बिछाने से संबंधित ठेकेदारी करता है।आरोप है कि शनिवार को सुपरवाइजर अमन पांडेय उनके कार्यालय पहुंचे और अपने बकाया भुगतान का हिसाब करने लगे।बातचीत के दौरान अमन पांडेय ने अतिरिक्त धनराशि की मांग की।जब आशीष ने कहा कि उनका पूरा भुगतान पहले ही किया जा चुका है, तो दोनों के बीच विवाद हो गया।शिकायत के अनुसार, विवाद बढ़ने पर आरोपी ने गालीगलौज शुरू कर दी और सरिया उठाकर वार कर दिया।कार्यालय में रखा लैपटॉप, प्रिंटर और मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।थाना प्रभारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा परिणाम की तारीख हुई घोषित

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में होमगार्ड जवानों के 41,424 पदों पर भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम सितंबर में जारी होगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जवानों को सीपीआर और फर्स्ट एड की ट्रेनिंग देने का निर्देश दिया।वह रविवार को होमगार्ड संगठन की समीक्षा कर रहे थे।उन्होंने कहा कि होमगार्ड संगठन प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा जनसेवा का महत्वपूर्ण स्तंभ है।इसको अधिक सक्षम, प्रशिक्षित, तकनीकी दक्ष और आधुनिक बनाना चाहिए।पुलिस व होमगार्ड का जवान समाज का फर्स्ट रिस्पांडर होता है।किसी भी घटना में पीड़ित के पास सबसे पहले यही पहुंचते हैं, इसलिए इन्हें सीपीआर व फर्स्ट एड की अनिवार्य रूप से ट्रेनिंग दी जाए और गोल्डन ऑवर के महत्व के बारे में भी बताया जाए।बैठक में बताया गया कि 3812 होमगार्डों को आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।वहीं 1,091 स्वयंसेवकों को अग्नि बचाव तथा 425 को बाढ़ बचाव कार्यों के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।चयनित अभ्यर्थियों को पुलिस के प्रशिक्षण संस्थानों में 90 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण दिया।

भूटान से तस्करी कर बिहार लायी गयी शराब

मुजफ्फरपुर में चल रहा था 'असली से नकली' का खेल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। शराबबंदी वाले बिहार में शराब तस्कर नए-नए तरीके अपनाकर कारोबार को अंजाम देने में जुटे हैं। मुजफ्फरपुर में इस बार शराब तस्करी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां भूटान से तस्करी कर लाई गई विदेशी शराब को नामी कंपनियों के ब्रांडेड बोतलों में भरकर बाजार में खपाने की तैयारी चल रही थी। हालांकि, समय रहते उत्पाद विभाग की टीम ने छापेमारी कर इस पूरे खेल का खुलासा कर दिया।

पश्चिम बंगाल के रास्ते भूटान से आई थी बिहार : मौके से भूटान निर्मित शराब की बड़ी खेप के साथ हजारों खाली बोतलें, रैपर, ढक्कन और बारकोड बरामद किए गए हैं। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही कारोबारी फरार हो गया। उत्पाद विभाग की शुरुआती जांच में सामने आया है कि शराब की खेप भूटान से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बिहार पहुंची थी।

भूटान से मुजफ्फरपुर तक पहुंची शराब की खेप: इसके बाद अलग-अलग मार्गों से इसे मुजफ्फरपुर लाया गया, जहां इसे नकली ब्रांडेड शराब के रूप में तैयार कर बाजार में सप्लाई की योजना थी। उत्पाद विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि अहियापुर थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास एक झोपड़ी में शराब तैयार करने का अवैध काम चल रहा है।

छापेमारी से हुआ खुलासा : सूचना के आधार पर उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने छापेमारी की तो अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए। छापेमारी के दौरान टीम ने बड़ी मात्रा में शराब के कार्टन, हजारों की संख्या में खाली बोतलें, ब्रांडेड कंपनियों के रैपर, ढक्कन और शराब की बोतलों पर लगाए जाने वाले बारकोड बरामद किए। मौके से जब्त कई बोतलों पर लिखा मिला, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि शराब भूटान निर्मित थी।

नकली ब्रांड तैयार करने की थी तैयारी : जांच में सामने आया है कि भूटान से लाई गई शराब को नामी ब्रांड की बोतलों में भरकर नकली लेबल लगाए जा रहे थे। इसके जरिए शराब को महंगे दामों में बाजार में बेचने की तैयारी थी। उत्पाद विभाग को आशंका है कि यह काम किसी बड़े नेटवर्क के जरिए संचालित किया जा था। छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी मौके से फरार हो गया।

तस्कर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी : फिलहाल उत्पाद विभाग की टीम उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मामले में स्थानीय नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। उत्पाद इंस्पेक्टर दीपक कुमार सिंह ने बताया कि ''मौके से बरामद शराब भूटान निर्मित है। शराब को ब्रांडेड कंपनियों के रैपर लगाकर नकली तरीके से तैयार किया जा रहा था। टीम ने शराब की खेप, खाली बोतलें, ढक्कन, रैपर और बारकोड जब्त किए हैं। फरार कारोबारी की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।''

8वीं तक मान्यता, लेकिन 10वीं तक पढ़ाई, सेंट जोसेफ चिल्ड्रेन अकादमी बेगूसराय पर उठे बड़े सवाल

मंझौल, एजेंसी। बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर प्रखंड अंतर्गत मंझौल पंचायत-2 स्थित सेंट जोसेफ चिल्ड्रेन अकादमी एक बार फिर चर्चा में है। आरोप है कि विद्यालय को केवल आठवीं कक्षा तक की मान्यता प्राप्त है, लेकिन यहां नौवीं और दसवीं कक्षा तक की पढ़ाई कराई जा रही है। इस मामले ने अभिभावकों और स्थानीय लोगों के बीच चिंता बढ़ा दी है तथा शिक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस विद्यालय को कथित तौर पर केवल कक्षा आठ तक की संबद्धता प्राप्त है, वहां खुलेआम नौवीं और दसवीं की पढ़ाई कराई जा रही है। यदि यह आरोप सही हैं तो यह न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ भी बड़ा जोखिम माना जा सकता है।

क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि आखिर आठवीं तक मान्यता रखने वाला विद्यालय उच्च कक्षाओं का संचालन किस अनुमति के तहत कर रहा है। लोगों का सवाल है कि क्या शिक्षा विभाग को इसकी जानकारी नहीं है या शिकायतों के बावजूद मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। अभिभावकों को आशंका है कि कहीं प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा उनके बच्चों को न भुगतना पड़े।

अभिभावकों का कहना है कि वे भरोसे के साथ अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं। ऐसे में यदि मान्यता और संबद्धता से जुड़े नियमों का पालन नहीं हो रहा है, तो छात्रों की पढ़ाई और भविष्य दोनों प्रभावित हो सकते हैं। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है।स्थानीय लोगों ने विद्यालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। आरोप है कि स्कूल परिसर में कई जगह बिजली के बोर्ड क्षतिग्रस्त हैं और कुछ स्थानों पर तार खुले पड़े हैं। ऐसे हालात में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है तथा किसी भी समय दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, लोक अदालतें नहीं दे सकती हैं तलाक पर फैसला

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि लोक अदालत अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को तलाक की डिक्री देने का कोई अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि विवाह विच्छेद की डिक्री देने का क्षेत्राधिकार सिर्फ परिवार न्यायालय के पास है और लोक अदालतें समझौता कराने तक सीमित हैं, वे न्यायिक निर्णय नहीं दे सकतीं।

न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने यह फैसला उस याचिका पर दिया जिसमें एक महिला ने वर्ष 2018 में उन्नाव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से पारित आदेश को चुनौती दी थी।

पति ने इस समझौते को तलाक मानते हुए पुनर्विवाह का आधार बना लिया था। न्यायालय ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 तथा राष्टीय विधिक सेवा प्राधिकरण (लोक अदालत) विनियम 2009 के अनुसार तलाक संबंधी मामलों को लोक अदालत में निर्णय के लिए नहीं भेजा जा सकता। लोक अदालत का कार्य सिर्फ पक्षकारों के बीच समझौते का प्रयास करना है, न कि विवाद का न्यायिक निस्तारण करना।

खंडपीठ ने विधिक सेवा प्राधिकरण उन्नाव की कार्यवाही पर गंभीर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जब कानून स्वयं लोक अदालत को तलाक देने से रोकता है, तब ऐसे आदेश पारित करना अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण है। अदालत ने यह भी कहा कि समझौते में यह उल्लेख करना कि दोनों पक्ष पुनर्विवाह के लिए स्वतंत्र हैं, कानूनन अस्वीकार्य और अवैध है। मामले का निस्तारण करते हुए हाईकोर्ट ने याची महिला को कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने की स्वतंत्रता प्रदान की तथा आदेश की प्रति प्रदेश की सभी लोक अदालतों और जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को भविष्य में अनुपालन एवं मार्गदर्शन के लिए भेजने का निर्देश दिया।

पॉश इलाके में कुत्तों और बंदरों का आतंक

नालियों में बह रहा गोबर, लोगों ने गिनायी समस्याएं

बरेली, एजेंसी। बरेली के पॉश इलाके राजेंद्रनगर की नालियों में गोबर बह रहा है। लावारिस कुत्तों और बंदरों के आतंक से लोग परेशान है। कुत्तों के काटने से कई लोग जख्मी हो चुके हैं। कई बार लोगों ने नगर निगम से शिकायत की पर कोई राहत नहीं मिली। शहर के वार्ड 23 इंद्रानगर (राजेंद्रनगर ए ब्लॉक) के पार्क में आयोजित संवाद कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों ने ये परेशानी साझा कीं।

एसडी शर्मा ने बताया कि बंदर दिनभर घरों की छत पर बैठे रहते हैं या रास्ते पर चहलकदमी करते रहते हैं। बचाव के लिए लोगों ने खिड़कियों, बालकनी सहित पूरे घर को लोहे के जाल से कवर करवा रखा है। शिकायत करने पर नगर निगम के जिम्मेदार कहते हैं कि बंदर पकड़ना वन विभाग का काम है। हर ओर से निराशा मिलने पर स्थानीय लोगों ने लंगूर मंगवाया तो कुछ राहत मिली।

अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि वार्ड में घूम रहे खूंखार कुत्ते आए दिन लोगों पर हमला कर रहे हैं। गर्मी में वे और भी हिंसक हो गए हैं। आए दिन वे महिलाओं व बच्चों पर हमला कर रहे हैं। पैदल गुजर रहे लोग इनके लिए आसान शिकार होते हैं। प्रदीप तिवारी ने बताया कि अगर निगम की ओर से पार्क में ओपन जिम बनवा दिया जाए तो यहां टहलने आने वाले लोगों को राहत मिलेगी। लोग जिम के जरिये व्यायाम भी कर पाएंगे।

इलाके में संचालित हो रहीं डेयरियां

सत्य प्रकाश शुक्ला ने बताया कि इलाके में कई डेयरियां संचालित हो रही हैं। गोबर नालियों के बह रहा है, जिससे सीवर चोक हो जाता है। इससे लोगों को परेशानी होती है। कई बार स्थानीय लोग इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन चालान कर व हिदायत देकर उन्हें छोड़ दिया जाता है। लोगों का कहना है कि नियमानुसार डेयरियों को शहर के बाहर होना चाहिए, लेकिन नगर निगम क्षेत्र में 350 से अधिक डेयरियां संचालित हो रही हैं। कई जगह सफाई कर्मचारी नियमित नहीं आते। इससे कई इलाकों में झाड़ू नहीं लग पा रही है।

पार्षद बोले- लगातार करा रहे काम

पार्षद सतीश चंद्र कातिब ने कहा कि वार्ड के विकास के लिए लगातार काम किया जा रहा है। हर खंभे पर लाइटें लगी हैं। डेयरियों की समस्या के निस्तारण के लिए निगम से कई बार कहा जा चुका है।

नागरिकों ने गिनाईं समस्याएं

- वार्ड के सबसे बड़ी समस्या कुत्तों की है। कुत्तों का बधियाकरण कराकर उन्हें शहर से दूर छोड़ना चाहिए, तभी राहत मिल सकेगी।- **मुकेश पांडे**
- यहां डेयरियां अधिक हैं, जिससे नालियों में गोबर बहता है और सीवर लाइन चोक होती है। निगम को इस ओर ध्यान देना चाहिए।- **प्रसून अग्रवाल**
- वार्ड के किसी पार्क में ओपन जिम नहीं है। अगर पार्क में ओपन जिम लग जाए तो सुबह-शाम टहलने आने वालों को राहत मिलेगी।- **अमित गुप्ता**

ताजमहल में बिछड़े तीन मासूम बच्चे, 30 मिनट में पुलिस ने किया रेस्क्यू

आगरा, एजेंसी। ताजमहल के पश्चिमी गेट पर रविवार को भीड़ के चलते अलग-अलग राज्यों से आए तीन बच्चे अपने परिजन से बिछड़ गए। रोते-बिलखते बच्चों पर नजर पड़ते ही ताज सुरक्षा पुलिस की क्यूआरटी टीम ने तत्परता दिखाई और महज 30 मिनट के भीतर तीनों को ढूंढकर उनके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

मामला-1

तेलंगाना के हैदराबाद से मां सुलोचना के साथ आए 9 वर्षीय अब्बावर्तनी वर्धन पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास भीड़ में खो गए। रोते हुए बच्चे को देख पर्यटकों ने पुलिस को सूचना दी। सीसीटीवी फुटेज और रेडियो अनाउंसमेंट की मदद से पुलिस ने मात्र 20 मिनट में परिजनों को ढूंढ निकाला।

मामला-2

आगरा के फतेहपुर सीकरी के गांव सरसारेवा से आए बच्चू सिंह का 7 वर्षीय बेटा जतिन कुमार ताज देखकर बाहर निकलते समय बिछड़ गया। उप निरीक्षक शिवराज सिंह ने रोते बच्चे को ढांढस बंधाया और करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद पश्चिमी पार्किंग से उसके पिता को खोजकर बच्चा सौंपा।

मामला-3

बिहार के देवरिया, सलेमपुर से दिलीप कुमार के साथ आया 8 वर्षीय दिव्यांश नीम तिराहा बैरियर के पास भटकता मिला। प्रभारी निरीक्षक तिलकराम भाटी के निर्देशन में पुलिस ने बच्चे से मिले मोबाइल नंबर के जरिए बिहार संपर्क किया और वहां से स्थानीय ग्रुप का नंबर लेकर उनकी मां को खोज निकाला। बच्चे को सुरक्षित पाकर मां की आंखें भर आई और आगरा पुलिस का आभार व्यक्त किया।

टेंट व्यवसायी की एआई से बनायी ऐसी तस्वीर, जिसे देख वो डर गया; इसलिए फंदे पर लटक दे दी जान

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्र के नगला फकीरचंद में 26 मार्च की रात टेंट व्यवसायी का शव छत पर बनी कोठरी में फंदे से लटका मिला था। मृतक की पत्नी ने पड़ोस में रहने वाले दंपती पर ब्लैकमेलिंग, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। न्यायालय के आदेश पर थाना शाहगंज में आरोपियों पर आत्महत्या को दुष्प्रेरित करने समेत गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पीड़िता विमलेश ने बताया कि 26 मार्च की रात करीब 9:30 बजे आरोपी नीरज ने ईदगाह चौराहे पर पति नवल किशोर को रोक लिया। मोबाइल में एआई से बनी आपत्तिजनक फोटो दिखाकर एक लाख रुपये की मांग की। पति ने फोटो को फर्जी बताते हुए रुपये देने से मना कर दिया। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट की।

रात करीब 10:30 बजे नीरज अपनी पत्नी पिंकी के साथ पीड़िता के घर पहुंचा और दोनों ने मिलकर फोटो वायरल करने, अश्लीलता के मामले में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। लगातार ब्लैकमेलिंग और धमकियों से आहत होकर पति ने रात में घर की छत पर फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनके शरीर पर चोटों के निशान भी पाए गए हैं। कई बार पुलिस में शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई तो कोर्ट की शरण ली। थाना प्रभारी शाहगंज ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

लोहे के गेट में फंस गयीं लाशें, कार के अंदर खून ही खून

तीन की मौत का मंजर देख पुलिस भी कांप गयी

मेरठ, एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी। हादसा इतना भयावह था कि कार कंटेनर में पूरी तरह फंस गई और उसके परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और यूपीडा की टीम ने करीब आधे घंटे तक राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला।

पुलिस के मुताबिक राजस्थान के चूरू निवासी सोहेब पुत्र सलीम कार चला रहा था। कार में सवार सभी लोग बिहार से राजस्थान लौट रहे थे। कार में परमिला (31), पूजा कुमारी (32), राजू (35), अयांश (6) सहित कुल आठ लोग सवार थे। रविवार रात जैसे ही करीब दो बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36.700 पर पहुंचते ही तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा घुसी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार कंटेनर के पिछले हिस्से में पूरी तरह घुस गई। हादसे के बाद कंटेनर चालक करीब 50 मीटर तक कार को घसीटता हुआ ले गया। घटना की जानकारी होने पर चालक कंटेनर छोड़कर मौके से फरार हो गया।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र और यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधा मोहन द्विवेदी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य शुरू कराया।

कार में फंसे लोगों को निकालने के लिए हाइड्रा मशीन बुलानी पड़ी। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक एक महिला सहित तीन लोगों की मौके पर मौत हो चुकी थी।

हादसे में परमिला,राजू,कार चालक सोहेब ,पूजा कुमारी, अयाश गंभीर रूप से घायल हो गए।जिन्हें सीएचसी फतेहाबाद से प्राथमिकी उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा भेजा गया। वहीं पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हुई है जबकि पांच लोग घायल हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और शवों को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस फरार कंटेनर चालक की तलाश कर रही है।

महिला की हत्या के मामले में नौ साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 1 जून (भा)। दिल्ली पुलिस ने 50 लाख रुपये की बीमा पॉलिसी और संपत्ति के लिए एक महिला की हत्या के मामले में नौ साल से फरार आरोपी को बिहार के लखीसराय से गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने आज यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में अन्य आरोपी की 2018 में मृत्यु हो गयी थी। पुलिस के अनुसार चंदन कुमार (46) को 29 मई को लखीसराय से गिरफ्तार किया गया है। अपराध शाखा के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुराड़ी थाने में दर्ज हत्या के मामले में उसे 2018 में भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस ने बताया कि चंदन, अपने भाई कुंदन कुमार और अपने रिश्तेदार कमल कुमार के साथ अगस्त 2017 में अनीता देवी (43) की हत्या में कथित तौर पर शामिल था। पीड़िता कमल कुमार की बहन थी। अधिकारी ने बताया कि बुराड़ी के अजीत विहार इलाके में स्थित एक घर पर मालिकाना हक और 50 लाख रुपये की जीवन बीमा पॉलिसी हासिल करने की साजिश के तहत अनीता की हत्या की गयी। महिला ने अपने भाई कमल कुमार को बीमा पॉलिसी का लाभार्थी नामित किया था और वसीयत में अपने बेटे को संपत्ति का वारिस बनाया था। उनके मुताबिक 22 अगस्त 2017 को अजीत विहार में महिला की गला रेत कर हत्या कर दी गयी थी। शुरू में कमल ने पीड़िता के पति गिरधारी लाल पर हत्या का आरोप लगाकर जांचकर्ताओं को गुमराह करने का प्रयास किया। हालांकि छानबीन के दौरान पुलिस ने कहा कि उन्हें ऐसे सबूत मिले हैं जिनसे पता चलता है कि कमल कुमार ने कथित तौर पर अपने रिश्तेदारों चंदन और कुंदन के साथ मिलकर अपनी बहन की हत्या करने और उसके पति को इस मामले में फंसाने की साजिश रची। पुलिस ने बताया कि आजादपुर मंडी के पास क्लीनिक चलाने वाले कमल पर भारी कर्ज था। अधिकारी ने बताया कि कमल को 2017 में ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि चंदन और कुंदन तब से फरार थे।

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

सीएम सैनी ने शुरू किया राज्यव्यापी योग अभियान

गुरुग्राम, 1 जून (भा)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य में आज से 21 जून (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस) तक जिला, उपमंडल, ब्लॉक, वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम के सेक्टर-29 स्थित महाराणा प्रताप स्वर्ण जयंती पार्क (लीजर वैली) में राज्यव्यापी योग अभ्यास अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर योग को सफलतापूर्वक स्थापित किया है और आज इसे दुनिया भर के लोग अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्राचीन विधा भारत के ऋषियों और आध्यात्मिक साधकों की ओर से एक अमूल्य उपहार है, जिसने विश्व स्तर पर सम्मान और मान्यता अर्जित की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार अभियान का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद सैनी ने कहा कि योग किसी विशेष धर्म या संप्रदाय से जुड़ा नहीं है; बल्कि यह पूरी मानवता के लिए एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक विरासत है। उन्होंने याद दिलाया कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाये जाने का प्रस्ताव दिया, जिसे 177 देशों का समर्थन मिला था। परिणामस्वरूप, पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2015 को मनाया गया था। मुख्यमंत्री सैनी ने इस बात पर जोर दिया कि खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत और योग की डोज, आधा घंटा रोज जैसे संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाकर लोग स्वस्थ, ऊर्जावान और सकारात्मक जीवन जी सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्य और व्यापक पैमाने पर मनाने का निर्णय लिया है। एक बयान में यह जानकारी दी गयी है कि एक जून से 21 जून तक राज्य भर में जिला, उपमंडल, ब्लॉक, वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 21 जून को पंचकूला में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष का विषय है स्वस्थ्य वृद्धावस्था के लिए योग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली ने भले ही कई सुविधाएं प्रदान की हैं, लेकिन इसने तनाव, अनिद्रा, अस्वास्थ्यकर खानपान की आदतों और मानसिक अशांति में भी योगदान दिया है।

तमिलनाडु में सरकारी वकीलों की नियुक्ति केवल योग्यता के आधार पर होगी : कुमार

चेन्नई, 1 जून (भा)। तमिलनाडु के ऊर्जा संसाधन एवं विधि मंत्री आर. निर्मल कुमार ने आज कहा कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय सहित सभी स्तरों पर सरकारी वकीलों और विधि अधिकारियों की नियुक्ति पूरी तरह योग्यता के आधार पर कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्य उच्चतम न्यायालय और अन्य न्यायालयों द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप ही होगा। कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में इन नियुक्तियों में किसी भी प्रकार के राजनीतिक हस्तक्षेप या भ्रष्टाचार से साफ इनकार करते हुए दावा किया कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान ऐसी नियुक्तियों में कथित तौर पर कई अनियमितताएं होती थीं। विधि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार पूरी ईमानदारी के साथ और केवल योग्यता के आधार पर सरकारी वकीलों की नियुक्ति कर रही है। इस प्रक्रिया में उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। कुमार ने कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है और इसमें न कोई भेदभाव है और न ही कोई हस्तक्षेप। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के शासनकाल के दौरान कई उच्च पद कथित रूप से करोड़ों रुपये की रिश्वत देकर हासिल किये गये थे। कुमार ने कहा कि कई लोगों ने मुझे बताया है कि अतीत में अनेक उच्च पद पैसे देकर या करोड़ों रुपये की रिश्वत देकर प्राप्त किये गये। कई अयोग्य लोगों को भी केवल पैसे के बल पर नियुक्तियां मिलीं। हमारी सरकार में ऐसा नहीं होगा। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में उच्च न्यायालय में अस्थायी अधिवक्ताओं की नियुक्ति पूरी तरह योग्यता के आधार पर की जा रही है, जिसकी कई पूर्व न्यायाधीशों ने सराहना की है। मंत्री ने कहा कि कई पूर्व न्यायाधीशों ने फोन कर खुशी व्यक्त की और कहा कि लगभग 40 वर्षों बाद वे इस प्रकार की योग्यता-आधारित नियुक्तियां देख रहे हैं।

सुरक्षा कारणों से हटायी गयी मेस्सी की 70 फीट ऊंची अस्थिर प्रतिमा

कोलकाता, 1 जून (भा)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की 70 फीट ऊंची प्रतिमा को आज सुरक्षा कारणों से यहां लेक टाउन से हटा दिया गया। हालिया तूफानों के कारण प्रतिमा ढांचागत रूप से अस्थिर हो गयी थी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के अनुसार प्रतिमा को बिना किसी नुकसान के उसके चबूतरे से अलग किया गया और एक हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से ट्रक पर रखा गया।यह प्रतिमा फिलहाल पीडब्ल्यूडी की निगरानी में रहेगी। इसे दोबारा कहां स्थापित किया जाएगा, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है। हालांकि ऐसी अफवाह है कि राज्य सरकार के अंतिम फैसले के बाद इसे रवींद्र सरोवर या इको पार्क में लगाया जा सकता है। प्रतिमा को लेकर चिंताएं कुछ दिन पहले तब शुरू हुईं, जब स्थानीय लोगों ने लेक टाउन थाने को सूचित किया कि तूफान के दौरान यह प्रतिमा हिल रही थी। पुलिस और पीडब्ल्यूडी कर्मियों द्वारा किये गये निरीक्षण के बाद ठेकेदार ने प्रतिमा के बुनियादी जोड़ में खराबी की बात कही और अधिकारियों को चेतावनी दी कि यह ढांचा खतरनाक स्थिति में है और इसके गिरने का खतरा है। इस प्रतिमा का अनावरण पिछले साल दिसंबर में मेस्सी की कोलकाता यात्रा के दौरान किया गया था। इस परियोजना का नेतृत्व राज्य के पूर्व मंत्री सुजीत बोस ने किया था, जिन्हें हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नगरपालिका भर्ती घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है।

वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए केरल में नेहरू वैज्ञानिक चेतना केंद्र होंगे शुरू : सतीशन

तिरुवनंतपुरम, 1 जून (भा)। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने आज घोषणा की कि छात्रों में वैज्ञानिक सोच और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नाम पर वैज्ञानिक चेतना केंद्र शुरू करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की तर्ज पर उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करेगी। पट्टम स्थित सरकारी आदर्श कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में स्कूलों के फिर से खुलने के अवसर पर राज्य-स्तरीय प्रवेशोत्स-वम की शुरुआत करते हुए सतीशन ने कहा कि नेहरू वैज्ञानिक चेतना के महत्व पर जोर देने वाले पहले नेता थे और सरकार राज्य भर में समर्पित केंद्रों के माध्यम से उस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगी, इसलिए देश के प्रथम प्रधानमंत्री के नाम पर राज्य में वैज्ञानिक चेतना केंद्र स्थापित किये जाएंगे। उनके अनुसार सामान्य और उच्च शिक्षा दोनों क्षेत्रों में बड़े बदलाव किये जाएंगे तथा केरल वैश्विक विकास के अनुरूप शैक्षणिक संस्थानों और पाठ्यक्रमों का विकास करेगा। सतीशन ने तेजी से बदलती दुनिया के अनुरूप छात्रों को तैयार करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार को बच्चों को जानकारी के त्वरित प्रसार और अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति के इस दौर में सफल होने के लिए सक्षम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मानव बुद्धि से कहीं अधिक उन्नत बुद्धिमता (सुपर इंटेलिजेंस) की ओर बढ़ रही है। हम निरंतर परिवर्तन के दौर में जी रहे हैं और छात्रों को नवीनतम विकास के साथ खुद को लगातार अद्यतन रखना होगा। सतीशन ने कहा कि सरकार ऐसी संस्थाओं के निर्माण पर विचार कर रही है, जो न केवल विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करेंगी, बल्कि विदेशी छात्रों को भी आकर्षित करेंगी। बच्चों को केरल का सबसे बड़ा निवेश बताते हुए उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों का समर्थन मांगा और उनका आह्वान किया कि वे कम उम्र से ही बच्चों की प्रतिभा और क्षमताओं की पहचान करें और उन्हें निखारें। नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने छात्रों से मादक पदार्थों के खिलाफ दृढ़ रुख अपनाने और इनके सेवन से दूर रहने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के नये शैक्षणिक वर्ष के समारोहों का उद्घाटन करने से पहले छात्रों और शिक्षकों द्वारा आयोजन स्थल पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

बेंगलुरु में वीआईपी के लिए यातायात रोके जाने के खिलाफ व्यक्ति के प्रदर्शन के बाद जांच का आदेश

बेंगलुरु, 1 जून (भा)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद आज जांच शुरू की गयी, जिसमें कथित तौर पर यहां ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर धरने पर बैठे व्यक्ति ने दावा किया कि वीआईपी आवागमन के चलते यातायात रोके जाने की वजह से उसकी गर्भवती पत्नी वाहन में फंसी रही। पुलिस ने यह जानकारी दी। कल हुई इस घटना के बाद लोगों ने सोशल मीडिया पर आक्रोश जताया। दावा किया जा रहा है कि राज्यपाल का काफिला गुजरने के कारण ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर यातायात रोका गया था। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक उपयोगकर्ता द्वारा साझा किये गये वीडियो में एक परेशान वाहन चालक पुलिसकर्मियों के सामने सड़क पर बैठा दिखाई दिया।पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप करने पर उसने कथित तौर पर हटने से इनकार कर दिया और कहा कि उसकी गर्भवती पत्नी को तत्काल चिकित्सा की आवश्यकता है। उसने यह भी सवाल उठाया कि वीआईपी आवागमन को सार्वजनिक आपात स्थितियों पर प्राथमिकता क्यों दी जाती है। यह वीडियो राहगीरों और अन्य यात्रियों द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जिसके बाद ऑनलाइन तीखी आलोचना हुई और शहर की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर वीआईपी संस्कृति को लेकर सवाल उठाये गये तथा जनता को हो रही असुविधा पर चिंता जतायी गयी। वीडियो पोस्ट करने वाले उपयोगकर्ता ने लिखा कि ओल्ड एयरपोर्ट रोड पहले से ही अंडरपास निर्माण के कारण जाम से जूझ रहा है। आज राज्यपाल के काफिले के कारण लगभग 30 मिनट तक यातायात पूरी तरह रोक दिया गया। एक व्यक्ति अपनी गर्भवती पत्नी के साथ जाम में फंस गया। आखिर कब सार्वजनिक सुविधा को वीआईपी सुविधा के बराबर महत्व मिलेगा? यातायात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच पहले ही शुरू कर दी गयी है और तथ्यों की पुष्टि की जा रही है, जिसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बीच आईटी क्षेत्र के दिग्गज टी वी मोहनदास पाई ने पोस्ट साझा करते हुए वीआईपी संस्कृति की आलोचना की और नामित मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को टैग करते हुए वीआईपी आवागमन के दौरान यातायात रोकने की समीक्षा की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया।

पृष्ठ 1 का शेष

नलबाड़ी में आसू नेता की...

प्रेम-प्रस्ताव और कथित उत्पीड़न का मामला सामने आया है। मृदुमुद्रा की मां ने आरोप लगाया है कि कालाकुची गांव निवासी रोज अली उर्फ आसिक खान कई वर्षों से मृदुमुद्रा को प्रेम-प्रस्ताव देकर परेशान कर रहा था। आरोप है कि उसने परिवार को भी धमकियां दी थीं। परिजनों के अनुसार, प्रेम-प्रस्ताव अस्वीकार किये जाने से नाराज होकर आरोपी ने रविवार शाम मृदुमुद्रा को कथित रूप से अगवा करने की कोशिश की। माधुर्य ने इसका विरोध किया तो उन पर धारदार हथियार से हमला किया गया। आरोप है कि इसके बाद मृदुमुद्रा पर भी हमला किया गया। हालांकि पुलिस जांच पूरी होने तक इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले की जांच जारी है। घटना के बाद पूरे असम में तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली। विभिन्न छात्र संगठनों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों ने दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। टिहू विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने घटना की निंदा करते हुए दोषी को जल्द गिरफ्तार कर कठोर दंड देने की मांग की। नलबाड़ी के विधायक जयंत मल्ल बरुवा ने भी घटना पर दुख व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए चिंताजनक बताया और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा जतायी। आसू के मुख्य सलाहकार समुज्ज्वल कुमार भट्टाचार्य ने घटना को अत्यंत दुखद और निंदनीय बताते हुए निष्पक्ष जांच तथा दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। आज अखिल असम छात्र संघ (आसू) सहित कई संगठनों ने नलबाड़ी, गंगापुर, कालाकुची और अन्य क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने घटना की निष्पक्ष जांच तथा दोषी को कठोरतम दंड देने की मांग की। माधुर्य बर्मन का पार्थिव शरीर सोमवार दोपहर उनके पैतृक गांव चामता पहुंचने पर हजारों लोग अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। परिवार, मित्रों, छात्र संगठनों और स्थानीय लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। जीएमसीएच में भर्ती 17 वर्षीय मृदुमुद्रा डेका की हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार उनके सिर, चेहरे, गर्दन, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मस्तिष्क पर भी चोट के संकेत मिले हैं। उन्हें आईसीयू में रखकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार दिया जा रहा है। इस बीच मामले के मुख्य आरोपी बताये जा रहे रोज अली उर्फ आसिक खान को पुलिस ने कथित रूप से मुठभेड़ में घायल किया है। बताया जा रहा है कि वह घटना के बाद फरार था। पुलिस द्वारा की गयी कार्रवाई के बाद मामले ने और अधिक ध्यान आकर्षित किया है। हालांकि मुठभेड़ की परिस्थितियों और आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर आधिकारिक जांच और विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है। यह घटना न केवल एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि समाज में बढ़ती हिंसा और कानून-व्यवस्था को लेकर भी गंभीर प्रश्न खड़े करती है। पूरे राज्य में न्याय और निष्पक्ष जांच की मांग लगातार उठ रही है।

घटना की...

कि नगर के बीचों बीच शाम को इस तहत की घटना को अंजाम देने से पता चलता है कि राज्य में अपराधि तत्व के लोगों की मानसिकता किस तरह की है। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल आरोपी आशिक अली उर्फ रोज अली की पुलिस एनकाउंटर में हुई मौत, हमे थोड़ी राहत दी है, लेकिन पुलिस की हिरासत से हथियार छिन कर भागने की कोशिश से पता चलता है कि अपराधि तत्व किस तरह निडर है। उन्होंने सरकार से ऐसे अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं असम जातीय परिषद (एजेपी) ने भी नलबाड़ी की इस घटना की निंदा की है। एजेपी के अध्यक्ष लुरिन ज्योति गोगोई और महासचिव जगदीश भुइयां ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि एक प्रतिभावान युवक हमारे बीच से चला गया। उन्होंने इस घटना को लेकर एक बार फिर राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना एक दिन में नहीं घटती है। इस तरह के माहौल के लिए सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। गोगोई और भुइयां ने कहा कि घटना के आरोप की पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया है, लेकिन इस घटना में जितने भी लोग शामिल है, सबके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

पूर्वोत्तर के उग्रवादियों...

प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत म्यांमार का विश्वसनीय पड़ोसी, भरोसेमंद सहयोगी और संकट के समय सबसे पहले सहायता पहुंचाने वाला देश बना रहेगा। यह दृष्टिकोण भारत की पड़ोसी प्रथम, एक्ट ईस्ट और महासागर नीति के अनुरूप है। वार्ता में सुरक्षा सहयोग सबसे महत्वपूर्ण विषयों में शामिल रहा। म्यांमार के राष्ट्रपति ने भारत को आश्वासन दिया कि उनकी भूमि का उपयोग भारत विरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। यह आश्वासन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और म्यांमार के बीच लगभग सोलह सौ चालीस किलोमीटर लंबी सीमा है, जो अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम जैसे संवेदनशील पूर्वोत्तर राज्यों से जुड़ी हुई है। हम आपको बता दें कि हाल के वर्षों में म्यांमार के भीतर अस्थिरता, सशस्त्र समूहों की गतिविधियां, अवैध तस्करी और सीमा पार घुसपैठ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती रही हैं। विशेष रूप से मणिपुर में जातीय तनाव और हिंसा के बाद सीमा प्रबंधन का महत्व और बढ़ गया है। भारत और म्यांमार के बीच रक्षा सहयोग का केंद्र प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और संस्थागत विकास रहा है। विदेश सचिव ने कहा कि म्यांमार के सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों से जुड़े प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं। साथ ही दोनों देशों ने संपर्क परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। विशेष रूप से कलादान बहु माध्यम पारगमन परिवहन परियोजना को रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस परियोजना के माध्यम से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को म्यांमार के रास्ते दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ा जाएगा। इससे न केवल व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि पूर्वोत्तर भारत का रणनीतिक महत्व भी बढ़ेगा। यह परियोजना भारत की एक्ट ईस्ट नीति का प्रमुख आधार मानी जाती है। देखा जाये तो इस पूरी वार्ता का एक महत्वपूर्ण पहलू चीन के बढ़ते प्रभाव की पृष्ठभूमि भी है। दक्षिण पूर्व एशिया में चीन लगातार आर्थिक और सामरिक विस्तार कर रहा है। म्यांमार में भी चीन की बड़ी निवेश परियोजनाएं और बंदरगाह विकास योजनाएं चल रही हैं। ऐसे में भारत म्यांमार के साथ संबंधों को मजबूत कर क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना चाहता है। भारत के लिए म्यांमार केवल पड़ोसी देश नहीं बल्कि पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ने वाला सामरिक द्वार है। इसलिए नयी दिल्ली इस संबंध को आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा तीनों स्तरों पर मजबूत करने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने म्यांमार में शांति, स्थिरता और समावेशी संवाद के समर्थन की भी बात कही। भारत ने संघीय शासन व्यवस्था और आर्थिक विकास के अपने अनुभव साझा करने की पेशकश की। यह संकेत देता है कि भारत म्यांमार में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और दीर्घकालिक शांति को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए आवश्यक मानता है। हम आपको यह भी बता दें कि म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने अपनी भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल से भी महत्वपूर्ण मुलाकात की। इन बैठकों में सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में सक्रिय उग्रवादी गुटों की गतिविधियां, अवैध हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी, समुद्री सुरक्षा तथा क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। भारत ने साफ किया कि म्यांमार की स्थिरता और वहां शांति बहाली भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी हुई है। अजित डोभाल के साथ हुई बातचीत में सामरिक सहयोग, खुफिया समन्वय और सीमा पार आतंकी नेटवर्क पर निगरानी मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक में व्यापार, संपर्क परियोजनाओं, ऊर्जा सहयोग और पूर्वोत्तर भारत को दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ने वाली योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। देखा जाये तो म्यांमार के राष्ट्रपति की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब पूरा क्षेत्र भू राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, आपूर्ति श्रृंखला संकट और सुरक्षा चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। इस यात्रा ने स्पष्ट किया है कि भारत और म्यांमार अपने संबंधों को केवल पारंपरिक पड़ोसी संबंधों तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि उन्हें व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदलना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने उपराष्ट्रपति...

आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नड्डा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान असम में पार्टी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है और राज्य के चुनावों में उनकी बड़ी भूमिका रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में हुई इस मुलाकात के दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री को धन्यवाद दिया और राज्य में चलायी जा रही महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं को लागू करने के लिए उनका मार्गदर्शन लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना से लेकर प्रोटॉन बीम थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने जैसे कई बड़े कदम उठा रही है, ताकि असम को चिकित्सा पर्यटन के लिए एक पसंदीदा केंद्र बनाया जा सके। गौरतलब है कि असम सरकार इस समय स्वास्थ्य क्षेत्र के बड़े विस्तार कार्यक्रम पर काम कर रही है। इसके तहत न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है, बल्कि पूर्वोत्तर और पड़ोसी देशों के मरीजों के लिए राज्य को उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं के एक बड़े ठिकाने के रूप में विकसित करने की दीर्घकालिक रणनीति पर भी ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात कर राज्य के विकास को गति देने वाली कई बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के साथ अपनी बातचीत को एक बेहतरीन और सीखने वाला अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि गडकरी के सहयोग से असम के ढांचागत विकास को भारी फायदा हुआ है और वे राज्य की समस्याओं को सुलझाने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने असम चुनावों के दौरान मिले मार्गदर्शन के लिए भी केंद्रीय मंत्री का आभार जताया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों नेताओं ने असम में चल रहे और आने वाले कई बड़े परियोजनाओं की समीक्षा की। इनमें ब्रह्मपुत्र के नीचे बनने वाली प्रस्तावित अंडरवाटर सुरंग, काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार और राज्य भर में सड़कों की मरम्मत के काम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल कनेक्टिविटी में सुधार होगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इससे असम का पूरा ढांचागत नेटवर्क मजबूत होगा जो राज्य के दीर्घकालिक विकास में मददगार साबित होगा। इस बैठक के दौरान केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा और असम भवन की आवासीय आयुक्त कविता पद्मनाभन भी मौजूद थीं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि भारत द्वारा हाल ही में किये गये मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारतीय उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलेंगे और असम के व्यवसायों व किसानों के लिए विकास के नये रास्ते बनाएंगे। वाणिज्य भवन में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ हुई एक बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत द्वारा हस्ताक्षरित कई मुक्त व्यापार समझौते भारतीय उद्यमियों के लिए कई अवसर खोलेंगे। उन्होंने इन ऐतिहासिक समझौतों को धरातल पर उतारने और जटिल व्यापार वार्ताओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए केंद्रीय मंत्री और उनके मंत्रालय की सराहना की। मुख्यमंत्री ने लिखा कि मंत्री गोयल के साथ हुई बैठक के दौरान उन्होंने इन जटिल वार्ताओं को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए उनके मंत्रालय की तारीफ की। साथ ही इस बात पर भी चर्चा की कि असम के छोटे व्यवसायों और किसानों को इन ऐतिहासिक समझौतों से कैसे लाभ मिल सकता है। बैठक में इस बात पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया कि कैसे इन मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाकर असम के छोटे व्यवसायों और कृषि उत्पादकों के लिए बाजार तक पहुंच तथा विकास की संभावनाओं को बेहतर बनाया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विस्तारित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का लाभ राज्य के जमीनी स्तर के हितधारकों तक पहुंचना सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान असम के चाय उद्योग से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गयी, जो राज्य के प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में से एक है। मुख्यमंत्री ने अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने चाय उद्योग से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर भी बात की। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जतायी कि ये व्यापार समझौते उद्यमिता, निर्यात और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे, जिससे भारत की विकास गाथा में असम का योगदान और अधिक मजबूत होगा। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच असम में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और श्रमिकों के कल्याणकारी उपायों में सुधार करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई यह बैठक एक घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इस बातचीत की जानकारी साझा की। उन्होंने भाजपा के मार्गदर्शक सिद्धांत सेवा फर्स्ट का जिक्र करते हुए लिखा कि यह एक ऐसा दर्शन है, जो भाजपा के हर कार्यकर्ता को बांधता है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जन्मदिन के दिन सुबह का समय असम में खेल के बुनियादी ढांचे को विकसित करने और हमारे श्रमजीवियों के लिए एक बेहतर माहौल बनाने से जुड़े विभिन्न मामलों पर चर्चा करने के लिए दिया। मुख्यमंत्री के अनुसार बातचीत का मुख्य फोकस पूरे असम में खेल सुविधाओं का विस्तार करने और राज्य में श्रमिकों के लिए बेहतर अवसर तथा कल्याणकारी तंत्र बनाने के तरीके तलाशने पर था। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दीं और असम को देश का एक प्रमुख खेल गंतव्य बनाने के प्रयासों में केंद्र से निरंतर सहयोग की मांग की। उन्होंने उम्मीद जतायी कि राज्य को भारत के खेल केंद्र के रूप में विकसित करने के इस प्रयास में केंद्र का समर्थन जारी रहेगा। यह बैठक इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि असम सरकार पिछले कुछ वर्षों से खेल के बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश कर रही है। राज्य को पूर्वोत्तर और पूरे देश में एक अग्रणी खेल गंतव्य के रूप में स्थापित करने के व्यापक दृष्टिकोण के तहत लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी की जा रही है। राज्य सरकार ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि आने वाले वर्षों में असम के विकास एजेंडे में खेल सुविधाओं को मजबूत करना, युवा प्रतिभाओं को निखारना और बड़े खेल आयोजनों को आकर्षित करना एक प्रमुख भूमिका निभाएगा। हिमंत ने आज केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ एक बेहद उपयोगी बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच असम के हाइड्रोकार्बन क्षेत्र (तेल और प्राकृतिक गैस क्षेत्र) को मजबूत करने और भारत के आर्थिक विकास में इसके योगदान को बढ़ाने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने इस बैठक की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री के वैश्विक मामलों और बदलते ऊर्जा परिदृश्य से जुड़े दृष्टिकोण की सराहना की और इसे बेहद ज्ञानवर्धक बताया। बैठक में मुख्य रूप से पूरे असम में खोज गतिविधियों को बढ़ाकर राज्य की हाइड्रोकार्बन क्षमता का विस्तार करने तथा मौजूदा तेल और गैस क्षेत्रों से उत्पादन को गति देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों नेताओं ने इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए असम के समृद्ध ऊर्जा संसाधनों का किस तरह बेहतर उपयोग किया जा सकता है। गौरतलब है कि असम लंबे समय से भारत के तेल और प्राकृतिक गैस उद्योग का एक प्रमुख केंद्र रहा है और राज्य सरकार इस क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। दोनों नेताओं के बीच हुई इस ताजा बातचीत से ऊर्जा क्षेत्र में केंद्र और राज्य के बीच सहयोग और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इन बढ़े हुए प्रयासों से असम देश की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास में योगदान देने के साथ-साथ भारत की प्रगति की कहानी में एक बड़ी भूमिका निभाने में सक्षम होगा। दूसरी ओर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि केंद्रीय विद्युत, आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और शहरीकरण को रफ्तार देने के प्रयासों में अपने मंत्रालयों की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया है। कल देर रात केंद्रीय मंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई बैठक की जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि खट्टर ने असम की विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा करने के लिए अपना बहुमूल्य समय दिया। साथ ही भविष्य की योजनाएं तैयार करने के लिए अपने मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति भी सुनिश्चित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल रात 10 बजे के बाद भी केंद्रीय मंत्री ने यह सुनिश्चित किया कि उनके विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वहां मौजूद रहें, ताकि असम की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को हासिल करने के लिए एक सफल रोडमैप तैयार करने में मदद मिल सके। मुख्यमंत्री के अनुसार इस बैठक का मुख्य फोकस असम के ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने और राज्य को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए एक रोडमैप तैयार करने पर था। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि खट्टर ने असम सरकार को भरोसा दिया है कि राज्य की शहरीकरण की पहलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो शहरी बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं पर केंद्र व राज्य के बीच गहरे सहयोग का संकेत है। केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रालयों द्वारा दिया गया यह सहयोग असम को बिजली और शहरी विकास क्षेत्रों में अपने दीर्घकालिक उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करेगा। हालांकि बैठक के दौरान चर्चा में शामिल विशिष्ट परियोजनाओं या उनकी समयसीमा के संबंध में फिलहाल विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गयी है। इस बैठक में विदेश मंत्रालय के राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा भी मौजूद थे।

अंतर्राज्यिक आईपीएल...

ने कहा कि आलोक के घर से तीन सुनील भास्तर, बसंत कुमार और सत्तो राम को गिरफ्तार किया गया। सुनील भास्कर और बसंत कुमार राजस्थान का निवासी है। सत्तो राम बिहार निवासी है। इसके बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई जारी रखते हुए चार और लोगों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। डीसीपी मिश्रा ने कहा कि आलोक लंबे समय से आईपीएल सट्टेबाजी से जुड़ा हुआ है और कल आईपीएल की फाइनल मैच थी, इस मैच में बड़े पैमाने पर सट्टा लगाया गया था। साथ ही उन्होंने कहा कि आलोक के घर से एक पिस्तौल और 40 सजीव गोलियां भी बरामद किया गया है। पुलिस इस विषय की छानबीन कर रही है कि वह पिस्तौल लाइसेंसी है या अवैध? पुलिस ने चुनाव से पूर्व लाइसेंसी हथियारों को जब्त कर लिया है और अभी तक उनके मालिकों को लौटाया नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी पिस्तौल दिखाकर लोगों को डराया-धमकाया करता था।

कांग्रेस ने मुख्यमंत्री...

के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाली भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो सरकार पारदर्शिता की बात करती है, उसकी नाक के नीचे आखिर कैसे सबकी नजरों से बचकर इतने बड़े स्तर पर नियमों की अनदेखी की गयी। उन्होंने मुख्यमंत्री और विधानसभा के अधिकारियों से सीधे तौर पर पूछा है कि क्या वे इन गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर इसकी पूरी रिपोर्ट असम की जनता के सामने रखेंगे या फिर इस बार भी केवल खानापूर्ति और लीपापोती करके मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जाएगा।

वाणिज्यिक एलपीजी 42...

(वैट) जैसे स्थानीय करों के कारण दरें अलग-अलग हो सकती हैं। सरकारी सूत्रों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस कीमतें बढ़ने के बावजूद घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर रखे गये हैं, ताकि उपभोक्ताओं पर बोझ न पड़े। हाल के महीनों में 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की आपूर्ति लागत में करीब 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलती है, जिससे उन्हें सिलेंडर करीब 613 रुपये में मिलता है, जबकि इसकी आपूर्ति लागत करीब 1,200 रुपये है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रोपेन की कीमत अप्रैल में 38 प्रतिशत बढ़ गयी। इसके बावजूद भारत में घरेलू गैस की कीमतें क्षेत्र के अन्य देशों की तुलना में निचले स्तर पर बनी हुई हैं। हालांकि इस राहत की कीमत सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों को उठानी पड़ी है। वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू एलपीजी पर सरकारी तेल कंपनियों को 41,338 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था, जो 2025-26 में बढ़कर करीब 60,000 करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। सरकार ने इसका कुछ बोझ कम करने के लिए चालू वित्त वर्ष में सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों के लिए 30,000 करोड़ रुपये की सहायता राशि मंजूर की है।

नयी पार्टी बना सकते...

सकता है। मुझे नहीं लगता कि अन्नामलाई पार्टी छोड़ेंगे, क्योंकि पार्टी चलाना आसान काम नहीं है। वह विजय की तरह कोई अभिनेता नहीं हैं। चलिए इंतजार करते हैं और देखते हैं कि आगे क्या होता है।

सुमन कल्याणपुर का...

का यादगार गीत रहें *न रहें हम, महका करेंगे* गाकर दिग्गज गायिका को अंतिम विदाई दी। मंगेशकर बहनों के दबदबे वाले दौर में भी सुमन कल्याणपुर ने अपनी अलग पहचान बनाई और अपनी प्रतिभा के दम पर संगीत जगत में अमिट छाप छोड़ी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय संगीत को समृद्ध बनाने वालीं सुमन कल्याणपुर का निधन भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने हिंदी और मराठी समेत अनेक भारतीय भाषाओं में अपने मधुर गायन से लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का वज्र प्रहार : भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी

एक आरएएस सहित 20 की गई नौकरी, 332 निलंबित, 17 की पेंशन बंद

सख्त और स्पष्ट संदेश– जनता की सेवा करो, वरना घर बैठो, भ्रष्टाचार अनियमितता, और लापरवाही के खिलाफ मिशन ज़ीरो टोलरेंस

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में अब सरकारी दफ्तरों में बैठकर भ्रष्टाचार, लापरवाही मनमानी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की अब खैर नहीं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रशासनिक तंत्र को साफ और जवाबदेह बनाने के लिए भ्रष्ट एवं अकर्मण्य अधिकारियों के खिलाफ ऐसा निर्णायक अभियान छेड़ा है, जिसने नौकरशाही में हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है कि सरकारी सेवा जनसेवा के लिए है, न कि पद के दुरुपयोग, रिश्वतखोरी और मनमानी के लिए। जो अधिकारी और कर्मचारी जनता के भरोसे के साथ खिलवाड़ करेंगे, विकास कार्यों में बाधा डालेंगे या अपने कर्तव्यों से विमुख होंगे, उनके लिए सरकार में कोई स्थान नहीं है।

मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अब तक एक राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) अधिकारी सहित 20 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है, जबकि 332 अधिकारियों और कार्मिकों को निलंबित किया गया है। 17 कार्मिकों की पेंशन बंद की गई है तथा 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति जारी कर भ्रष्टाचार के आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में लाया गया है। इसके अलावा अनुशासनहीनता एवं लापरवाही के 577 मामलों की जांच जारी है, जिससे स्पष्ट है कि सरकार केवल बयानबाजी नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली कार्रवाई कर रही है।

मुख्यमंत्री के वज्रपात से इन अधिकारियों की गई नौकरी–

मुख्यमंत्री के वज्रपात के बाद सेवा से हटाए गए अधिकारियों में आरएएस नरसिंह, उपनिदेशक डॉ. पी.आर. खींची, सहायक आचार्य डॉ. सुनील व्यास, तकनीकी शिक्षा की प्रवक्ता प्रियंका दिवाकर और कृषि अधिकारी शीना लुकोश शामिल हैं। वहीं व्याख्याता अमृत लाल मीणा, सहायक आचार्य बैजयंती मीणा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार, खनिज अभियंता अनिल खिमेसरा और लेखा सेवा के नरेंद्र तंवर को सेवा से बर्खास्त किया गया है। इसी प्रकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त निदेशक सुरेंद्र सिंह एवं पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक संजय पांडे को सेवा से हटाया गया है। वहीं, पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन विकास अधिकारी (सुवाणा, भीलवाड़ा) भरत प्रकाश मेघवाल, तत्कालीन कृषि उप निदेशक (झुंझुनूं) राजेश कुमार नैनावत, तत्कालीन सहायक आयुक्त भरतपुर (वित्त कर) महावीर सिंह आसीवाल, तीन चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम मोहन सिंह चौहान (सीएचसी बिछीवाड़ा, डूंगरपुर), डॉ.

मुरलीधर शर्मा (सीएचसी रामगढ़ पचवारा, दौसा) और डॉ. मनोहर लाल (सीएचसी रामगढ़, अलवर) को सेवा से बर्खास्त किया गया है। वहीं, पीएचईडी की अलवर प्रयोगशाला के वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती और हरिसिंह मीना (तत्कालीन एपीपी, एसीजेएम-4, कोटा) को एसीबी कोर्ट द्वारा सजा सुनाये जाने के बाद नौकरी से हटाया गया है।

सेवानिवृत्ति के बाद भी कार्रवाई कर दिया सख्त संदेश–

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो अफसर जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता। सरकार ने 17 अधिकारियों को भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों में आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोक कर दण्डित किया है। उन्होंने आरएएस फतेह राय सोनी, पीटीआई फूलाराम फगेड़िया, अतिरिक्त निदेशक (खान) राकेश हीरात और आरपीएस ओमप्रकाश चंदोलिया की आजीवन पूरी पेंशन एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. निधि मेहरोत्रा की पूर्ण पेंशन एवं ग्रेच्युटी आजीवन रोककर दंडित किया है।

आजीवन पेंशन रोकने वाले अधिकारियों में बनवारी लाल मीणा, आरएएस, तत्कालीन उप सचिव (नगर विकास न्यास, अलवर), चिकित्सा विभाग के प्रमुख विशेषज्ञ डॉ. त्रिलोक चंद गगरानी, डॉ. शिवनारायण यादव, तत्कालीन वरिष्ठ चिकित्साधिकारी (सीएचसी, नीमराणा, अलवर), देवेन्द्र सिंह ढिल्लो, आरएएस, उप सचिव (नगर विकास न्यास, अलवर), मनोहर लाल सिसोदिया, तत्कालीन विकास अधिकारी (कपासन), तत्कालीन कनिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कोठारी (सीएचसी मांडलगढ, भीलवाड़ा), डॉ. कल्पना श्रीवास्तव, तत्कालीन चिकित्साधिकारी, (गंगरार-चित्तौडगढ़), नृसिंह रेबारी, तत्कालीन सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी (प्रतापगढ़), सुरेश माथुर, तत्कालीन अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी (जैसलमेर), महेन्द्र सिंह, आरपीएस, तत्कालीन वृत्ताधिकारी (सवाई माधोपुर), डॉ. लक्ष्मण दत्त शर्मा, तत्कालीन चिकित्साधिकारी (निवाई-टोंक) एवं डॉ. अविनाश कुमार शर्मा, तत्कालीन सहायक निदेशक, पशुधन विकास (बांसवाड़ा), देशराज नूनिया (तत्कालीन अधिशाषी अभियंता, आईजीएनपी मोहनगढ़, जैसलमेर) शामिल हैं। वहीं, सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता अशोक कुमार शर्मा की 3 वार्षिक वेतन वृद्धियां वापस ली गई हैं।

अभियोजन, जांच प्रक्रिया के बाद दोषियों पर गिरेगी गाज

राज्य सरकार द्वारा 577 प्रकरणों में जांच कर जिम्मेदारी तय की जा रही है। इसी प्रकार अखिल भारतीय सेवा के 9 प्रकरणों की जांच जारी है। प्रदेश में संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह सुशासन देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरुपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर लापरवाह और अनुशासनहीन अफसरों पर कार्रवाई का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। प्रदेश में पहली बार इतने स्पष्ट और कठोर शब्दों में यह चेतावनी दी गई है कि जनता को अनावश्यक चक्कर कटवाना, फाइलों को दबाकर रखना, सरकारी धन का दुरुपयोग करना और जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति अब किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं होगी। मुख्यमंत्री का संदेश साफ, सख्त और दो टूक है-जनता की सेवा करो, ईमानदारी से काम करो, अन्यथा सरकारी कुर्सी छोड़ने के लिए तैयार रहो।

सीकर में सांडों का आतंक, दो अलग-अलग घटनाओं में दो की मौत

सीकर। राजस्थान के सीकर जिले में बेसहारा सांड़ों का आतंक एक बार फिर जानलेवा साबित हुआ। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में शनिवार रात हुई दो दर्दनाक घटनाओं में एक एएनएम और एक मजदूर की सांड़ के हमले में मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति भारी नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों का कहना है कि जिले में बड़ी संख्या में गौशालाएं होने के बावजूद बेसहारा पशु खुलेआम सड़कों और बाजारों में घूम रहे हैं, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। पहली घटना सीकर जिले के रानोली गांव में हुई। जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड स्थित हनुमान कॉलोनी के पास शनिवार रात करीब 9 बजे दो सांड़ आपस में लड़ रहे थे। इसी दौरान बाइक से घर लौट रहे मुकेश कुमार उनकी चपेट में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक एक सांड़ ने मुकेश की छाती में सींग मार दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह सांड़ों को भगाया और घायल युवक को उपचार के लिए रानोली अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सीकर के एसके अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मुकेश कुमार बलाई रानोली क्षेत्र की बाणियों की ढाणी के निवासी थे और मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिजनों ने बताया कि वह परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

दूसरी घटना नेछवा थाना क्षेत्र के झाझड़ गांव में हुई। यहां सरकारी महिला कर्मचारी एवं एएनएम मधु जांगिड़ सांड़ के हमले का शिकार हो गईं। परिजनों के अनुसार मधु जांगिड़ दीपपुरा चारणान की निवासी थीं और उनकी ड्यूटी गुमानपुरा उप स्वास्थ्य केंद्र में थी। वह किसी कार्य से नेछवा गई थीं और लौटते समय झाझड़ में बस से उतरने के दौरान पीछे से आए एक सांड़ ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मधु को पहले नेछवा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें सीकर रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई।

महिलाओं को बराबरी का अवसर मिले बिना समाज की प्रगति असंभव : शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि किसी भी समाज, देश या संस्थान की वास्तविक प्रगति तब तक संभव नहीं है, जब तक महिलाओं को समान अवसर और बराबरी का दर्जा नहीं दिया जाता। देश की 'आधी आबादी' (महिलाओं) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

रविवार को चौपासनी चारणान में आयोजित स्वर्गीय चंडीदान स्मृति सवासणी स्वाध्याय एवं निःशुल्क आवासीय कोचिंग केंद्र के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि पिछले एक दशक में सामाजिक सोच और चेतना में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। आज विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम इस बात के प्रमाण हैं कि समाज की बेटियां अपनी प्रतिभा और परिश्रम के दम पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि यदि, आर्थिक या संसाधनगत अभाव के कारण किसी ग्रामीण या गरीब परिवार के प्रतिभाशाली बच्चे को आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिलता, तो यह केवल उस परिवार की नहीं, अपितु पूरे देश और समाज की क्षति है। ऐसे में, प्रतिभाओं को उचित मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध कराना सामाजिक दायित्व है।

गुजरात के संस्थान का उदाहरण देकर समझाया शिक्षा का प्रभाव

केंद्रीय मंत्री ने वर्ष 2014 का एक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि गुजरात के राजकोट में समाजसेवी राजेंद्र सिंह ने महज दो लोगों के सहयोग और एक किराए के कमरे से युवाओं को प्रशासनिक एवं पुलिस सेवाओं की तैयारी करवाने का कार्य शुरू किया था।

दौसा में भीषण सड़क हादसा : बेकाबू होकर 4 बार पलटी स्कॉर्पियो, 10 फीट गहरी खाई में गिरी

बालोतरा के युवक की मौत, 5 घायल

दौसा, एजेंसी। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर रेटा गांव के पास रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे युवकों की एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बेकाबू हो गई। गाड़ी हाईवे पर ही चार बार पलटने के बाद सड़क किनारे बनी 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। इनमें से एक की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर किया गया है। चशमदीदों के अनुसार, हादसा इतना भयानक था कि जब स्कॉर्पियो पलटना शुरू हुई, तो उसका गेट अचानक खुल गया। गेट खुलने के कारण गाड़ी में बैठे दो युवक हवा में उछलते हुए सीधे 10 फीट गहरी खाई में जा गिरे और उनके ऊपर ही पलटती हुई स्कॉर्पियो भी गिर गई। इस दुर्घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते ही हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण तुरंत मदद के लिए मौके पर दौड़े। जानकारी के मुताबिक, कार में सवार सभी लोग हनुमानगढ़ और बालोतरा के रहने वाले थे, जो दर्शन करने के बाद वापस लौट रहे थे। हादसे में बालोतरा निवासी राजपाल (22 वर्ष) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं गाड़ी में सवार अन्य युवकों की पहचान हनुमानगढ़ निवासी शिवांग, मुकुंद, साहिल, रोहित और करण सिंह के रूप में हुई है। घायलों में शामिल करण सिंह की हालत बेहद नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उसे जयपुर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही सिकंदरा थाना पुलिस तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद खाई में फंसे घायलों और मृतक के शव को बाहर निकाला।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी और केंद्रीय मंत्री मेघवाल की मुलाकात, गेटों के नामकरण जैसे नवाचारों की हुई सराहना

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और केंद्रीय विधि एवं न्याय, संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की आज सिविल लाइंस स्थित राजकीय निवास पर शिष्टाचार मुलाकात हुई। केंद्रीय मंत्री मेघवाल रविवार को अजमेर जाते समय जयपुर एयरपोर्ट से सीधे देवनानी के आवास पर पहुंचे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने केंद्रीय मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर और शाल ओढ़ाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। विधानसभा का प्रतीक चिन्ह जनमानस की सोच का प्रतिनिधित्व : मेघवाल मुलाकात के दौरान देवनानी ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल को राजस्थान विधानसभा का प्रतीक चिन्ह (लोगो) स्मृति स्वरूप भेंट किया। साथ ही अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित एक पुस्तक भी प्रति भी सौंपी। मेघवाल ने विधानसभा अध्यक्ष की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विधानसभा का यह लोगो राजस्थान के जनमानस की सोच का सटीक प्रतिनिधित्व करता है। इसमें शामिल राज्य वृक्ष खेजड़ी और विधानसभा भवन की छवियां प्रदेश की विषम परिस्थितियों में भी जीवटता से जीने वाले लोगों को दर्शाती हैं, जबकि ऊंट और गोडावण का समावेश यहाँ की समन्वय संस्कृति का परिचायक है। उन्होंने 'राष्ट्रीय धर्मनिष्ठा' ध्येय वाक्य को जनसेवा और संवैधानिक मर्यादा का आत्म-मंत्र बताया।

विधानसभा द्वारों के नामकरण को बताया ऐतिहासिक कदम : केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने विधानसभा अध्यक्ष देवनानी द्वारा किए गए नवाचारों की खुले मन से तारीफ की। उन्होंने विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण को एक ऐतिहासिक और मूल्यपरक निर्णय बताया। मेघवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विभिन्न भवनों के नामकरण करने की तर्ज पर देवनानी ने विधानसभा के द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार नाम देकर अद्भुत कार्य किया है।

उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा के बाहरी द्वारों को राजस्थान के विभिन्न अंचलों– बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा और ढूंढाड़ के नाम समर्पित करना, प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और लोक परंपराओं को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। इससे भवन में प्रवेश करने वाला हर व्यक्ति लोकतांत्रिक संस्कारों का अनुभव करेगा। विभिन्न विधिक व संसदीय मुद्दों पर हुई सार्थक चर्चा : इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच संसदीय कार्यों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में देश की न्याय व्यवस्था, विधिक सुधारों, संवैधानिक विषयों और कई समसामयिक मुद्दों पर सार्थक एवं सकारात्मक बातचीत हुई। इसके साथ ही कानून के प्रभावी क्रियान्वयन, सुशासन तथा जनहित से जुड़े विषयों पर भी दोनों के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को लेकर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत बोले, भाजपा-संघ एक्सपोज हो गए

जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने भाजपा और संघ के चरित्र को एक्सपोज कर दिया है। जयपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा कि वहां जब से चुनाव टीएमसी हारी है तब से वहां गुंडागर्दी चरम पर है। आरएसएस-भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे वाले लोग पूरी तरह एक्सपोज हो गए हैं। वहां पर गली-गली में गुंडागर्दी हो रही है, टीएमसी के कार्यालयों पर लगातार हमले हो रहे हैं, कब्जे करवाए जा रहे हैं। बंगाल के अंदर चल रही गतिविधि को पूरा देश देख रहा है तो सरकार क्यों चुप है। पुलिस सरकार बदलते ही खुद बदल जाती है और सब जानते हैं कि सत्ता में बैठी सरकार की बात माननी उनकी मजबूरी होती है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही कह दिया था कि अगर भाजपा बंगाल में घुस गई तो पूरा देश निराश होगा। मैंने यह सोच-समझकर कहा था। बंगाल की अपनी अलग संस्कृति, त्याग और बलिदान की परंपरा है-सुभाष चंद्र बोस से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर तक। भाजपा खुद नहीं घुसी बल्कि इलेक्शन कमीशन ने उसे मौका दिया है। आयोग ने वहां ढाई लाख कर्मचारी लगा दिए, जबकि पूरे देश के चुनाव में भी सिर्फ तीन लाख लगते हैं। यूपी के आईपीएस अधिकारी मोहल्लों में जाकर लोगों को धमका रहे थे जबकि उनका काम सिर्फ ऑब्जर्व करना होता है, धमकाना नहीं। चुनाव में 27 लाख लोगों को वोट देने का मौका ही नहीं मिला। इसलिए चुनाव को कुछ महीने के लिए टाल देना चाहिए था। अच्छे पत्रकार और सोशल मीडिया पर बुद्धिजीवी भी यही कह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर टिप्पणी की है। एक भी नागरिक का वोट छीनना गलत है। वोट देने का अधिकार किसी को भी नहीं छीनना चाहिए।

गहलोत ने कहा कि देश की स्थिति अब बहुत खराब हो गई है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार खुद को डबल इंजन की सरकार कहती हैं लेकिन बंगाल में वो डबल इंजन लोगों पर डबल मार के रूप में पड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनेगी तो विकास होगा लेकिन वही डबल इंजन आज गुंडागर्दी और दमन के लिए इस्तेमाल हो रहा है। पूरे देश के लोगों खासकर युवा पीढ़ी को यह समझना बहुत जरूरी है कि देश किस दिशा में जा रहा है और हमें कैसी विचारधारा अपनानी चाहिए।

अशोक सिंघवी श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा संस्था के अध्यक्ष निर्वाचित

भीलवाड़ा, एजेंसी। श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा संस्था, भीलवाड़ा के अध्यक्ष पद के लिए संपन्न हुए चुनाव में अशोक सिंघवी निर्वाचित हुए हैं । तेरापंथ नगर स्थित महाश्रमण सभागार में रविवार को आयोजित साधारण सभा की बैठक में वर्ष 2026-2028 के लिए अध्यक्ष पद के निर्वाचन हुआ । कुल 654 सदस्यों में से 568 सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया । अशोक सिंघवी ने 360 वोट प्राप्त कर जीत हासिल की । उनके प्रतिद्वंद्वी सुरेन्द्र रांका (उत्तम रांका) को 208 वोट प्राप्त हुए । निर्वाचन अधिकारी ने अशोक सिंघवी को 152 वोटों के अंतर से विजयी घोषित किया । नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक सिंघवी ने अपनी जीत का श्रेय समाजजनों के विश्वास और समर्थन को देते हुए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे संस्था की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाने, संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा देने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

राजस्व अधिकारी लंबित राजस्व प्रकरणों का यथाशीघ्र निस्तारण करें- जिला कलक्टर

भीलवाड़ा, एजेंसी। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें लंबित राजस्व प्रकरणों के निस्तारण और सार्वजनिक सेवाओं की व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई व मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर निर्देश दिए गए। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नालों की सफाई, विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था, मौसमी बीमारियों की रोकथाम और राजस्व प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए मिशन मोड पर कार्य किया जाए। साथ ही, संपर्क पोर्टल, भूमि रूपांतरण, पंजीयन, पीएम किसान योजना, भूमि आवंटन सहित विभिन्न विषयों पर प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को ठोस दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने कहा कि राजस्व अधिकारी गंभीरता के साथ राजस्व प्रकरणों का निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि राजस्व के लंबित प्रकरणों का प्रभावी तथा तय समय में निस्तारण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैठक में राजस्व से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा कर राजस्व अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अधिक समय देकर कोर्ट केस के प्रकरणों के साथ ही रेवेन्यू परिवादों के भी जल्द

निस्तारण करे तथा कन्वर्जन, नामांतरण आदि प्रकरणों को नियमित मॉनिटरिंग कर निस्तारित करें। बैठक में जिले में भू-आवंटन, भू-रूपान्तरण और नामान्तरण सहित सभी तरह के राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की, साथ ही गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना के बारे में जानकारी ली । जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीयन में दिए गए लक्ष्य के अनुरूप प्रगति लाएं। इसी के साथ सीएमओ, सीएस कार्यालय, आयोग आदि से प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समुचित कार्यवाही करें साथ ही क्षेत्र में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।जिला कलक्टर ने नगर निकाय क्षेत्र के एवं यूआईटी क्षेत्र में समय से समस्त नालों-नालियों की समुचित सफाई करने के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बरसाती पानी की निकासी को लेकर समस्या नहीं आनी चाहिए। उन्होंने किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाव के लिए सफाई के बाद नालों को वापस सही से ढकने की बात भी कही। जलभराव की समस्या ना हो, इसके लिए आवश्यक तैयारी करने, खुले चैंबर ढकने, गड्ढे भरवाने के निर्देश दिए।जिला कलक्टर संधू ने मानसून के मद्देनजर संभावित मौसमी बीमारियों की रोकथाम और जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर यहां विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि मानसून के दृष्टिगत मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए बरसाती जल का ठहराव नहीं हो, इसके मद्देनजर सीएमएचओ को जिले भर में एंटी लार्वा गतिविधियां करवाने के निर्देश दिए। अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, इंटीग्रेटेड वार्ड बनाने व स्वास्थ्य कार्मिकों को अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए।

बिजली के ढीले तारों को कसने, रख-रखाव के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के दिए निर्देश -जिला कलेक्टर ने विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान मानसून को देखते हुए विभाग के द्वारा किए जाने वाले रख-रखाव के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए पूर्व से ही उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। पीएचईडी के अधिकारी से पेयजल सप्लाई दुरुस्त रखने की बात कही। साथ ही संबंधित अधिकारीयों को पानी की सप्लाई वाले फीडर की विद्युत सप्लाई निर्बाध रखने ले लिए निर्देशित किया।

पूरे आईपीएल में रहा हमारा दबदबा : पाटीदार

अहमदाबाद, 1 जून (भा)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना दूसरा खिताब उस दिन जीता जब कप्तान रजत पाटीदार अपना 33वां जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन इस सुखद संयोग से भी कहीं अधिक वह प्रतियोगिता में अपनी टीम के शुरू से अंत तक के दबदबे से खुश थे। आरसीबी ने पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन किया। उसने अपने पहले मैच में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को बुरी तरह हराया और अब नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। पाटीदार ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा कि ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल बहुत दबाव था। इस साल टूर्नामेंट में हमारे प्रदर्शन की वजह से माहौल काफी शांत रहा। मुझे लगता है कि हमने न सिर्फ अच्छा खेल दिखाया, बल्कि इस साल हमने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा था कि अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हम निश्चित रूप से दूसरा खिताब जीतने में सफल रहेंगे। पाटीदार ने इसके साथ ही अन्य टीम को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी टीम लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि यह सबसे अच्छा उपहार है क्योंकि आज (रविवार) मेरा जन्मदिन है। कुल मिलाकर अच्छा

लग रहा है, लेकिन मैं वर्तमान में जीने की कोशिश करता हूं। हमें इस बात पर अधिक ध्यान देना होगा कि हम लगातार तीसरी (खिताबी) जीत कैसे हासिल कर सकते हैं। पाटीदार ने आरसीबी की इस जीत में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में अहम भूमिका निभायी। मध्य प्रदेश के इस क्रिकेटर ने कहा कि कैसे उन्होंने चुपचाप आरसीबी का नेतृत्व किया, जो उनके पूर्ववर्ती कप्तानों विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी की आक्रामक शैली से बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा कि कप्तानी का मेरा तरीका अलग है। मैं ज्यादा खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करता, लेकिन साथ ही खेल की स्थिति से भी पूरी तरह वाकिफ रहता हूं। मुझे प्रबंधन और खिलाड़ियों दोनों का भरपूर समर्थन मिला। पाटीदार ने इस सत्र में 501 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट 192.69 रहा। उन्होंने कहा कि मैं समझता हूं कि बल्लेबाजी में मैं खुद को कितना समय दे रहा हूं क्योंकि अपनी बल्लेबाजी को समझना महत्वपूर्ण है। आईपीएल से पहले मैंने नेट पर पर्याप्त अभ्यास किया था। पाटीदार ने कहा कि मैंने (आरसीबी के मार्गदर्शक) डीके भाई (दिनेश कार्तिक) से इस बारे में काफी बातचीत की कि मैं और बेहतर कैसे कर सकता हूं, जैसे कुछ तकनीकी बदलाव। मैंने टीम से जुड़ने के बाद भी कड़ी मेहनत जारी रखी। इससे एक बल्लेबाज के रूप में मुझे काफी स्पष्टता मिली। पाटीदार ने लगातार दूसरे साल खिताब जीतने में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के योगदान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि मेरे पास उनके योगदान को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। विराट कोहली कड़ी मेहनत करने वाले खिलाड़ी हैं। वह एक महान खिलाड़ी हैं। मैदान पर और मैदान के बाहर हम सभी को उनसे सीखने का अवसर मिलता है। पाटीदार ने कहा कि हम नाश्ते के दौरान काफी समय साथ में बिताते हैं। हम उनसे क्रिकेट या मैदान के बाहर की हर बात सीखने की कोशिश करते हैं। वे खिलाड़ियों से मिलते हैं और क्रिकेट के बारे में खूब बातें करते हैं। यह बहुत बढ़िया है।

कई बार फाइनल में विजयी शॉट लगाने का देखा था सपना : कोहली

अहमदाबाद, 1 जून (भा)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 75 रन की पारी खेल कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाने वाले विराट कोहली ने कहा कि विजयी रन बनाने का ख्याल अक्सर उनके मन में आता था। कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान के खिलाफ शानदार छक्का लगाकर टीम को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया। उन्होंने पुरस्कार समारोह में कहा कि यह वही पल है, जिसका हर खिलाड़ी सपना देखता है। मैंने कई बार इस क्षण की कल्पना की थी, खासकर विजयी रन बनाने की। बल्लेबाजी के लिए उतरते समय मैं पूरी तरह सहज था। हमारी टीम का संयोजन ऐसा है, जो किसी भी परिस्थिति से बाहर निकलने का भरोसा देता है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय उन्हें अपनी भूमिका और रणनीति पूरी तरह स्पष्ट थी। कोहली ने कहा कि मुझे पता था कि रन-चेज में क्या करना है। युवा खिलाड़ियों की मौजूदगी आपको लगातार अपने खेल में सुधार करने और नई चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रेरित करती है। अपने आईपीएल करियर के सबसे तेज अर्द्धशतक (25 गेंद) पर उन्होंने कहा कि यह आपको लगातार बेहतर करने का लक्ष्य देता है। मुझे अपने खेल में बहुत बड़ा बदलाव नहीं करना था बल्कि सोच बदलनी थी। गेंदबाजों पर दबाव बनाकर अतिरिक्त रन जुटाने की जरूरत थी।

कोहली ने कहा कि टीम का पहला लक्ष्य अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करना था। उन्होंने कहा कि एक बार हम शीर्ष पर पहुंच गये तो हमारे सामने कौन-सी टीम है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम सभी टीमों का सम्मान करते हैं और किसी को उकसाने में विश्वास नहीं रखते। हमारे पास अनुभवी और परिपक्व पेशेवर खिलाड़ी हैं और बड़े मुकाबलों में यही अनुभव काम आता है। उन्होंने कहा कि बड़े अवसरों पर बड़े खिलाड़ियों को आगे आकर जिम्मेदारी निभानी होती है। मुझे पता था कि लक्ष्य का पीछा करते समय विपक्षी टीम मुझे जल्दी आउट करने की कोशिश करेगी, लेकिन मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा था।

आयरलैंड श्रृंखला के लिए टीम में वैभव को मिले जगह : प्रसाद

नयी दिल्ली, 1 जून (भा)। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने वैभव सूर्यवंशी को अति प्रतिभाशाली और टी20 क्रिकेट में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि इस महीने के आखिर में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। प्रसाद ने कहा कि वह केवल असाधारण प्रतिभा ही नहीं हैं। वह टी20 क्रिकेट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्हें तुरंत ही भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। भारत ए के साथ श्रीलंका दौरे के बाद उन्हें आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में चुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें भारत की सीनियर टीम में चुना जा सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह श्रीलंका में भारत ए की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्हें इंतजार करवाने का कोई मतलब नहीं होगा। वह जल्द ही भारत के लिए खेलेंगे और लंबे समय तक खेलते रहेंगे। प्रसाद ने इसके साथ ही कहा कि सूर्यवंशी अभी केवल 15 साल के हैं और उनको अच्छी तरह से संभालना बेहद जरूरी है। प्रसाद ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें कुछ समय के लिए (वीवीएस) लक्ष्मण या (राहुल) द्रविड़ के मार्गदर्शन में रहना चाहिए। वे ही ऐसे लोग हैं, जो उन्हें विनम्र बनाये रख सकते हैं। इस स्तर पर उनके करियर को सही दिशा देने के लिए यह जरूरी है।

दबाव वाली स्थितियों में खेलना और स्थिति के अनुसार खेल को बदलना सीखा : सूर्यवंशी

अहमदाबाद, 1 जून (भा)। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी रिकॉर्ड बल्लेबाजी से आईपीएल 2026 में धूम मचा दी, लेकिन 15 साल की इस बल्लेबाजी सनसनी का कहना है कि उन्होंने मैच की परिस्थितियों के हिसाब से अपनी बल्लेबाजी का तरीका अपनाया, दबाव में शांत रहना और चोट से बचने के लिए अपनी फिटनेस पर काम करना भी सीखा है। हालांकि उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स, क्वालिफायर दो में बाद में उप विजेता बनी गुजरात टाइटंस से हारकर फाइनल में जगह नहीं बना सकी। लेकिन इस बायें हाथ के बल्लेबाज को टूर्नामेंट का मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुना गया। सूर्यवंशी ने 16 पारियों में 48.50 के औसत और 237.30 के शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाकर बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। रविवार को यहां फाइनल के बाद अपना पुरस्कार लेते हुए 15 साल के इस खिलाड़ी ने कहा कि इस सत्र में मैंने सीखा कि दबाव वाले मैच में कैसे

खेलना है, अपने गेम को कैसे बनाना है। उन्होंने कहा कि आप हर मैच एक ही तरीके से नहीं खेल सकते। आपको गेम की स्थिति को समझाएगा और टीम की जरूरतों के हिसाब से खेलना होगा। मुझे प्लेऑफ मैचों में भी यह बहुत कुछ सीखने को मिला। सूर्यवंशी ने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के एक सत्र में सबसे ज्यादा छक्कों (59) के पिछले आईपीएल रिकॉर्ड को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मैं बस अपने गेम पर भरोसा करने की कोशिश करता हूं और अगर मुझे लगता है कि मैं इस गेंद पर शॉट लगा सकता हूं तो मैं पूरी ताकत लगा देता हूं और उसी तरह खेलने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं लंबे समय तक खेलना चाहता हूं और मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा और इस पर ध्यान देना होगा।

वंडर कीड को राष्ट्रीय टीम में किया जाए शामिल : मदन लाल

नयी दिल्ली, 1 जून (भा)। विश्व कप 1983 विजेता मदन लाल का कहना है कि युवा सनसनी *वंडर कीड* वैभव सूर्यवंशी के पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और सुनील गावस्कर जैसी प्रतिभा और सोच है और वह चाहते हैं कि इस 15 साल के खिलाड़ी को जल्द से जल्द राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाए। हालांकि लाल ने कहा कि अगर सूर्यवंशी को तेंदुलकर जैसे दिग्गजों की श्रेणी में शामिल होना है तो उन्हें टेस्ट क्रिकेट में भी खुद को साबित करना होगा। मदन लाल ने आज कहा कि वह (सूर्यवंशी) बहुत प्रतिभाशाली है। सच में उसके पास सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, कपिल देव और सुनील गावस्कर जैसी भगवान की दी हुई प्रतिभा और सोच है। इस पूर्व आल राउंडर ने कहा कि ऐसे खिलाड़ी सदी में एक बार आते हैं। लेकिन उनकी तरह महान बनने के लिए, उसे टेस्ट क्रिकेट में भी खुद को साबित करना होगा। आयरलैंड के खिलाफ, भारत ए और तीन दिवसीय मैचों में खेलने से वह भारतीय क्रिकेट के मुख्य ढांचे में अच्छी तरह से ढल जाएगा। लाल ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय में सूर्यवंशी भारत के मौजूदा शीर्ष तीन बल्लेबाजों की तरह ही बेहतरीन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें डर है कि सूर्यवंशी की वजह से कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी भी अभिषेक, संजू और ईशान जितने ही बेहतरीन हैं। लेकिन ये खिलाड़ी खुद को साबित कर चुके हैं जबकि सूर्यवंशी को अभी उस स्तर पर खुद को साबित करना बाकी है। लाल ने कहा कि कोई भी सूर्यवंशी जैसी बल्लेबाजी नहीं कर सकता।

कोर टीम को एक साथ रखना आरसीबी के लिए फायदेमंद रहा : हेजलवुड

अहमदाबाद, 1 जून (भा)। जोश हेजलवुड का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के रविवार को यहां लगातार दो आईपीएल खिताब जीतने में टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखने की रणनीति काम आयी जबकि उनके तेज गेंदबाज साथी भुवनेश्वर कुमार ने इस सफलता का श्रेय टीम की बेहतरीन योजना को दिया। विराट कोहली की नाबाद 75 रन की पारी से आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराया। आरसीबी ने 156 रन का लक्ष्य 12 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। मैच के बाद हेजलवुड ने कहा कि मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी ने टीम को बहुत अच्छे से तैयार किया है। सहयोगी स्टाफ भी बहुत बढ़िया है। जब हर तीन साल में टीमें बदलती हैं तो इतनी जल्दी ऐसा माहौल बनाना मुश्किल होता है। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने कहा कि यह (खिताब) सबसे ऊपर है। पिछले साल हमें अपनी पहली जीत के लिए काफी इंतजार करना पड़ा था। इस बार टीम के साथ ज्यादा सहज महसूस किया। पिछले साल जीत के साथ ही हमारे ऊपर से दबाव हट गया था। हम पूरे टूर्नामेंट में शांत और संयमित रहे। किसी न किसी खिलाड़ी ने हर बार आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली। हमने 10 बार मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इस सत्र में भुवनेश्वर कुमार के शानदार प्रदर्शन पर हेजलवुड ने कहा कि मुझे कोई ऐसा मैच याद नहीं आता, जिसमें उन्होंने 35 से ज्यादा रन दिये हों। उन्होंने विकेट भी लिए, जिससे हम निश्चिंत होकर खेल पाये। यह बहुत अच्छा रहा। वहीं इस सत्र में 28 विकेट लेने वाले भुवनेश्वर ने कहा कि ट्रॉफी सबसे ज्यादा अहमियत रखती है। मैं इसके लिए पर्पल कैप भी छोड़ सकता हूं। यह सत्र बहुत अच्छा रहा। इसके लिए हमने पहले से ही काफी योजना बनायी थी। उन्होंने कहा कि जब आप विकेट लेते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है। किसी बड़े मैच में उतरते समय, पिछली जीतें आपको आत्मविश्वास देती हैं।

अगर 180 से 190 रन का स्कोर बनाते तो यह अच्छा मैच होता : गिल

अहमदाबाद, 1 जून (भा)। गुजरात टाइटंस के निराश कप्तान शुभमन गिल ने माना कि शुरुआती विकेट गिरने से उन्हें कोई लय नहीं मिल पायी क्योंकि 180 से 190 रन का स्कोर उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जैसी जबर्दस्त टीम के खिलाफ लड़ने का मौका देता। लेकिन आरसीबी ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग फाइनल में दो ओवर बाकी रहते उन्हें आसानी से हरा दिया। कप्तान गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर शीर्ष तीन बल्लेबाजों में से कोई भी 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। इससे गुजरात टाइटंस आठ विकेट पर महज 155 रन ही बना पायी। विराट कोहली की नाबाद 75 रन की पारी से आरसीबी ने 18 ओवर में जीत पक्की कर दी। निराश गिल ने मैच के बाद कहा कि अगर हम 180-190 रन बना लेते तो यह एक अच्छा मैच होता। शायद पिच

थोड़ी दो-तरफा व्यवहार करती, लेकिन बहुत ज्यादा नहीं। तेज गेंदबाजों के लिए शुरुआत में थोड़ा मूवमेंट था। हमने शुरुआती विकेट गंवा दिये और कभी लय हासिल नहीं कर पाये। पावरप्ले के अंदर ही कोहली और वेंकटेश अय्यर ने 62 रन ठोक दिये, जिससे गुजरात टाइटंस की वापसी की उम्मीदें लगभग खत्म ही हो गयी। उन्होंने कहा कि हमें लगा था कि अगर हम पावरप्ले में एक दो विकेट ले लेते, तो हम मैच में बने रहते। हमने 15-20 रन ज्यादा दे दिये और पावरप्ले में ही वे हमसे आगे निकल गये। उन्होंने कहा कि हम सबसे बेहतरीन गेंदबाजी करने वाली टीमों में से एक थे। शुरुआती दो मैच हारने के बाद हमने जोरदार वापसी की। बहुत खुश हूं। हम लगातार खुद को चुनौती देते रहे और बेहतर बनाते रहे। हम जीत की मंजिल तक नहीं पहुंच पाये, लेकिन अगर हम ट्रॉफी जीत भी जाते, तब भी सुधार की गुंजाइश तो रहती ही।

हमने पर्याप्त स्कोर का गलत अनुमान लगाया : सोलंकी

अहमदाबाद, 1 जून (भा)। गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने स्वीकार किया कि उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच पर पर्याप्त स्कोर का गलत अनुमान लगाया, जिसके कारण उसे आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर आठ विकेट पर 155 रन बनाये। आरसीबी ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल करके लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब अपने नाम किया। सोलंकी ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुझे लगता है कि हमने उस पिच पर पर्याप्त स्कोर का अनुमान लगाने में थोड़ी सी गलती कर दी। मुझे नहीं लगता कि उस पिच पर 200 से अधिक रन बनाये जा सकते थे। उन्होंने कहा कि अगर हम लगभग 180 रन बना लेते तो मेरा मानना है कि उनके लिए उस लक्ष्य का पीछा करना चुनौतीपूर्ण होता। मुझे लगता है कि हम शायद 20-25 रन से पीछे रह गये, लेकिन खिलाड़ियों ने जिस तरह का जज्बा दिखाया, उससे मैच अंत तक रोमांचक बना रहा। सोलंकी ने कहा कि हमारे पास भी आरसीबी के सामने चुनौती पेश करने के मौके आये, लेकिन आज उनकी टीम बेहतर थी और मुझे लगता है कि बात बस इतनी सी है। गुजरात टाइटंस के लिए पिछले कुछ दिन काफी व्यस्त रहे।

उसने धर्मशाला में आरसीबी के खिलाफ पहला क्वालीफायर खेला। इस मैच में हार के बाद उसे राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरा क्वालीफायर खेलने के लिए मुल्लांपुर आना पड़ा। इसके बाद खराब मौसम के कारण उनकी टीम शनिवार की शाम को ही यहां पहुंच पायी थी। सोलंकी ने हालांकि इसके बावजूद स्वीकार किया कि आरसीबी जीत की हकदार थी। उन्होंने कहा कि जहां तक हमारे अभियान की बात है तो एक टीम के रूप में हमें अपनी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम एक कदम और आगे जाना चाहते थे।

आत्मविश्वास से लबरेज सात्विक-चिराग की नजर इंडोनेशिया में दूसरे खिताब पर

जकार्ता, 1 जून (भा)। सिंगापुर ओपन में लंबे समय से चले आ रहे खिताबी इंतजार को समाप्त करने के बाद आत्मविश्वास से भरपूर भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अब मंगलवार से शुरू हो रहे थाईलैंड ओपन सुपर 1000 में लगातार दूसरा खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी। पूर्व विश्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को प्रतियोगिता में चौथी वरीयता मिली है। अपने पहले मुकाबले में उनका सामना मलेशिया के कांग खाई शिंग और आरोन ताई की जोड़ी से होगा। सात्विक और चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद

शोहिबुल फिकरीको पुरुष युगल फाइनल में हराकर अपना पहला सिंगापुर ओपन खिताब जीता था। यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए इसलिए भी ऐतिहासिक रही क्योंकि वे सिंगापुर ओपन में युगल वर्ग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। उल्लेखनीय है कि सिंगापुर ओपन से पहले उनका पिछला खिताब 2024 का थाईलैंड ओपन ही था। इसके बाद वे चार बार फाइनल में पहुंचे, लेकिन हर बार उपविजेता रहना पड़ा। पुरुष युगल में भारत की दूसरी जोड़ी एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरूणान का मुकाबला मलेशिया के नूर मोहद अजरीन आयुब अजरीन और तान वी कियोंग से होगा। यदि दोनों भारतीय जोड़ियां अपने-अपने शुरुआती मुकाबले जीतती हैं तो दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं। महिला एकल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी। सिंधू सिंगापुर ओपन में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में मालविका बंसोड़ का सामना थाईलैंड की सातवीं वरीय पोर्नपावी चोचुवोंग से होगा।

इंग्लैंड से तीसरा टी20 आज, श्रृंखला जीतने के लिए बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

टांटन, 1 जून (भा)। भारतीय टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार को यहां तीसरे और निर्णायक महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले में उतरेगी तो उसे दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसी भरोसेमंद बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि टीम अपने मध्यक्रम की समस्याओं का समाधान तलाश सके। भारतीय टीम ने इस श्रृंखला का विजयी आगाज किया था, लेकिन इंग्लैंड ने दूसरा टी20 मुकाबला जीतकर शानदार वापसी की। इस महीने 12 जून से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप से पहले दोनों टीमें जीत के साथ अपना आत्मविश्वास बढ़ाना चाहेंगी। भारतीय टीम के लिए यह श्रृंखला आगामी विश्व कप से पहले इंग्लैंड की परिस्थितियों में अपने सर्वश्रेष्ठ संयोजन को परखने का भी महत्वपूर्ण अवसर है। चोट से वापसी कर रहीं यास्तिका भाटिया ने पहले टी20 में अर्द्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन दूसरे मैच में वह तेजी से रन बनाने में नाकाम रहीं और 33 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड आउट हो गयी। जेमिमा रोड्रिग्स ने भी एक अर्द्धशतक लगाया जबकि स्मृति मंधाना और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने दूसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी। दोनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम अंतिम पांच ओवरों में अपनी लय बनाये रखने में असफल रही। विशेष रूप से बड़े शॉट खेलने के लिए जानी जाने वाली ऋचा घोष अभी तक अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ सकी हैं। पहले मैच में यास्तिका और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने सात विकेट पर 188 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था।

नव्यम निहान बोरा ने जीता रजत पदक

गुवाहाटी, 1 जून (ख.सं.)। असम के उभरते हुए युवा स्केटर नव्यम निहान बोरा ने वैश्विक खेल पटल पर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गति स्केटिंग प्रतियोगिता 2026 में नव्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में नव्यम ने भारतीय दल का प्रतिनिधित्व किया था, जहां भारत के अलावा सिंगापुर, मलेशिया, म्यांमार और मेजबान इंडोनेशिया जैसे कई देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। नव्यम ने अपनी बेहतरीन खेल कुशलता और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए बुनियादी इनलाइन स्केटिंग बालक वर्ग-सी के तहत 400 मीटर की गति दौड़ में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक पर कब्जा जमाया। इस ऐतिहासिक पदक को जीतने

के साथ-साथ नव्यम ने प्रतियोगिता की अन्य स्पर्धाओं में भी बेहद सराहनीय प्रदर्शन किया। वह महज कुछ सेकंड के मामूली अंतर से 300 मीटर दौड़ के अंतिम दौर में जगह बनाने से चूक गए, जबकि 500 मीटर दौड़ में उन्होंने शानदार खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इसके अलावा उन्होंने दो अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ मिलकर 1800 मीटर की अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक रिले स्पर्धा में भी भाग लिया। भारतीय टीम ने इस दौड़ को पूरा तो किया, लेकिन अंतिम समय के बेहद करीबी अंतर के कारण वे पदक तालिका में स्थान बनाने से थोड़ा दूर रह गए। इससे पहले इसी वर्ष जनवरी में चेन्नई में आयोजित 25वीं राष्ट्रीय गति स्केटिंग प्रतियोगिता में वे विजेता बनकर उभरे थे, जिसने उन्हें देश के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों की कतार में खड़ा कर दिया था। पदक जीतने के साथ-साथ इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता ने नव्यम को वैश्विक मंच पर एक बेहतरीन अनुभव भी प्रदान किया है, जिससे उन्हें क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं को और निखारने का मौका मिला।

ईरान युद्ध के बीच जापान में बड़ा उलटफेर, टोयोटा की नंबर 1 की कुर्सी गई

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान की कंपनी टोयोटा दुनिया में सबसे ज्यादा गाड़ियां बनाती है। लेकिन अब यह जापान की सबसे वैल्यूएबल कंपनी नही रह गई है। सॉफ्टबैंक ग्रुप और उससे आगे निकल चुकी हैं। एआई शेयरों में तेजी के दम पर टेक्नोलॉजी ग्रुप के शेयरों में आज करीब 14 फीसदी आई और इसके साथ ही यह देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई। दूसरी ओर टोयोटा के शेयरों

में गिरावट आई है। मासायोशी सन की अगुवाई वाले सॉफ्टबैंक ग्रुप ने ओपनएआई और एसबी एनर्जी कॉर्प निवेश किया है। ये दोनों कंपनियां अमेरिका में लिस्टिंग की तैयारी कर रही हैं। इस कारण सॉफ्टबैंक के शेयरों में तेजी आई है। इस साल कंपनी का शेयर 80 फीसदी से ज्यादा उछला है और कंपनी का मार्केट कैप करीब 304 अरब डॉलर पहुंच गया है। दूसरी ओर टोयोटा का शेयर इस साल 10 फीसदी गिरा है और उसका मार्केट कैप 247.56 अरब डॉलर रह गया है। शेयरों में भी आज करीब 11 फीसदी तेजी आई है और इसका मार्केट कैप 249.82 अरब डॉलर पहुंच गया है। सॉफ्टबैंक करीब दो दशक में पहली बार टोयोटा से आगे निकली है। साल 2000 में इंटरनेट बबल के दौरान में वह कुछ समय के लिए टोयोटा से आगे निकली थी। हाल में चीन की गाड़ियों ने इंटरनेशनल लेवल पर जापान की ऑटो कंपनियों को कड़ी टक्कर दी है। साथ ही निवेशकों का रुख भी तेजी से एआई शेयरों की तरफ हुआ है। सॉफ्टबैंक दुनिया की 48वीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। आज की तेजी से इसकी रैंकिंग 13 स्थान सुधरी है। दूसरी तरफ टोयोटा एक स्थान फिसलकर 70वें नंबर पर फिसल चुकी है। इस लिस्ट में टॉप 10 कंपनियों में आठ अमेरिका की है। टॉप 100 में जापान की चार और चीन की 11 कंपनियां हैं।

लंबी छुट्टी के बजाए जेन जी को छोटी यात्राएं पसंद : एयरबीएनबी रिपोर्ट

गुवाहाटी, 1 जून। भारत की जेन-जी पीढ़ी यात्रा के पारंपरिक तौर-तरीकों को बदल रही है। साल में एक लंबी छुट्टी के बजाय, अब यह पीढ़ी अपनी पसंद और अचानक बनने वाले प्लान के अनुसार यात्राओं को तरजीह दे रही है। एयरबीएनबी की नयी रिपोर्ट नेवर द सेम: द न्यू रूल्स ऑफ जेन जी ट्रेवल इन इंडिया के अनुसार जेन जी के लिए यात्रा केवल घूमने-फिरने का साधन नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन चुकी है। एयरबीएनबी के भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के कंट्री हेड अमनप्रीत बजाज ने कहा कि जेन जी के लिए यात्रा जितनी नयी जगहों और अनुभवों को खोजने का माध्यम है, उतनी ही खुद को अभिव्यक्त करने का भी जरिया है। यही बात उन्हें सबसे अधिक सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से यात्रा करने वाला यात्री वर्ग बनाती है। इस पीढ़ी की खासियत यह नहीं है कि वे कितनी बार यात्रा करते हैं, बल्कि यह है कि वे यात्रा क्यों करते हैं ताकि वे खुद को और बेहतर ढंग से महसूस कर सकें। एयरबीएनबी पर हम देख रहे हैं कि इस पीढ़ी के लिए यात्रा उनके जीवन के सबसे व्यक्तिगत फैसलों में से एक बन गयी है। वे कहां जाते हैं, किसके साथ जाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण, कहां ठहरते हैं, इन सभी विकल्पों के जरिए वे अपनी पहचान व्यक्त करते हैं। एयरबीएनबी इसी बदलती सोच और यात्रा शैली के अनुरूप बना है। यह बदलाव भारत को नये नजरिये से देखने, समझने और खोजने के अवसरों का एक नया अध्याय खोल रहा है। कई दशकों तक भारतीयों के लिए छुट्टियों का मतलब साल में एक बड़ी यात्रा हुआ करता था, जिसकी योजना महीनों पहले बनायी जाती थी और जिसके लिए पहले से बचत की जाती थी। लेकिन जेन जी ने इस परंपरागत सोच को पूरी तरह बदल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 10 में से 7 जेन जी यात्री साल में एक लंबी छुट्टी की बजाय तीन छोटी यात्राएं करना पसंद करते हैं, जबकि 87 फीसदी एक सप्ताह से कम अवधि की यात्राओं को प्राथमिकता देते हैं। गर्मियों के दौरान भारतीय जेन जी द्वारा की गयी खोजों में साल-दर-साल 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गयी वहीं, 2 से 6 रातों की छोटी यात्राएं सबसे तेजी से बढ़ने वाला ट्रैवल फॉर्मेट बनकर उभरी हैं, जिनमें घरेलू यात्राओं के लिए लगभग 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गयी है।

'आइस किंग' के कारोबार की दिलचस्प कहानी

भारत के रईसों के लिए अमेरिका से आती थी बर्फ

नई दिल्ली, एजेंसी। रेफ्रिजरेटर आम होने से बहुत पहले भारत अमेरिका से बर्फ मंगाता था। अमेरिका के न्यू इंग्लैंड के तालाबों से निकाली गई जमी बर्फ के बड़े-बड़े टुकड़े भारत में आयात किए जाते थे। यहां तक बोस्टन के एक कारोबारी ने इस व्यापार से भारत में करोड़ों की कमाई की। उन्हें 'आइस किंग' के नाम से जाना जाता था। लगभग चार दशकों तक भारत के अमीर लोग अपने ड्रिंक्स को ठंडा करने और बीमारों का इलाज करने के लिए न्यू इंग्लैंड से जहाजों से लाई गई सर्दियों में जमी हुई बर्फ के टुकड़ों का इस्तेमाल करते थे। यह एक बड़ा लॉजिस्टिकल कारनामा था। इसमें 16,000 मील से ज्यादा का सफर तय करना, भूमध्य रेखा को दो बार पार करना और समंदर में चार महीने का थका देने वाला सफर शामिल था। 1800 के दशक की यह सबसे दिलचस्प वैश्विक व्यापार कहानियों में से एक बन गया।

कारोबारी जमशेदजी जीजीभोय को इस बात का श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने ही सबसे पहले मुंबई की एक डिनर पार्टी में अमेरिकी बर्फ का इस्तेमाल करके आइसक्रीम परोसी थी।

बर्फ बहुत जल्द ही सिर्फ एक विलासिता की चीज से बदलकर एक बेहद जरूरी चिकित्सीय साधन बन गई। औपनिवेशिक डॉक्टर इसे तेज बुखार कम करने, हैजा का इलाज करने और सर्जरी के दौरान सुन्न करने वाले एनेस्थीसिया के तौर पर इस्तेमाल करने की सलाह देते थे।

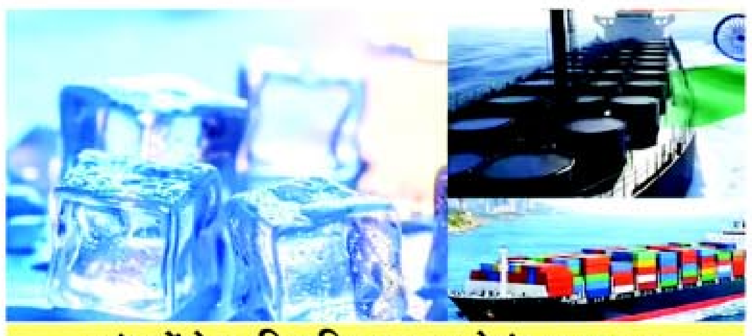

आंकड़ों से समझिए कितना फायदेमंद था व्यापार

यह व्यापार इतना फायदेमंद था कि बोस्टन के एक कारोबारी फ्रेडरिक ट्यूडर ने सिर्फ कलकत्ता (अब कोलकाता) के बाजार से ही दो दशकों में लगभग 2,20,000 डॉलर का शुद्ध मुनाफा कमाया। यह आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। फ्रेडरिक को बाद में 'आइस किंग' के नाम से जाना गया।

__भारत अमेरिका से क्यों इंपोर्ट करता था बर्फ :__ आधुनिक मैकेनिकल रेफ्रिजरेशन से पहले भारत जैसे उष्णकटिबंधीय औपनिवेशिक देश में अच्छी क्वालिटी की बर्फ मिलना बहुत मुश्किल और महंगा काम था। यह व्यापार पर्यावरण, औपनिवेशिक और चिकित्सीय कारणों के एक अनोखे मेल की वजह से खूब फला-फूला।

__स्थानीय विकल्पों की कमी :__ जहां मुगल ऐतिहासिक रूप से घोड़ों पर लादकर हिमालय से बर्फ नीचे लाते थे। वहीं अंग्रेजों को यह प्रक्रिया लॉजिस्टिकल तौर पर बहुत थका देने वाली और महंगी लगी। स्थानीय बर्फ को 'हुगली आइस' के नाम से जाना जाता था। सर्दियों की ठंडी रातों में वह उथले गड्ढों में वाष्पीकरण की प्रक्रिया से बड़ी मेहनत से बनाई जाती थी। हालांकि, यह बर्फ पतली, गीली, कंकड़-पत्थरों से भरी होती थी। पीने या खाने के बिल्कुल लायक नहीं होती थी।

__प्योरिटी और लग्जरी की डिमांड :__ अंग्रेज औपनिवेशिक अफसर और अमीर भारतीय अपने देश जैसी चीजों और विलासिता के लिए तरसते थे। उन्हें खाना ताजा रखने, आयातित वाइन को ठंडा करने और आइसक्रीम बनाने के लिए एकदम साफ, ठोस बर्फ के टुकड़ों की जरूरत होती थी।

आंकड़ों से समझिए कितना फायदेमंद था व्यापार

यह व्यापार इतना फायदेमंद था कि बोस्टन के एक कारोबारी फ्रेडरिक ट्यूडर ने सिर्फ कलकत्ता (अब कोलकाता) के बाजार से ही दो दशकों में लगभग 2,20,000 डॉलर का शुद्ध मुनाफा कमाया। यह आज के हिसाब से 56 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है। फ्रेडरिक को बाद में 'आइस किंग' के नाम से जाना गया। अपने चरम पर इस अनोखे कारोबार ने पूरे एशिया और ऑस्ट्रेलिया में 3,53,000 टन से ज्यादा अमेरिकी बर्फ पहुंचाई। भारत की कठोर जलवायु में यूरोपीय आबादी को जिंदा और स्वस्थ रखने के लिए इसे एक बेहद जरूरी चीज माना जाता था। पैमाने पर बर्फ को सुरक्षित रखने की कला में महारत हासिल कर ली थी। उन्होंने वाल्डेन तालाब जैसे ताजे पानी के स्रोतों से बर्फ निकाली। घोड़ों से चलने वाले बर्फ के हल का इस्तेमाल करके उसे एक जैसे, आपस में जुड़ने वाले टुकड़ों में काटा। फिर उन्हें जहाजों के अंदरूनी हिस्सों में कसकर पैक किया।

कच्चे तेल की कीमत में फिर तेजी लेकिन दिल्ली में पेट्रोल 102 तो डीजल 95 से ऊपर

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध को शुरू हुए तीन महीने हो गए हैं। इतने दिनों में ही दुनिया भर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के लिए त्राहिमाम् मच गया है।

लेकिन अभी भी मामला सुलझता नहीं दिखता है। तभी तो सोमवार की सुबह ब्रेंट क्रूड के दाम में 1.95 फीसदी की तेजी दिखी। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी सोमवार, 1 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा दिए हैं। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

डीजल की कीमत क्या है

सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है। ईरान युद्ध को शुरू हुए तीन महीने हो चुके हैं। लेकिन अभी तक यह खत्म नहीं हुआ है। पिछले सप्ताह अमन की आशा दिखी थी इसलिए उस हफ्ते क्रूड ऑयल की कीमत में भारी गिरावट आई थी। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम तो 11 फीसदी घट गए थे। लेकिन आज फिर इसमें तेजी दिखी है।

टाटा संस में चंद्रा की फिर से नियुक्ति पर 'ग्रहण', खफा है नोएल टाटा

कई अहम मुद्दे अब भी नहीं सुलझे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन की फिर से नियुक्ति का मामला अटक गया है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते हुई टाटा संस की बोर्ड मीटिंग के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस के बोर्ड को बताया कि कई अहम मुद्दे अब भी नहीं सुलझे हैं। ऐसे में एन चंद्रशेखरन की फिर से टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर नियुक्ति पर कोई भी चर्चा जल्दबाजी होगी। सूत्रों ने आशंका जताई है कि इससे चंद्रशेखरन और टाटा के बीच गतिरोध पैदा हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक नोएल टाटा ने ग्रुप के पांच साल के स्ट्रैटजिक रोडमैड के बारे में चंद्रशेखरन से ज्यादा डिटेल देने को कहा है। साथ ही शापूरजी पलौंजी ग्रुप को बाहर करने के विकल्प और टाटा संस की लिस्टिंग के बारे में उनके रुख के बारे में भी पूछा गया है। एयर इंडिया और बिगबास्केट जैसी कंपनियों के परफॉरमेंस के साथ-साथ गवर्नेंस के मुद्दे पर भी टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच तनातनी चल रही है। सूत्रों का कहना है कि 26 मई को हुई बोर्ड की बैठक के अंत में कुछ डायरेक्टर्स ने पूछा कि क्या अगली बैठक में चंद्रशेखरन की तीसरी बार नियुक्ति के मामले पर अगली बैठक में चर्चा होगी। इस पर नोएल टाटा ने कहा कि अभी इस पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि अभी कई मुद्दे अनसुलझे हैं और इन पर आगे काम करने की जरूरत है। इस मीटिंग में एयर इंडिया, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा डिजिटल के चीफ एग्जीक्यूटिव्स ने अपने बिजनेस से बारे में प्रजेंटेशन दी। सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया और

बिगबास्केट के बारे में नोएल टाटा को व्यापक जानकारी दी गई। टाटा ने 24 फरवरी को हुई टाटा संस की बोर्ड मीटिंग में कुछ गंभीर सवाल उठाए थे। उस बैठक में चंद्रशेखरन को तीसरा कार्यकाल देने पर चर्चा को स्थगित कर दिया गया था। टाटा के सवालों का जवाब देने के लिए चंद्रशेखरन ने 26 मई को स्पेशल बोर्ड मीटिंग बुलाई थी। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है। एसपी ग्रुप की भी इसमें 18 फीसदी हिस्सेदारी है जिसे बेचकर वह अपना कर्ज चुकाना चाहता है। नोएल टाटा ने एयर इंडिया और बिगबास्केट को हो रहे घाटे पर चिंता जताई थी और इसे दुरुस्त करने को कहा था। टाटा संस की अगली बैठक 12 जून को होनी है जिसमें सालाना अकाउंट्स पर चर्चा होगी। इस बारे में टाटा संस और नोएल टाटा ने कोई टिप्पणी नहीं की।

नौकरी का ऑफर ठुकराया तो लोग बोले- बेवकूफ, फिर किस्मत ने लिया टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। इमैनुएल जॉन तमिलनाडु के रहने वाले हैं। उनकी जिंदगी में लगातार ट्विस्ट और टर्न आते रहे हैं। बेंगलुरु में कभी 10,000 रुपये की इंटर्नशिप और मैगी खाकर गुजारा करने वाले इमैनुएल आज सफल स्टार्टअप कंपनी के मालिक हैं। इसका नाम 'टेकस टेक्नोलॉजीज' है। आइए, यहां इमैनुएल जॉन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2018 की बात है। कॉलेज से पास आउट होने के बाद इमैनुएल जॉन ने एक ऐसा फैसला लिया जिसने सबको हैरान किया। उनके पास एक सर्विस बेस्ड कंपनी से 25,000 रुपये महीने का अच्छा ऑफर था। लेकिन, उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

मैगी खाकर गुजारे दिन, शेयर किया फ्लैट: उनके शुरुआती दिन संघर्षों से भरे थे। 10,000 रुपये की मामूली सैलरी में बेंगलुरु जैसे शहर में गुजारा करना आसान नहीं था। उन्होंने तीन दूसरे दोस्तों के साथ फ्लैट शेयर किया।

पैसों की तंगी के कारण वह अक्सर मैगी खाकर दिन काटते थे। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई। 2019 में उसी कंपनी ने उन्हें 25,000 रुपये महीने पर फुल-टाइम जॉब दे दी। फिर उनकी सैलरी में लगातार इजाफा हुआ। साल 2020 में यह बढ़कर 35,000 रुपये हो गई। 2021 में 45,000 महीना।

इमैनुएल के करियर में बड़ा टर्निंग पॉइंट साल 2021 के बाद के हिस्से में आया। तब उन्होंने एक नई नौकरी जॉइन की जहां उनकी सैलरी 80,000 रुपये हो गई। लेकिन, वह यहीं नहीं रुके। नौकरी के साथ उन्होंने रात के समय 4-5 महीने तक ब्लॉकचेन जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी सीखने में बिताए। इस नई स्किल के बूते साल 2022 तक उनकी मासिक कमाई सीधे 3,50,000 रुपये महीने पहुंच गई। उन्होंने करीब डेढ़ साल तक वर्क फ्रॉम होम किया। इसी दौरान साइड प्रोजेक्ट के रूप में अपनी कंपनी की नींव रखनी शुरू की। साल 2024 में इमैनुएल ने कर्मचारी से फाउंडर बनने का बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी। तमिलनाडु में अपने स्टार्टअप 'टेकस टेक्नोलॉजीज' पर पूरा फोकस किया। आज उनकी कंपनी में 9 लोग काम कर रहे हैं। भारत के साथ यूरोप और अमेरिका में भी उनके क्लाइंट्स हैं। कंपनी पिछले 6 महीनों से लगातार रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज कर रही है।

10,000 रुपये की चुनी इंटर्नशिप

इसके बजाय इमैनुएल ने बेंगलुरु के एक स्टार्टअप में सिर्फ 10,000 रुपये महीने की इंटर्नशिप चुनी। लोगों ने उनके इस फैसले को बेवकूफी भरा बताया। लेकिन, इमैनुएल का तर्क साफ था। उन्हें छह महीने ट्रेनिंग में बर्बाद करने के बजाय पहले ही दिन से असली कोडिंग सीखनी थी। करियर की शुरुआत में ही आर्थिक सुरक्षा को छोड़ देना अक्सर लोगों को हैरान कर देता है। छोटी-मोटी सहूलियतों के बजाय दूर की सोच ज्यादा मायने रखती थी।

सिलेंडर और गाड़ियां महंगी, पीआई, पैन और आधार के बदल गए नियम

नईदिल्ली, एजेंसी। जून का महीना अपना साथ कई नए बदलाव लेकर आया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में लगातार सातवीं बार बढ़ोतरी की गई है। साथ ही हवाई यात्रा भी आज से महंगी हो सकती है क्योंकि एयर इंडिया और इंडिगो ने फ्लाइट्स की संख्या में कटौती करने की घोषणा की है। इससे अलावा यूपीआई पेमेंट, आधार और पैन से जुड़े नियमों में आज से बदलाव हो रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह

53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है।

एटीएम निकासी: इसके अलावा, अब यूपीआई-आधारित कार्डलेस एटीएम निकासी को भी बैंक की मासिक मुफ्त निकासी सीमा में शामिल किया जाएगा। यदि ग्राहक निर्धारित मुफ्त लेनदेन की सीमा पार कर लेते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। यह नियम डेबिट कार्ड से की जाने वाली एटीएम निकासी की तरह ही लागू होगा। निर्धारित समयसीमा चूकने पर प्रति माह 1 प्रतिशत ब्याज का जुर्माना लग सकता है। इसके अलावा, इस महीने की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक होगी, जो 3 से 5 जून के बीच होने वाली है। बाजार इस बात पर बंटे हुए हैं कि क्या केंद्रीय बैंक रेपो दर में बदलाव करेगा, लेकिन मुद्रास्फीति, आर्थिक विकास और तरलता की स्थिति पर आरबीआई की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होगी। भविष्य में ब्याज दरों में कटौती या वृद्धि के किसी भी संकेत का असर आने वाले महीनों में होम लोन की ईएमआई, फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले रिटर्न और कुल उधार लागत पर पड़ सकता है।

विंडफॉल टैक्स में कटौती: सरकार ने फ्यूल एक्सपोर्ट पर विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। पेट्रोल, डीजल और एटीएफ यानी विमान ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में कमी की गई है। यह व्यवस्था 1 जून यानी आज से शुरू हो गई है। पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 3 रुपये से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

यूपीए पेमेंट का नियम

1 जून से यूपीआई ट्रांजैक्शन से जुड़े नियम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अगर आप जिस किसी को भी पैसे यूपीआई से ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा। माना जा रहा है कि नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने यूपीआई से होने वाले फ्रॉड को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया है। इसमें क्यूआर कोड स्कैन करते ही या मोबाइल नंबर डालते ही आपको सही व्यक्ति के बारे में पता चल जाएगा। करदाताओं के लिए 15 जून एक महत्वपूर्ण तारीख होगी। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अग्रिम कर (एडवांस टैक्स) की पहली किस्त इसी दिन तक जमा करनी होगी। जिन लोगों की कुल टैक्स देनदारी 10,000 रुपए से अधिक है, उन्हें 15 जून तक अपने अनुमानित टैक्स का 15 प्रतिशत भुगतान करना होगा।

रेलवे को 69,000 रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना देना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलवे की प्रीमियम ट्रेन राजधानी एक्सप्रेस भी चार घंटे की देरी से दिल्ली पहुंचे तो क्या कहेंगे। कोटा के एक दंपत्ति ने इस ट्रेन से दिल्ली आने का टिकट बुक कराया था। ट्रेन के अतिशय देरी से चलने की वजह से उनकी केरल जाने वाली फ्लाइट छूट गई। उन्हें अगले दिन का टिकट भारी कीमत देकर लेना पड़ा। यात्री ने न्याय के लिए जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया जहां से उनके पक्ष में फैसला हुआ। रेलवे ने इसकी अपील स्टेट कंज्यूमर फोरम में की। वहां से भी रेलवे को हार मिली। अब रेलवे को 69,000 रुपये से भी ज्यादा का हर्जाना देना होगा।

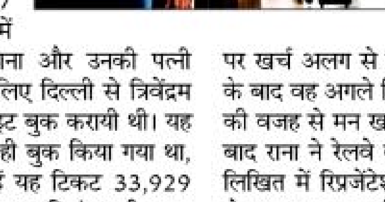

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक यह वाकया है 17 दिसंबर 2017 का है। कोटा में रहने वाले अनिल कुमार राना और उनकी पत्नी अनीता राना ने उस दिन के लिए दिल्ली से त्रिवेंद्रम रूट पर एयर इंडिया की फ्लाइट बुक करायी थी। यह टिकट 9 नवंबर 2017 को ही बुक किया गया था, इसलिए सस्ती पड़ी थी। उन्हें यह टिकट 33,929 रुपये की पड़ी थी। इसके बाद 17 दिसंबर की सुबह कोटा से दिल्ली आने के लिए रेलवे की प्रीमियम ट्रेन नंबर 12431, राजधानी एक्सप्रेस में टिकट बुक कराया।

राजधानी एक्सप्रेस को कोटा से सुबह 6.55 बजे रवाना होकर दोपहर 12.40 बजे दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन में पहुंचना था। उसी दिन दिल्ली हवाई अड्डे से उनकी शाम 6.05 बजे की फ्लाइट थी। मतलब कि उनके पास पर्याप्त समय था। लेकिन यह ट्रेन चार घंटे से भी ज्यादा देरी से, शाम में 4.50 बजे निजामुद्दीन पहुंची। ट्रेन से उतर कर वे जब तक हवाई अड्डा पहुंचे, उनकी फ्लाइट जा चुकी थी।

प्लेन मिस होने के बाद कपल को रात एयरपोर्ट पर गुजारनी पड़ी। अगले दिन का उन्होंने टिकट बुक कराया जो कि 72,930 रुपये का पड़ा। मानसिक परेशानी हुई, होटल पर खर्च अलग से करना पड़ा। इतना सबकुछ करने के बाद वह अगले दिन केरल पहुंचे तो, लेकिन रेलवे की वजह से मन खट्टा हो गया। कोटा वापस आने के बाद राना ने रेलवे को मार्च और सितंबर 2018 में लिखित में रिप्रजेंटेशन दिया। उसमें रेलवे की वजह से हुए नुकसान की भरपाई की मांग की गई थी। लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली।

स्व. महावीर प्रसाद बजाज : एक संघ साधक

मनोज बजाज

कुछ व्यक्तित्व केवल अपने परिवार या समाज तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने विचारों, संस्कारों और कर्मों से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। स्वर्गीय महावीर प्रसाद बजाज ऐसे ही विरले व्यक्तित्वों में से एक थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र, समाज, संगठन और मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित कर दिया।

राजस्थान के रामगढ़ (शेखावाटी) में 1 जून 1944 को जन्मे स्वर्गीय महावीर प्रसाद बजाज जी बचपन से ही सरल, अनुशासित, कुशाग्र बुद्धि और शांत स्वभाव के थे। परिवार में सबसे छोटे होने के कारण सभी के अत्यंत प्रिय थे। प्रारंभिक शिक्षा रामगढ़ में हुई और आगे चलकर उन्होंने हायर सेकेंडरी परीक्षा में पूरे राजस्थान में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने वाणिज्य संकाय से बी.कॉम. की पढ़ाई पूरी की।

उनके व्यक्तित्व और जीवन मूल्यों पर बड़े भाई ब्रह्मलीन राधेश्याम जी के संस्कारों और राष्ट्रभक्ति का गहरा प्रभाव रहा। इसी प्रेरणा से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े और जीवन के अंतिम क्षण तक संघ के एक समर्पित स्वयंसेवक बने रहे। विद्यार्थी जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया। उसी समय उन्होंने प्रचारक जीवन अपनाने का निश्चय किया, लेकिन माताजी की इच्छा का सम्मान करते हुए विवाह का निर्णय लिया।

वर्ष 1965 में उनका विवाह पुष्पा देवी जी के साथ हुआ और इसके बाद उन्होंने अपने पारिवारिक दायित्वों के साथ समाजसेवा को भी उतनी ही निष्ठा से निभाया।

कुछ समय भरतपुर में रहने के बाद 1970 में वे असम के ऐतिहासिक नगर तिनसुकिया पहुंचे। यहीं से उन्होंने अपने कर्मक्षेत्र को नई दिशा दी। उद्योग जगत में मेहनत, ईमानदारी और सादगी से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई, लेकिन वे केवल एक सफल व्यवसायी नहीं थेवे समाज और संगठन के लिए समर्पित कर्मयोगी भी थे।

तिनसुकिया में उन्होंने युवाओं को जोड़ने, समाज में जागरूकता फैलाने और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 1983 में वरिष्ठ प्रचारक स्वर्गीय चंद्रभूषण जी के मार्गदर्शन में विश्व हिंदू परिषद तिनसुकिया की स्थापना में उनकी प्रमुख भूमिका रही। वे परिषद के सचिव और बाद में अध्यक्ष भी बने। सेवा कार्यों में उनका योगदान सदैव अग्रणी रहा। जन्मभूमि अयोध्या में श्रीराम शिला पूजन, रथ यात्रा और राष्ट्रहित के अनेक अभियानों में वे सक्रिय रूप से जुड़े रहे।

गौ-संरक्षण उनके जीवन का विशेष विषय रहा। उन्होंने भारतीय गौ संरक्षण संवर्धन परिषद पूर्वोत्तर के माध्यम से गोवंश संरक्षण और नस्ल सुधार के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। इसके अलावा रक्तदान अभियान, हरि सत्संग समिति, पूर्वांचल जनकल्याण परिषद और भारतीय मजदूर संघ जैसे अनेक सामाजिक संगठनों से जुड़कर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाया।

आपातकाल के दौरान भी उनका समर्पण कम नहीं हुआ। कठिन परिस्थितियों में भी वे लगातार सक्रिय रहेरातों में पर्चे तैयार करना, उनका वितरण करना और संगठन को जीवंत बनाए रखना उनकी कार्यशैली का हिस्सा था। उनके लिए संघ केवल संगठन नहीं था, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा था। उनकी सादगी और सिद्धांतों के प्रति निष्ठा जीवनभर अटूट रही। सीमित संसाधनों में रहते हुए भी उन्होंने कभी अपने संस्कारों और ईमानदारी से समझौता नहीं किया।

एक बार किसी मित्र ने उनसे पूछा कि पढ़ाई में इतने मेधावी होने के बावजूद वे अधिक धन क्यों नहीं कमा पाए, तो उन्होंने मुस्कुराकर उत्तर दिया, इतना मिल गया कि परिवार का पालन-पोषण और बच्चों की शिक्षा सम्मानपूर्वक हो सके, यही पर्याप्त है। उनका मानना था कि मान-सम्मान और अतिरिक्त लाभ एक साथ नहीं लिए जा सकते। यही विचार उनके चरित्र और मूल्यों की सबसे बड़ी पहचान रहे।

जीवन के अंतिम वर्षों में उन्हें फेफड़ों के कैंसर का पता चला। आधुनिक चिकित्सा के कई प्रयासों के बावजूद उन्होंने अद्भुत मानसिक शक्ति और धैर्य बनाए रखा। बीमारी के दौरान भी कभी शिकायत नहीं की। अंततः 1 मार्च 2023 को 78 वर्ष की आयु में तिनसुकिया में उन्होंने अंतिम सांस ली।

स्वर्गीय महावीर प्रसाद बजाज जी का जीवन सादगी, राष्ट्रभक्ति, संगठन निष्ठा और सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि व्यक्ति का वास्तविक वैभव धन-संपत्ति नहीं, बल्कि उसके संस्कार, त्याग और समाज के प्रति समर्पण होता है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

स्वर्गीय महावीर प्रसाद बजाज ने उद्योग जगत में मेहनत, ईमानदारी और सादगी से अपनी अलग पहचान बनायी, लेकिन वे केवल एक सफल व्यवसायी नहीं थे, वे समाज और संगठन के लिए समर्पित कर्मयोगी भी थे। तिनसुकिया में उन्होंने युवाओं को जोड़ने, समाज में जागरूकता फैलाने और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

देखो हंस न देना.....

क्लास में पिंकी को सब बुआ-बुआ कहते थे, एक दिन इसकी शिकायत उसने अपनी टीचर से कर दी।

टीचर ने सब लड़कों से पूछा : जो पिंकी को बुआ कहते हैं, वो सभी खड़े हो जाएं।

एक लड़के को छोड़ के सभी के सभी खड़े हो गए।

टीचर ने पूछा : क्या तुम इसको बुआ नहीं कहते हो?

लड़का : मैम में तो फूफाजी हूं।

रणबीर में हर तरह के रोल करने की क्षमता : इम्तियाज अली

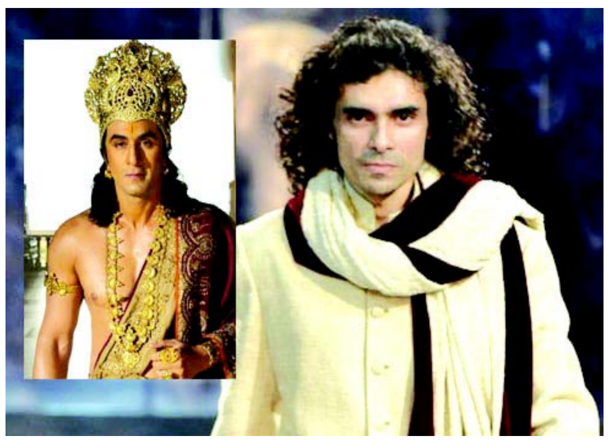

डायरेक्टर नितेश तिवारी की फिल्म *रामायण* में रणबीर कपूर के भगवान राम का किरदार निभाने पर फिल्ममेकर इम्तियाज अली ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। रणबीर के साथ *रॉकस्टार* और *तमाशा* जैसी फिल्मों में काम कर चुके इम्तियाज ने फिल्मबीट को दिए इंटरव्यू में रणबीर की तारीफ की।

उन्होंने कहा कि रणबीर एक प्योर एक्टर हैं और वे पर्दे पर कुछ भी कर सकते हैं। इम्तियाज के मुताबिक, भगवान राम का किरदार निभाना खुद रणबीर के लिए भी काफी फायदेमंद रहेगा, क्योंकि वे जिस भी किरदार को निभाते हैं, उससे बहुत कुछ सीखते हैं।

रणबीर में हर तरह के रोल करने की क्षमता इम्तियाज अली से पूछा गया था कि क्या उन्होंने कभी सोचा था कि *एनिमल* जैसी फिल्म करने वाले रणबीर कपूर *रामायण* में भगवान राम का रोल करेंगे?

इस पर इम्तियाज ने कहा, रणबीर एक एक्टर के तौर पर कुछ भी कर सकते हैं। उन्हें अलग-अलग तरह के रोल करने चाहिए। जब वे कोई नया रोल करते हैं, तो वे पूरी तरह उसी में ढल जाते हैं। मैं बहुत खुश हूं कि वे भगवान राम का रोल कर रहे हैं क्योंकि वे इस किरदार में एक असलियत और असर लेकर आएंगे। भगवान राम के किरदार को मानवीय और पर्सनल तरीके से देखना काफी अच्छा होगा।

इस रोल से रणबीर की जिंदगी होगी समृद्ध इम्तियाज ने आगे कहा कि वे रणबीर को स्क्रीन पर श्री राम के रूप में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं।

दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, *जिगरा* में *मेथड एक्टिंग* को लेकर फैली अफवाहों पर वेदांग रैना ने दी प्रतिक्रिया

वेदांग रैना जल्द ही इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा में नजर आएंग। अभिनेता इन दिनों फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के साथ अपनी फिल्म *जिगरा* को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म में मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी और इनके पीछे की सच्चाई से रू-ब-रू कराया।

हाल ही में बातचीत में वेदांग से उनकी पिछली फिल्म *जिगरा* की तैयारी के दौरान उनके मेथड एक्टिंग को लेकर फैली अफवाहों के बारे में पूछा गया। *जिगरा* के एक सीन की तैयारी के दौरान खुद को आठ दिनों तक कमरे में बंद रखने की अफवाहों पर जवाब देते हुए वेदांग ने कहा कि ये दावे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं और सेट पर जो हुआ उससे बिल्कुल अलग हैं।

ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिनेता ने स्पष्ट किया कि एक दिन शूटिंग के दौरान एक बेहद चुनौतीपूर्ण दिन था। अपनी एक्टिंग प्रोसेस को समझने के दौरान वेदांग ने खुद को अपनी वैनिटी वैन में अलग कर लिया, बत्तियां बंद कर दीं। इस दौरान सीन के लिए जरूरी इमोशनली कंडीशन में पहुंचने के लिए कुछ समय के लिए किसी से बातचीत भी नहीं की। हालांकि, मेथड एक्टिंग के तहत आठ दिनों तक खुद को बंद रखने की अफवाहें सच नहीं थीं। मैं ऐसा दोबारा कभी नहीं करूंगा।

वासन बाला द्वारा निर्देशित *जिगरा* एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म में वेदांग रैना ने आलिया भट्ट के भाई की भूमिका निभाई थी। 2024 में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही थी। वेदांग अब इम्तियाज अली की *मैं वापस आऊंगा* में नजर आएंगे।

परफेक्ट फिगर पाने के लिए तापसी पन्नू ने की हद से ज्यादा कसरत, अब लड़कियों से की यह खास गुजारिश

तापसी पन्नू अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी बॉडी इमेज से जुड़ी मुश्किलों के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि उन्होंने स्लिम-फिट दिखने के लिए बहुत मेहनत की। इस कोशिश में उन्होंने अपने आपको परेशान किया। उन्होंने अपनी जिंदगी के उस दौर को याद किया जब उन्हें एक खास तरह का दिखने का बहुत ज्यादा दबाव महसूस होता था।

तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया, मुझे याद है कि मुझे सपाट पेट पाने का जुनून था, क्योंकि बड़े होते समय मैं बहुत ज्यादा फिट थी, लेकिन मुझे कभी समझ नहीं आया कि पेट के निचले हिस्से की चर्बी हमेशा क्यों बनी रहती थी। इसे कम करने के लिए मैंने इतनी ज्यादा कसरत की कि मैंने खुद को हद से ज्यादा थका दिया। यह बात बिल्कुल सही है कि जब आप खुद को हद से ज्यादा थकाते हैं, तो आपके दिमाग में एक खतरे की घंटी बजती है कि आपके शरीर को सुरक्षा की जरूरत है।

तापसी ने आगे बताया कि शरीर पानी को बाहर निकालने के बजाय उसे जमा करना शुरू कर देता है। फिर पेट के निचले हिस्से की वह चर्बी, जो असल में सिर्फ चर्बी नहीं होती, बल्कि पानी का जमाव भी होता है, वहीं बना रहता है। ज्यादा कसरत करने से यह और बढ़ जाता है। तापसी का मानना है कि लोगों को ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

तापसी ने आगे समझाया कि हर महिला का शरीर अलग होता है और हमें इस बात को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि खुद को बहुत ज्यादा परेशान करने के बाद उन्हें यह बात बहुत देर से समझ आई। तब उन्हें एहसास हुआ कि कुछ दिन ऐसे होते हैं, जब पेट थोड़ा फूला हुआ दिखता है और कुछ दिन ऐसा नहीं होता।

उन्होंने कहा, मेरी न्यूट्रिशनिस्ट ने मुझे समझाया कि पेट के निचले हिस्से में थोड़ी सी चर्बी और थोड़ा सा पानी जमा होना असल में जरूरी होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वहीं आपके प्रजनन अंग होते हैं, जिन्हें सुरक्षा की जरूरत होती है। एक महिला होने के नाते, आपको उस सुरक्षा की जरूरत होती है।

उन्होंने आखिर में कहा, यह आपके लिए सेहतमंद है। इसलिए, सिर्फ इंस्टाग्राम पर परफेक्ट दिखने वाली तस्वीरें डालने के लिए, प्लीज खुद को परेशान मत कीजिए। पेट के निचले हिस्से में थोड़ा सा उभार और थोड़ी सी चर्बी होना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है।

विटामिन-सी या विटामिन-डी? इम्युनिटी बढ़ाने के लिए कौन सबसे ज्यादा जरूरी

शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए कौन सा विटामिन सबसे जरूरी है? विटामिन-सी या फिर विटामिन-डी? अगर आपके मन में भी ये सवाल है तो आइए जवाब जान लेते हैं। कई अध्ययन इस बात को स्पष्ट कर चुके हैं कि अगर आपकी इम्युनिटी ठीक है तो कई बीमारियों का खतरा टल सकता है। विशेषतौर पर वायरस, बैक्टीरिया और दूसरे संक्रमणों के कारण होने वाली दिक्कतों से आप काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

हालांकि चिंताजनक रूप से जिस तरह से हमारी लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी बढ़ती जा रही है, इसने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। यही वजह है कि अब लोगों में बार-बार सर्दी-जुकाम, थकान, संक्रमण और कमजोरी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

कोरोना संक्रमण के दौरान भी बीमारी से बचे रहने के लिए अपनी इम्युनिटी को मजबूत रखने वाले उपाय करते रहने की सलाह दी जा रही थी। इसके लिए पोषक तत्वों, विशेषकर विटामिन-सी और विटामिन-डी वाली चीजों के सेवन को सबसे जरूरी माना जाता है। ये दोनों ही शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व हैं। अब सवाल ये है कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए कौन सा विटामिन सबसे जरूरी है?

इम्यून सिस्टम को मजबूत रखना जरूरी

इम्यून सिस्टम शरीर का सुरक्षा कवच होता है। ये शरीर में प्रवेश करने वाले वायरस, बैक्टीरिया और दूसरे हानिकारक तत्वों को पहचानकर खत्म करने का काम करते हैं। यदि शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलते तो इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ सकता है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है, विटामिन-सी शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है और एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है।

वहीं विटामिन-डी इम्यून सेल्स को एक्टिव करने और सूजन को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाता है।

जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है, उनमें संक्रमण और सांस संबंधी बीमारियों का खतरा ज्यादा हो सकता है।विशेषज्ञों के अनुसार केवल सप्लीमेंट लेने से इम्युनिटी मजबूत नहीं होती, इसके लिए संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद, व्यायाम और सही पोषक तत्वों का संतुलन जरूरी होता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इम्युनिटी मजबूत करने के लिए विटामिन-सी और डी दोनों ही जरूरी हैं। दोनों के अलग-अलग काम हैं, इसलिए किसी एक की भी कमी आपकी सेहत के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है।

विटामिन-सी इम्युनिटी के लिए जरूरी

-विटामिन-सी को सेहत के लिए जरूरी माना जाता है, इसे इम्युनिटी बूस्टर माना जाता है।

-यह पानी में घुलने वाला विटामिन है, जो शरीर में स्टोर नहीं होता इसलिए रोजाना इसकी जरूरत पड़ती है।

-विटामिन-सी शरीर में व्हाइट ब्लड सेल्स की क्षमता बढ़ाने में मदद करता है, जिससे शरीर संक्रमण से बेहतर तरीके से लड़ पाता है।

-विटामिन-सी एक प्रभावी एंटीऑक्सीडेंट भी है, जो फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान को कम करता है। अध्ययनों में पाया गया है कि पर्याप्त मात्रा में विटामिन-सी लेने से सर्दी-जुकाम की अवधि कुछ हद तक कम हो सकती है।

-विटामिन-डी से मजबूत होती है बीमारियों से लड़ने की क्षमता

-धूप के संपर्क में आने से विटामिन-डी का निर्माण होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि विटामिन-डी केवल हड्डियों के लिए ही नहीं बल्कि इम्युनिटी के लिए भी बेहद जरूरी है।

-विटामिन-डी शरीर की टी-सेल्स और दूसरे इम्यून सेल्स को एक्टिव करने में मदद करता है।

-ये सेल्स वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

-विटामिन-डी इंफ्लेमेशन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिससे शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया संतुलित रहती है।

-जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है, उनमें श्वसन संक्रमण, फ्लू और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। घर के अंदर ज्यादा रहने वाले लोगों और धूप कम लेने वालों में इसकी कमी ज्यादा देखी जाती है।

कैसे करें इन पोषक तत्वों की पूर्ति?

-शरीर में विटामिन- सी और डी की पूर्ति के लिए खानपान और लाइफस्टाइल को ठीक रखना जरूरी है।

-खट्टे फलों को विटामिन-सी का अच्छा स्रोत माना जाता है। संतरा, आंवला, नींबू, अमरूद, शिमला मिर्च और स्ट्रॉबेरी विटामिन-सी के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

-विटामिन-डी के लिए अंडे की जर्दी, फैटी फिश, मशरूम और फोर्टिफाइड डेयरी प्रोडक्ट्स खाने की सलाह दी जाती है।

विटामिन-सी को सेहत के लिए जरूरी माना जाता है, इसे इम्युनिटी बूस्टर माना जाता है। यह पानी में घुलने वाला विटामिन है, जो शरीर में स्टोर नहीं होता इसलिए रोजाना इसकी जरूरत पड़ती है। विटामिन-सी शरीर में व्हाइट ब्लड सेल्स की क्षमता बढ़ाने में मदद करता है, जिससे शरीर संक्रमण से बेहतर तरीके से लड़ पाता है।

नमस्कार अपर असम

प्रातः खबर

मंगलवार, 2 जून 2026

मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
जोरहाट	30°	19°
डिब्रुगढ़	29°	17°
तिनसुकिया	30°	18°
शिवसागर	30°	19°

लिडू में ड्रग्स सहित दो तस्कर गिरफ्तार

जागुन, 1 जून (सं)। तिनसुकिया जिले के लीडू क्षेत्र में प्रतिबंधित मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मार्घेरिटा और लीडूपुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार रात दो कथित ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से संदिग्ध हेरोइन बरामद की है। पुलिस के अनुसार, लीडू-टिक्क कोलियरी क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान मार्घेरिटा के दो नंबर लाजुम गांव निवासी राजू सोनार को ड्रग्स के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान उसका साथी गौतम धर मौके से फरार हो गया था, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे भी तलाश कर हिरासत में ले लिया। हिरासत मै लिया गया दूसरा आरोपी गौतम धर लीडू का निवासी है और वह पूर्व में भी ड्रग्स तस्करी से जुड़े एक मामले में जेल जा चुका है।

Ph. : 2548109 2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries

जोरहाट में महेश नवमी उत्सव को लेकर माहेश्वरी संगठनों की संयुक्त बैठक

संयोजक का दायित्व सबसे भारी, फिर कारज सिद्ध करेंगे बनवारी

खबर संवाददाता

जोरहाट 1 जून। जोरहाट में माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा संगठन की संयुक्त बैठक कल रविवार को स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित की गई। सभा के अध्यक्ष राधेश्याम बाहेती की अध्यक्षता में आयोजित सभा में सचिव जुगल राठी ने गत बैठक की कार्यवाही पेश की। बैठक में आगामी महेश नवमी उत्सव पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान माहेश्वरी सभा, महिला व युवा संगठन की जोरहाट शाखा के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी धूमधाम से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गत 24 मई को हुई एक सभा के दौरान बनवारी राठी को महेश नवमी उत्सव का संयोजक नियुक्त किया गया था। बैठक में माहेश्वरी सभा के वरिष्ठ सदस्य बालकिशन कांकाणी के जयेष्ठ पुत्र दिवेश कांकाणी के आकस्मिक निधन पर एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इधर कल रविवार को पुन: आयोजित हुई बैठक में गोपाल बाहेती व मुरली करनानी को महेश नवमी उत्सव के सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई। आगामी 23 जून को होने वाले महेश नवमी उत्सव को लेकर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। सभा अध्यक्ष राधेश्याम बाहेती ने कहा कि गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी अधिक से अधिक संख्या में समाजबंधुओं को जोड़कर भगवान महेश का अभिषेक व पूजा-अर्चना का कार्यक्रम भव्य रूप से किया जाएगा। कुल 31 जोड़ों द्वारा संपन्न होने वाले रूद्राभिषेक हेतु मुरली करनानी, लाला मालानी व प्रिया करनानी से संपर्क किया जा सकता है। वहीं शिव महिम्न स्त्रोत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेधावियों का अभिनंदन सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा। मेधावियों के अभिनंदन के क्रम में दसवीं तथा बारहवीं की परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले बच्चों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही उच्च शिक्षा में सफलता हासिल करने वाले बच्चे भी सम्मानित होंगे। इस संदर्भ में नाम दर्ज करवाने हेतु पवन धूत, कैलाश बागड़ी व पूनम सोनी से संपर्क किया जा सकता है। मेधावियों के नाम लिखवाने की अंतिम तिथि 18 जून तय की गई है। सभा में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य ओमप्रकाश राठी, पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री मदन गोपाल बिहानी, माहेश्वरी सेवा न्यास के अध्यक्ष गणपतलाल राठी, सचिव दिलीप गट्टाणी, सभा के कोषाध्यक्ष मोती चांडक, पूर्वोत्तर प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के मंत्री नितेश लखोटिया, माहेश्वरी महिला संगठन की उपाध्यक्ष शोभा सोनी के अलावा कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे। संयोजक बनवारी राठी ने सभी समाजबंधुओं से महेश नवमी उत्सव से जुड़कर इसे सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है।

कार पर सवार पांच चिकित्सक काकोडोंगा में हादसे का शिकार

खबर संवाददाता

जोरहाट 1 जून। जोरहाट के देरगांव सीमावर्ती काकोडोंगा स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती देर रात एक सड़क दुर्घटना में पांच चिकित्सक बुरी तरह घायल हो गए। जोरहाट मेडिकल कॉलेज से डॉक्टरी पास करने वाले इन पांच चिकित्सकों को ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में तैनाती की अनिवार्य रुरल पोस्टिंग मिली थी। उल्लेखनीय है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन लेते समय छात्रों को एक बांड' पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसके तहत डिग्री पूरी करने के बाद उन्हें 1 या 2 साल तक ग्रामीण इलाकों के सरकारी अस्पतालों या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में काम करना अनिवार्य होता है। इस तैनाती में शामिल यह सभी पांच डॉक्टर कल रात किसी काम के बहाने निकले थे। घायलों में तीन पुरुष और दो महिला डॉक्टर शामिल है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को तत्काल जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। इनमें एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पांचों चिकित्सक एक आल्टो कार के10 (एएस-05-ई-0241) पर सवार होकर देरगांव की तरफ जा रहे थे, लेकिन बीच रास्ते में हुए हादसे ने सभी को अस्पताल पहुंचा दिया। घायलों की पहचान डॉक्टर जावेद, डॉक्टर श्रीमंत, डॉक्टर तृषा, डॉक्टर आकांक्षा और अन्य एक महिला डॉक्टर के रूप में हुई है। काकोडोंगा के पास हुए इस हादसे के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया हैं। वहीं इस पूरे मामले पर कोई मुंह खोलने को तैयार नजर नहीं आ रहा है।

मार्घेरिटा उप-जिले की जर्जर सड़कें बनीं जनता की परेशानी का कारण

संवाददाता

जागुन, 1 जून। तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा उप-जिले की बदहाल यातायात व्यवस्था आज क्षेत्रवासियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। सरकारी उदासीनता और विभागीय निष्क्रियता के कारण मार्घेरिटा से लीडु होते हुए जागुन तक जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-315 (एनएच-315) सहित कई महत्वपूर्ण सड़कें जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी हैं। सड़कों की खराब स्थिति का सीधा असर आम जनजीवन के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास पर भी पड़ रहा है। क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सड़कें टूटकर गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई हैं। मार्घेरिटा के सत्संग विहार, बरगोलाई स्थित नेफा चाय फैक्टरी, बरगोलाई रेल क्रॉसिंग, लीडु रेलवे स्टेशन तथा तिराप कोलियरी के निकट एनएच-315 के कई हिस्से अत्यंत खराब स्थिति में हैं। वहीं बरगोलाई-बांहबाड़ी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सड़क, जो राजीव गांधी स्पोर्ट्स प्रोजेक्ट पवेलियन के समीप स्थित है, वह भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार बरगोलाई स्थित नेफा चाय फैक्टरी के

समीप राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा सबसे अधिक खतरनाक बन चुका है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को रोजाना जोखिम उठाना पड़ रहा है। बारिश के दौरान ये गड्ढे पानी से भर जाते हैं, जिससे सड़क और गड्ढों के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में साइकिल, मोटरसाइकिल तथा अन्य छोटे-बड़े वाहनों के लिए आवागमन बेहद जोखिमपूर्ण हो जाता है। स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं सड़क किनारे खड़े रहने वाले कोयला परिवहन में लगे भारी ट्रक। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग के दोनों ओर खड़े इन वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। मनसून की शुरुआत के साथ ही सड़कों की हालत और खराब हो गई है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अत्यधिक भार से लदे कोयला परिवहन में लगे ट्रक-ट्रेलरों की लगातार आवाजाही के कारण सड़कें तेजी से टूट रही हैं। जिन मार्गों पर इन भारी वाहनों का आवागमन अधिक है, वहीं सबसे अधिक क्षति देखने को मिल रही है। दिन-रात चलने वाले इन वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं होने से सड़कों की दुर्दशा लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है मानो सड़कों की चिंता आम जनता की सुविधा के लिए नहीं, बल्कि अवैध लकड़ी और कोयला कारोबारियों के हितों को ध्यान में रखकर की जा रही हो। सड़कों की मरम्मत और रखरखाव को लेकर विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और सरकार की कथित उदासीनता ने लोगों में गहरा असंतोष पैदा कर दिया है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग की अनदेखी के कारण कई सड़कें अब यातायात के लिए लगभग अनुपयुक्त हो चुकी हैं। हालत इतनी खराब है कि कई स्थानों पर वाहन चलाना जान जोखिम में डालने के समान हो गया है। गौरतलब है कि विकास के वादों पर भरोसा जताते हुए क्षेत्र की जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा उम्मीदवार को विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बावजूद इसके सड़क जैसी मूलभूत समस्या के समाधान की दिशा में ठोस पहल न होने से लोगों में निराशा और नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों ने सरकार और संबंधित विभागों से शीघ्र सड़क मरम्मत तथा भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स ने किया अवतार चकमा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

संवाददाता

दुमदुमा, 1 जून। असम राइफल्स ने स्वर्गीय आरएफएन (जीडी) अवतार चकमा के सम्मान में 22 से 28 मई 2026 तक अरुणाचल प्रदेश के दायुन में स्वर्गीय आरएफएन (जीडी) अवतार चकमा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 22 मई 2026 को श्रद्धांजलि समारोह के साथ शुरू हुआ, जहाँ असम राइफल्स के जवानों, गणमान्य नागरिकों और स्थानीय निवासियों ने बहादुर सैनिक को श्रद्धांजलि दी और देश की सेवा में उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस टूर्नामेंट में पूरे क्षेत्र की 14 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे कार्यक्रम में जीवंत सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शन, 8 असम राइफल्स द्वारा प्रभावशाली बैंड प्रदर्शन और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी ने इसे चिह्नित किया। टूर्नामेंट के साथ-साथ आयोजित आउटरीच पहलों के हिस्से के रूप में, असम राइफल्स ने स्थानीय निवासियों के लिए डिब्रूगढ़ के ब्राइट विजन इंस्टीट्यूट द्वारा नेत्र स्वास्थ्य देखभाल शिविर के साथ-साथ एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, पूर्व सैनिकों और स्थानीय लोगों के लिए सीएसडी सुविधाएं प्रदान कीं और प्रतिभागियों और आगंतुकों के लिए भोजन स्टॉल और जलपान की व्यवस्था की। टूर्नामेंट का समापन नामसाई के अचानक फुटबाल क्लब और मनाबुम के रिफ्लेक्शन फुटबाल क्लब के बीच एक रोमांचक फाइनल मैच के साथ हुआ। एक करीबी मुकाबले के बाद, रिफ्लेक्शन फुटबाल क्लब ने चैंपियनशिप ट्रॉफी का हकदार बनने के लिए पेनल्टी शूट में जीत हासिल की। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन युवाओं के सशक्तिकरण, सामुदायिक कल्याण तथा स्थानीय जनसमुदाय के साथ संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के प्रति असम राइफल की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही, यह स्वर्गीय राइफलमैन (जीडी) अवतार चाकमा की गौरवशाली विरासत को सम्मानपूर्वक स्मरण करने का भी प्रतीक है।

दुमदुमा के सीमा सड़क संगठन उदयक परियोजना ने 37 वें स्थापना दिवस पर किया चिकित्सा शिविर का आयोजन

संवाददाता

दुमदुमा 1 जून। सीमा सड़क संगठन के दुमदुमा में स्थित उदयक परियोजना का 37वां स्थापना दिवस मनाया। इस स्थापना दिवस पर एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि उदयक प्रोजेक्ट की स्थापना 1 जून 1990 को देश के पूर्वोत्तर सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क एवं आधारभूत संरचना विकास के उद्देश्य से की गई । आज स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यालय में सुबह एकता दौड़ (यूनिटी रन) का आयोजन किया गया। इसके बाद स्थानीय उद्यानों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के तहत संगठन के चिकित्सा अधिकारियों द्वारा एक निःशुल्क सामान्य स्वास्थ्य एवं दंत चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया गया । इस शिविर में राज्य सरकार के चिकित्सकों ने भी सहयोग प्रदान किया। इस चिकित्सा शिविर में दुमदुमा अंचल के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम के दौरान सीमा सड़क संगठन के अधिकारियों ने समाज सेवा और जनकल्याण के साथ देश के प्रति समर्पित भाव पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दुमदुमा में सुन्दरकाण्ड समितियों का वार्षिकोत्सव आज

संवाददाता

दुमदुमा, 1 जून। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी चाय नगरी दुमदुमा की धार्मिक संस्था श्री सुन्दरकाण्ड समिति एवं मारवाड़ी महिला सुन्दरकाण्ड समिति द्वारा संयुक्त रूप से वार्षिक महोत्सव कल 2 जून मंगलवार को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस आयोजन के लिए पिछले दिनों दोनों धार्मिक समितियों की एक सभा आयोजित कर वार्षिक महोत्सव को आयोजन करने का निर्णय लिया गया और विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर विभागों का दायित्व सदस्यों को दिया गया । इस वार्षिकोत्सव के लिए श्री बालाजी महाराज का भव्य दरबार सजाया जायेगा तथा दोपहर 2.31 बजे से पंडित चिरंजीलाल सुरोलिया के आचार्यत्व में यजमान छोटे लाल गोस्वामी सपत्नीक द्वारा पूजन किया जायेगा तथा ज्योत हवन के बाद आरती की जायेगी । तत्पश्चात दुमदुमा के समाजसेवी व मारवाड़ी पंचायती भवन के सभापति किशनलाल पारीक द्वारा दीप प्रज्वलित कर सुन्दरकाण्ड पाठ के कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा और इसके बाद तिनसुकिया सुन्दरकाण्ड परिवार द्वारा 4.01 से भजनामृत संगीतमय सुन्दरकाण्ड के पाठ किया जायेगा। इस दौरान सजीव झांकियां प्रस्तुत की जायेगी। इस दौरान बाबा का खजाना लुटाया जायेगा और छप्पन भोग लगाया जायेगा। सुन्दरकाण्ड पाठ के समापन के बाद महाआरती की जायेगी । रात्रि 9.01 बजे से महाप्रसाद के भंडारे का आयोजन किया गया है। उल्लेखनीय है कि श्री सुन्दरकाण्ड समिति दुमदुमा द्वारा विगत 22 वर्षों से अविराम प्रत्येक मंगलवार को संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ करती आ रही है और इस समिति की खासियत यह है कि इस समिति में कोई पदाधिकारी नहीं है सिर्फ और सिर्फ श्री बालाजी महाराज ही सर्वेसर्वा हैं। वहीं मारवाड़ी महिला सुन्दरकाण्ड समिति द्वारा भी विगत 23 वर्षों से प्रत्येक शनिवार को भजनामृत संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ करती आ रही है और दोनों समितियां हर वर्ष जून माह के प्रथम मंगलवार को वार्षिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजन करती आ रहें हैं। दोनों समितियों ने सभी धर्मपरायण लोगों से तन मन धन से सहयोग कर इस आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने का आह्वान किया है। वार्षिक महोत्सव के आयोजन का अंतिम रूप देने के लिए सभी सदस्य जोर शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

गोगामुख सड़क हादसे ने उजाड़ा खुशहाल परिवार पति-पत्नी की एक साथ मौत से पसरा मातम

खबर संवाददाता

लखीमपुर, 1 जून। लखीमपुर जिले के शाह परिवार पर रविवार की रात ऐसा दुखों का पहाड़ टूटा, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। गोगामुख क्षेत्र में हुए एक भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के दो अन्य सदस्य घायल हो गए। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे लखीमपुर में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, लखीमपुर निवासी संजय शाह, उनकी पत्नी गायत्री शाह, छोटे भाई रंजू शाह तथा बहन आभा तोदी मरियानी से अपने घर लौट रहे थे। वे एक पारिवारिक शोक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस आ रहे थे। इसी दौरान गोगामुख के सुवनसिरी कॉलेज के समीप उनकी इको वैन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में गायत्री शाह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल संजय शाह को तत्काल लखीमपुर के एन.सी. दास सुपरस्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं वाहन चला रहे रंजू शाह और उनकी बहन आभा तोदी घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है। दुर्घटना रविवार रात लगभग 11 बजे हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। इस दुखद घटना ने शाह परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पति-पत्नी की एक साथ मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। विशेष रूप से उनकी दो मासूम बेटियों और बुजुर्ग माता-पिता का विलाप देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों का अंतिम संस्कार बांटोगांव स्थित महाप्रयाण क्षेत्र में किया गया। उस समय माहौल बेहद भावुक हो गया जब एक ही घर से पति-पत्नी की दो अर्थियां एक साथ निकलीं। यह दृश्य देखकर मौजूद लोगों की आंखें भर आईं और पूरे इलाके में शोक का माहौल छा गया। गोगामुख की इस दर्दनाक दुर्घटना ने एक परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं और पूरे लखीमपुर को गहरे दुख में डुबो दिया।

गौ सेवा कार्यक्रम में समाज की उत्साहपूर्ण सहभागिता

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 1 जून। श्री मारवाड़ी दुर्गापूजा कमेटी (स्थापित 1951) द्वारा अपने प्लेटिनम जुबली वर्ष 'शक्ति विरासत 75 वर्षों की अमृत यात्रा' के अंतर्गत संचालित'अमृत वर्ष सेवा अभियान' के तहत रविवार 31मई की प्रातः 11 बजे ज्योति नगर स्थित तिनसुकिया गौशाला में भव्य गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कमेटी के अध्यक्ष श्री अशोक केजरीवाल एवं सचिव श्री समीर गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भीषण गर्मी के बावजूद समाज बंधुओं, कमेटी के सदस्यों, महिला समिति की कर्मठ एवं सक्रिय सदस्याओं तथा गौ भक्तों की भारी संख्या में उपस्थिति रही।सभी ने पूरे उत्साह, श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ गौ सेवा में सहभागिता निभाई। उपस्थित जनसमूह की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम की सफलता का प्रमुख आधार रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समाजसेवी श्री राकेश गर्ग,श्री जगदीश अग्रवाल,श्री रामगोपाल अग्रवाल,श्री रमन अग्रवाल,श्री प्रकाश बैद,श्री भगवत सुरेखा, श्री महेश गोयनका,श्री संत जालान,श्री बाबूलाल शर्मा सहित गौ सेवक परिवार के अनेक सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित के साथ ही समाजबंधुओं की उपस्थिति भी सराहनीय रही।इस अवसर पर कमेटी द्वारा गौ सवामनी का आयोजन भी किया गया।उपस्थित सदस्यों, सदस्याओं एवं समाज बंधुओं ने अपने हाथों से गौ माता को सवामनी अर्पित कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सभी श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों से रोटी, सब्जी, फल, चना दाल एवं अन्य खाद्य सामग्री लाकर गौ सेवा में योगदान दिया। कमेटी द्वारा शिव शक्ति मंदिर ट्रस्ट को 11 बोरा चापड़ सहित अन्य खाद्य सामग्री भी समर्पित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में शहर की अग्रणी गौ सेवा संस्था 'गौ सेवक परिवार' का विशेष एवं सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।इसके लिए श्री प्रदीप जालान एवं गौ सेवक परिवार के समस्त समर्पित सदस्यों का योगदान अत्यंत प्रशंसनीय रहा,जो बधाई एवं अभिनंदन के पात्र हैं। अध्यक्ष श्री अशोक केजरीवाल एवं सचिव श्री समीर गोयल ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति,सनातन परंपरा एवं मानवीय संवेदनाओं का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों द्वारा प्राप्त सहयोग एवं सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। कमेटी के कोषाध्यक्ष श्री सुनील लुंडीया ने इस सफल आयोजन हेतु समस्त समाज बंधुओं, दानदाताओं, सदस्यों, सदस्याओं,तिनसुकिया गौशाला के पदाधिकारियों, गौ सेवक परिवार,प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन गौ माता की आरती एवं समाज की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की मंगलकामना के साथ संपन्न हुआ।

डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस में गूंजी नवजात की किलकारी चलती ट्रेन में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 1 जून। डिब्रूगढ़ आने वाली लोकमान्य तिलक टर्मिनस डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस में एक भावनात्मक और प्रेरणादायक घटना सामने आई है। महाराष्ट्र से असम के डिब्रूगढ़ की ओर जा रही इस लंबी दूरी की ट्रेन में एक गर्भवती महिला ने चलती ट्रेन के भीतर ही एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। रेलवे कर्मचारियों, सहयात्रियों और चिकित्सा दल के सामूहिक प्रयासों से प्रसव सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ, जिससे एक संभावित आपात स्थिति सुखद याद में बदल गई। जानकारी के अनुसार ज्योति चौधरी नामक महिला यात्रा के दौरान अचानक प्रसव पीड़ा से प्रभावित हुईं। घटना उस समय हुई जब ट्रेन भुसावल और इटारसी रेलवे स्टेशनों के बीच चल रही थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए ट्रेन कंडक्टर एस. पी. फिरके तथा टिकट परीक्षक (टीटीई) अम्बरीश कुमार तिवारी ने तत्काल आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने कोच में एक सुरक्षित स्थान तैयार कराया और रेलवे नियंत्रण कक्ष को तत्काल सूचना देकर चिकित्सकीय सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित की। इस दौरान ट्रेन में मौजूद कई महिला यात्रियों ने भी मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए प्रसूता की सहायता की। सीमित संसाधनों के बावजूद सभी के सहयोग से महिला ने चलती ट्रेन में ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के साथ ही कोच में मौजूद यात्रियों के बीच खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। रेलवे प्रशासन ने घटना की सूचना मिलते ही हरदा रेलवे स्टेशन पर डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की विशेष टीम तैनात कर दी थी। ट्रेन के स्टेशन पहुंचने पर चिकित्सा दल ने मां और नवजात का स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सकों ने दोनों को पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ बताया। यह घटना भारतीय रेलवे की मानवीय सेवा भावना और आपात परिस्थितियों में कर्मचारियों की तत्परता का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है। डिब्रूगढ़ आने वाली इस ट्रेन में जन्मे नवजात की खबर ने यात्रियों के साथ-साथ रेलवे अधिकारियों के बीच भी प्रसन्नता का माहौल बना दिया है। रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन कंडक्टर, टीटीई और प्रसव में सहायता करने वाली महिला यात्रियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके समय पर किए गए प्रयासों ने मां और बच्चे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं अग्रवाल महिला सम्मेलन का संयुक्त शिविर

खबर संवाददाता

गोलाघाट, 1 जून। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, गोलाघाट शाखा एवं अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन, गोलाघाट शाखा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय महेश्वरी भवन में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवा और मानवता के प्रति समर्पित इस कार्यक्रम में कुल 20 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए अपना योगदान दिया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ गायत्री मंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ किया गया। आयोजकों ने बताया कि गायत्री मंत्र के उच्चारण का उद्देश्य सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना तथा रक्तदान जैसे पुण्य कार्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर का संचालन गोलाघाट सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक की प्रभारी बीजू बाईदेव, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. रूपम बोरा तथा उनकी टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर दोनों संगठनों की ओर से चिकित्सा दल का पारंपरिक फूलाम गमछा भेंट कर स्वागत किया गया। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा प्रीति जैन तथा अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन की अध्यक्षा अनुराधा अग्रवाल ने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और इससे अनेक जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिलता है। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस अवसर पर बीजू बाईदेव ने आयोजक संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि समय-समय पर इस प्रकार के रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर पर्याप्त रक्त उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के अंत में सम्मेलन की सचिव विमला सिंघी एवं मीनू अग्रवाल ने चिकित्सा दल का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी रक्तदान शिविरों के आयोजन में इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का अनुरोध किया। इस आशय की जानकारी महिला सम्मेलन की जनसंपर्क प्रमुख राजकुमारी बियानी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

नवनिर्वाचित विधायक विजय गुप्ता का मध्यदेशीय वैश्य महासभा ने किया अभिनंदन

खबर संवाददाता

जोरहाट, 1 जून। मध्यदेशीय वैश्य महासभा की जोरहाट जिला समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों ने कल रविवार को गुवाहाटी पहुंचकर मध्य गुवाहाटी से निर्वाचित विधायक और वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर समिति की ओर से विधायक का फुलाम गामोछा, होराय एवं जापी भेंट कर अभिनंदन किया गया।मुलाकात के दौरान विधायक विजय गुप्ता ने सभी सदस्यों का आत्मीय स्वागत करते हुए समाज के संगठनात्मक विस्तार, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक एकता एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक ने समाज के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि मध्यदेशीया वैश्य समाज को और अधिक संगठित एवं सशक्त बनाने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने समाज के विस्तार एवं नई पीढ़ी को संगठन से जोड़ने की दिशा में सकारात्मक पहल करने का भरोसा भी दिलाया। बैठक में समाज की वर्तमान गतिविधियों, आगामी योजनाओं तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया गया। समिति के सदस्यों ने विधायक के विचारों एवं सहयोग की भावना की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर समाज की ओर से मुन्ना गुप्ता, दीनदयाल गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, द्वारिका प्रसाद गुप्ता, संतोष गुप्ता, विशाल गुप्ता, नागेंद्र साह, पवन गुप्ता, विजय गुप्ता, संदीप गुप्ता, अमित कानू सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। वहीं गुवाहाटी स्थित समिति के रतन गुप्ता, माधव गुप्ता एवं दीनबंधु गुप्ता ने जोरहाट जिला समिति के सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत एवं सहयोग किया। इसके लिए जोरहाट जिला समिति ने सभी के प्रति धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

जोरहाट प्रेस क्लब में सोमवार को आयोजित स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर में गेस्ट्रो सर्जन हिमांशु शर्मा ने पत्रकारों और उनके परिजनों को उपचार और एहतियात की जानकारी दी। फोटो : खबर

लाहोवाल में आंधी के दौरान पेड़ गिरने से युवक की मौत

डिब्रूगढ़, 1 जून (ख.सं)। डिब्रूगढ़ के लाहोवाल में रविवार शाम आए तेज आंधी- तूफान के दौरान एक विशाल पेड़ गिरने से 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।जानकारी के अनुसार लाहोवाल के जगन्नाथ मंदिर के सामने अचानक आए प्रचंड तूफान और तेज हवाओं के कारण एक बड़ा पेड़ उखड़कर गिर पड़ा। इस हादसे में 22 वर्षीय संजय तांती गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि संजय तांती राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के किनारे रेलवे की जमीन पर बने एक अस्थायी आवास में रहता था। तेज आंधी के दौरान उसके घर पर ही विशाल पेड़ गिर पड़ा, जिससे यह दुर्घटना हुई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायल युवक को उपचार के लिए असम चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (एएमसीएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की असामयिक मौत से परिजनों सहित पूरे क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र के जर्जर एवं जोखिमपूर्ण पेड़ों की पहचान कर आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

ऐतिहासिक ढेकियाखोवा बरनामघर में श्रीश्री माधवदेव की 537वीं जयंती का पालन

खबर संवाददाता

टियोक, 1 जून। जोरहाट जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक आस्था के केंद्र श्रीश्री माधवदेव द्वारा स्थापित ढेकियाखोवा बरनामघर में महापुरुष श्रीश्री माधवदेव की 537वीं जयंती आज विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धापूर्वक मनाई गई। जयंती समारोह के अवसर पर प्रातःकाल भव्य सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, भक्तों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। इसके उपरांत नाम-प्रसंग, गुरु चरित पाठ तथा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा नामघर परिसर हरिनाम एवं भक्ति रस से गूंज उठा। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक भक्त-वैष्णव, धर्मप्रेमी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। महापुरुष माधवदेव के आदर्शों, आध्यात्मिक शिक्षाओं एवं समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दिनभर चले इस आयोजन ने धार्मिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण का सृजन कर श्रद्धालुओं को भक्ति एवं सद्भावना का संदेश दिया।

डिब्रूगढ़ के सात छात्रों ने आईआईटी में जगह बनाकर रचा इतिहास

कार्यालय संवाददाता

डिब्रूगढ़, 1 जून। शिक्षा के क्षेत्र में डिब्रूगढ़ शहर ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। असम यूथ कमीशन (एएसवाईसी) की विशेष शैक्षणिक सहायता योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित डिब्रूगढ़ के सात विद्यार्थियों ने प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में प्रवेश के लिए पात्रता हासिल कर पूरे शहर का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मार्गदर्शन तथा असम यूथ कमीशन के अध्यक्ष तरंग गोगोई के नेतृत्व में संचालित इस योजना को डिब्रूगढ़ स्थित एलन करियर इंस्टीट्यूट के सहयोग से सफलतापूर्वक लागू किया गया। योजना के अंतर्गत जेईई एडवांस्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को विशेष शैक्षणिक सहायता,

मार्गदर्शन और कोचिंग उपलब्ध कराई गई। इस वर्ष योजना से जुड़े कुल 16 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड परीक्षा उत्तीर्ण की, जिनमें से सात विद्यार्थियों ने आईआईटी में प्रवेश के लिए पात्रता प्राप्त कर डिब्रूगढ़ को राज्य के शैक्षणिक मानचित्र पर एक बार फिर प्रमुख स्थान दिलाया है। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि डिब्रूगढ़ की शैक्षणिक क्षमता, प्रतिभा और प्रतिस्पर्धी माहौल का भी परिचायक है। आईआईटी में प्रवेश के लिए पात्रता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में कौशिक नाथ, रियान गोगोई, सुप्रतीम देव, ईशान बोरा, निपुंजय सोनोवाल, स्कॉलर बिकाश दास तथा आर्यन यादव शामिल हैं। इन छात्रों की सफलता पर पूरे डिब्रूगढ़ में खुशी का माहौल है और विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक तथा सांस्कृतिक संगठनों ने उन्हें बधाई दी है। शिक्षाविदों का कहना है कि डिब्रूगढ़ लंबे समय से उच्च शिक्षा और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र रहा है। हाल के वर्षों में शहर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। आईआईटी में सात छात्रों का चयन इसी परंपरा को और मजबूत करता है। असम यूथ कमीशन तथा एलन करियर इंस्टीट्यूट ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि डिब्रूगढ़ और असम के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। साथ ही उम्मीद जताई गई कि आने वाले वर्षों में और अधिक छात्र इस योजना का लाभ उठाकर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करेंगे। डिब्रूगढ़ के लिए यह उपलब्धि गर्व का विषय है, जो यह दर्शाती है कि सही मार्गदर्शन, मेहनत और अवसर मिलने पर इस शहर के युवा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में पूरी तरह सक्षम हैं।

जोरहाट लायंस नेत्र चिकित्सालय में निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर संपन्न

खबर संवाददाता

जोरहाट, 1 जून। जोरहाट लायंस नेत्र चिकित्सालय में आज एक दिवसीय मेगा निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 28 जरूरतमंद मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन किया गया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगंबर जैन महिला संगठन की जोरहाट शाखा ने इस शिविर को प्रायोजित किया। इस अवसर पर शाखा की अध्यक्ष सुलोचना देवी पांड्या, सरिता जैन, सीमा जैन, शर्मिला जैन एवं रंजू जैन उपस्थित रहीं। शाम को ऑपरेशन कराए गए मरीजों के बीच हल्का भोजन वितरित किया। शिविर से पहले जोरहाट लायंस

आई हॉस्पिटल के प्रबंधक मंजीत कुमार भुयां ने मरीजों को संबोधित किया। मरीजों का ऑपरेशन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुलकेश भगवती तथा चिकित्सा अधिकारियों डॉ. अलकेश मिश्र और डॉ. रेजाउल करीम ने किया। ऑपरेशन के बाद मरीजों ने खुशी जताई और मानवीय कार्य के लिए पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगंबर जैन महिला संगठन, जोरहाट शाखा एवं जोरहाट लायंस आई हॉस्पिटल का आभार व्यक्त किया।

नशा जागरूकता अभियान के अंतर्गत निबंध, कविता एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

खबर संवाददाता

तिनसुकिया, 1 जून। मारवाड़ी सम्मेलन, तिनसुकिया शाखा द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर नशा जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्थानीय दिगम्बर जैन भवन,डी.एम.लोहिया रोड,तिनसुकिया में निबंध एवं कविता प्रतियोगिता तथा चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के प्रति जागरूकता फैलाना तथा आने वाली पीढ़ी को इस व्यसन से दूर रखते हुए स्वस्थ एवं सुखद जीवन के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा सचिव बिमल चौखानी द्वारा स्वागत उद्बोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके पश्चात उन्होंने कार्यक्रम के संचालक एवं जनसंपर्क अधिकारी दीपक बजाज को मंच संचालन हेतु आमंत्रित किया।श्री दीपक बजाज ने उपस्थित मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, निर्णायक मंडल, शिक्षकगण, अभिभावकों, प्रतिभागियों, समाजबंधुओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तिनसुकिया नगरपालिका के अध्यक्ष पुलक चेतिया के उपस्थिति के अलावा विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में तिनसुकिया लॉ कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.संजय खेतान उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि तिनसुकिया नगरपालिका के अध्यक्ष पुलक चेतिया का शाखा अध्यक्ष पवन केजड़ीवाल द्वारा फुलाम गमछा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया।तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री संजय खेतान का शाखा सचिव बिमल चौखानी द्वारा फुलाम गमछा पहनाकर अभिनंदन किया गया।इसके उपरांत जनसंपर्क अधिकारी एवं कार्यक्रम संचालक दीपक बजाज ने संजय खेतान को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया।जिसके पश्चात शाखा अध्यक्ष पवन केजड़ीवाल को सभा को संबोधित करने हेतु आमंत्रित किया गया।श्री पवनजी केजड़ीवाल ने अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री पुलक चेतिया एवं मुख्य वक्ता एवं विशिष्ट अतिथि समाज बंधु श्री संजय खेतान,मीडिया कर्मी,निर्णायक मंडली,प्रतिभागियों,अभिभावकों,समाज बंधुओं एवं शाखा सदस्यों का उनकी उपस्थिति एवं सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।श्री पवन केजरीवाल ने बच्चों एवं युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में लगभग 160 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतिभागियों द्वारा नशा मुक्ति विषय पर बनाए गए चित्र अत्यंत आकर्षक एवं संदेशप्रद रहे।प्रतियोगिता को दो वर्गों में विभाजित किया गया था। ग्रुप ए में कक्षा 4 से 8

तक तथा ग्रुप बी में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्रीमती वर्षा खेतान,श्री शंकरशन परुआ एवं श्री मुकुल दुवारा शामिल थे।निर्णायकों ने बताया कि उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के कारण विजेताओं का चयन करना अत्यंत कठिन कार्य था। प्रत्येक वर्ग में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान के अतिरिक्त एक-एक सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया। निबंध एवं कविता प्रतियोगिता के संयोजक श्री बजरंगलाल केजड़ीवाल थे।प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में श्रीमती सुजाता खेतान एवं श्री मनोज मोदी शामिल रहे।प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत निबंधों एवं कविताओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता का प्रभावशाली संदेश देखने को मिला।संयोजक श्री दीपक बजाज ने मुख्य वक्ता और विशिष्ट अतिथि श्री संजय खेतान का परिचय उपाध्यक्ष एवं संयोजक श्री जितेंद्र डालमिया द्वारा तथा मुख्य अतिथि श्री पुलक चेतिया का परिचय शाखा के कार्यकारिणी सदस्य एवं पार्षद श्री अशोक अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच संचालक श्री दीपकबजाज द्वारा श्री संजय खेतान को सभागार में उपस्थित समाज बंधुओं,अभिभावकों एवं प्रतिभागियों को संबोधन तथा मार्गदर्शन हेतु आग्रह किया गया।अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में मुख्य वक्ता श्री संजय खेतान ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों, उससे बचाव के उपायों तथा जीवन में अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में विस्तार से बताया।उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।उन्होंने बच्चों को ना कहने की आदत डालने की सलाह दी और गलत संगति से दूर रहने की सलाह दी।उन्होंने बच्चों से आवाहन किया अपने सपनों को पंख दो और आसमान छू लो । मंच संचालक के आग्रह पर मुख्य अतिथि श्री पुलक चेतिया ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला तथा स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण हेतु सभी को नशे से दूर रहने की सलाह दी। इसके उपरांत निबंध एवं कविता प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा संयोजक श्री बजरंगलाल केजड़ीवाल द्वारा की गई तथा विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता के ग्रुप ए एवं ग्रुप बी के विजेताओं की घोषणा श्री दीपक बजाज द्वारा की गई। सभी विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।कार्यक्रम समापन के बाद प्रतिभागियों,अतिथियों, अभिभावकों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई । विशेष धन्यवाद संगठन मंत्री श्री तेजपालजी खंडेलवाल जिन्होंने कार्यक्रम आरंभ होने से पूर्व बच्चों एवं पूरे वातावरण में अपने ज्ञानवर्धक बातों और गानों से ऊर्जा भर दी और उसे रोचक बना दिया जिसका सभी बच्चों ने भरपूर आनंद लिया।साथ ही जनसंर्क अधिकार एवं कार्यक्रम संयोजक श्री दीपक बजाज,श्री बरंगलाल केजड़ीवाल,उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र डालमिया,संयुक्त मंत्री श्री मनोज अग्रवाल,शाखा सचिव श्री बिमल चौखानी जिनके अथक प्रयास से कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित कर पाना संभव हो पाया।वही शाखा के कार्यकारिणी सदस्यों एवं आजीवन सदस्यों श्री रमेश शर्मा, श्री निर्मल शर्मा श्री दामोदर शर्मा, श्री सुरेशजी खेमका,श्री नीरज फटवारिया,श्री नारायणराम भाटीवाड़ा,श्री अमित पारीक,श्री राजकुमार अग्रवाल, का आभार जिन्होंने अपनी उपस्थिति और सहयोग से कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदत्त की । अंत में श्री दीपक बजाज ने कहा कि मीडिया जनहित के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है।उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी निर्णायकों,शिक्षकों,अभिभावकों, प्रतिभागियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वही शाखा के अध्यक्ष पवन केजरीवाल द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर के प्रबंधक श्री सुनीलजी जैन और समिति का हृदय से धन्यवाद ज्ञापन किया गया।जिन्होंने किफायती दर पर भवन आवंटित कर अपनी सहभागिता दी।